# निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व एवं संधारणीयता

# वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2021-22

# संदेश

सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा एनएचपीसी के लिए नई नहीं है। यह हमारी संस्कृति और बिजनेस मॉडल से जुड़ा हुआ है। अपने इस महान देश के लोगों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने के अपने दायित्वों को हमने हमेशा समझा और स्वीकार किया है। एनएचपीसी ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रमों के माध्यम से निर्बल ग्रामीण समुदायों के उत्थान हेतु प्रयास किये है, साथ ही हमारा विशेष ध्यान परियोजनाओं के पास कमजोर और हाशिए पर रहने वाले स्थानीय समुदायों पर रहा है। हमें इस बात पर गर्व है कि आवश्यक और जरूरी CSR कार्यक्रमों के लिए हमने अपने आपको कानून द्वारा CSR के लिए निर्धारित न्यूनतम व्यय तक सीमित नहीं किया है; बल्कि हमने कई बार इस सीमा से कहीं ज्यादा खर्च किया है। ।

हम अपने प्रयासों को उन क्षेत्रों में लगाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो लोगों के जीवन में एक सतत और सार्थक सकारात्मक बदलाव लाते हैं। तदनुसार हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और ग्रामीण विकास से संबंधित गतिविधियों पर जोर दिया है। एनएचपीसी भविष्य में भी इन क्षेत्रों में गतिविधियों को सक्रिय रूप से समर्थन देना जारी रखेगी। हम जानते हैं कि एक सार्थक और निरंतर प्रभाव के लिए हमें दीर्घकालिक दृष्टिकोण से कार्य करना होगा।

मैं वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान की गयी सीएसआर गतिविधियों को सफलतापूर्वक संग्रहित करने के लिए सीएसआर और एसडी डिवीजन को बधाई देता हूं। यह रिपोर्ट दिखाती है कि किस तरह जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन पर हमारा जोर और फोकस लोगों की मदद कर रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह रिपोर्ट निगम के प्रमुख आंतरिक हितधारकों के साथ - साथ निगम के बाहर भी अन्य लोगों के मध्य हमारे प्रयासों को संप्रेषित करने में मदद करेगी। मैं पूरी सीएसआर और एसडी टीम को शुभकामनाएं देता हूं और मुझे यकीन है कि वे अपना अच्छा काम जारी रखेंगे।

**(अभय कुमार सिंह)**
**अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक**

**फरीदाबाद**
**16.08.2022**

## संदेश

एनएचपीसी अपने सभी हितधारकों के समावेशी और सतत विकास की सोच पर कई वर्षों से निरंतर काम कर रहा है। विभिन्न सीएसआर पहलों द्वारा जागृत समाज में किए गए सामाजिक बदलावों में हम स्वयं को भागीदार एवं समर्थक मानते हैं।

एनएचपीसी ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, आजीविका सृजन, सामुदायिक विकास कार्यों जैसे सामुदायिक केंद्रों का निर्माण, गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट, स्वच्छ पेयजल प्रबंधन, पर्यावरण के प्रति समर्पण और कई अन्य क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों को लगातार जारी रखे हुए है। एनएचपीसी की सीएसआर गतिविधियों ने कंपनी की सद्भावना और बेहतर कॉर्पोरेट छवि बनाई हुई है।

मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी और संतुष्टि हो रही है कि हमारी सीएसआर गतिविधियों के लाभार्थियों में कई गुना वृद्धि हुई है। हमारी सीएसआर परियोजनाओं ने कई लोगों के जीवन में उल्लेखनीय स्थायी परिवर्तन हुए हैं। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट इकाई होने के नाते, यह बड़े पैमाने पर समाज के कल्याण के प्रति जवाबदेही की भावना को प्रदर्शित करता है।

वार्षिक सीएसआर रिपोर्ट, जो वर्ष के दौरान की गई प्रमुख सीएसआर पहलों को रेखांकित करती है, निश्चित रूप से सीएसआर के क्षेत्र में एनएचपीसी द्वारा कार्यान्वित सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करने में बहुत उपयोगी सिद्ध होगी।

मैं सीएसआर रिपोर्ट तैयार करने के लिए कॉर्पोरेट कार्यालय/आरओ/परियोजनाओं/पावर स्टेशनों के सीएसआर और एसडी डिवीजन की पूरी टीम को बधाई देता हूं और भविष्य के सभी प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं और सीएसआर के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उनकी सराहना करता हूं।

**(बिश्वजीत वसु)**

**निदेशक (परियोजनाएं)**

## संदेश

एनएचपीसी के व्यवसायिक दर्शन में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का दर्शन भी शामिल है। एनएचपीसी द्वारा प्रमुख हितधारकों की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करके सीएसआर के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसमें प्रत्यक्ष रूप से इसके संचालन और गतिविधियों से सीधे प्रभावित होने वाले लोग भी शामिल हैं। एनएचपीसी ने अपनी परियोजनाओं/विद्युत स्टेशनों/इकाइयों में और उसके आसपास रहने वाले समुदाय के लिए कई सीएसआर योजनाओं की भी पहल की है।

सीएसआर, अब कंपनियों के लिए बड़े सामाजिक उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए एक रणनीतिक उपकरण के रूप में उभरा है और अपने संबंधित परिचालन क्षेत्रों के समाज के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों की सुविधा प्रदान करता है।

एनएचपीसी, सरकार और अपने हितधारकों की अपेक्षाओं के अनुसार सीएसआर गतिविधियों का निष्पादन कर रही है, यह समाज के जरूरतमंद वर्गों की अधिक भलाई के लिए प्रमुख कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विगत वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कई पथप्रदर्शक और नवीन परियोजनाएं लागू की गई हैं।

गतिशील प्रबंधन दृष्टिकोण और निरंतर समर्थन ने पूरी सीएसआर और एसडी टीम को अपने समर्पित और ईमानदार प्रयासों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है जिसके परिणामस्वरूप सीएसआर व्यय और विभिन्न क्षेत्रों में लाभार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है और देश भर में व्यापक विस्तार हुआ है।

मैं सीएसआर समिति के सदस्यों को सीएसआर और एसडी पहल के कार्यान्वयन में उनके अपार समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

मैं वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान की गई प्रमुख सीएसआर गतिविधियों के संकलन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने और इसे वार्षिक सीएसआर रिपोर्ट के रूप में प्रकाशित करने के लिए निगम मुख्यालय / क्षेत्रीय कार्यालयों / परियोजनाओं / पावर स्टेशनों के सीएसआर और एसडी डिवीजन की पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं।

(उदय शंकर शाही )

कार्यपालक निदेशक ( सीएसआर & एसडी)

## विषय-सूची


| क्र. सं. | विवरण | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| 1 | प्रस्तावना | 1 |
| 2 | विगत वित्तीय वर्षों के दौरान सीएसआर निधि का आवंटन और व्यय | 10 |
| 3 | राज्य-वार और क्षेत्र-वार व्यय | 11 |
| 4 | क्षेत्र और उप क्षेत्र-वार व्यय | 12 |
| 5 | स्थान-वार प्रमुख सीएसआर पहलें | 15 |
| 6 | **क्षेत्र - जम्मू** | 15 |
| 7 | सलाल पावर स्टेशन | 15 |
| 8 | दुलहस्ती पावर स्टेशन | 22 |
| 9 | उड़ी पावर स्टेशन | 29 |
| 10 | उड़ी -II पावर स्टेशन | 34 |
| 11 | किशनगंगा पावर स्टेशन | 37 |
| 12 | चुटक पावर स्टेशन | 42 |
| 13 | निम्मो-बाजगो पावर स्टेशन | 47 |
| 14 | सेवा-II पावर स्टेशन | 50 |
| 15 | **क्षेत्रीय कार्यालय - बनीखेत** | 53 |
| 16 | बैरा स्यूल पावर स्टेशन | 55 |
| 17 | चमेरा-I पावर स्टेशन | 58 |
| 18 | चमेरा-II पावर स्टेशन | 60 |
| 19 | चमेरा-III पावर स्टेशन | 66 |
| 20 | **क्षेत्र - चंडीगढ़** | 67 |

| | | |
|---|---|---|
| 21 | पार्बती-II जलविद्युत परियोजना | 67 |
| 22 | पार्बती-III पावर स्टेशन | 71 |
| 23 | धौलीगंगा पावर स्टेशन | 73 |
| 24 | टनकपुर पावर स्टेशन | 80 |
| 25 | **क्षेत्रीय कार्यालय - सिलीगुड़ी** | 86 |
| 26 | टीएलडीपी-III पावर स्टेशन | 87 |
| 27 | टीएलडी-IV पावर स्टेशन | 91 |
| 28 | रंगित पावर स्टेशन | 96 |
| 29 | तीस्ता-V पावर स्टेशन | 98 |
| 30 | लोकतक पावर स्टेशन | 103 |
| 31 | सुबनसिरी लोअर  जलविद्युत परियोजना | 105 |
| 32 | दिबांग बहुउद्देश्यीय परियोजना | 110 |
| 33 | बीआरआरपी पटना (बिहार) | 114 |
| 34 | सौर ऊर्जा परियोजना (तमिलनाडु) | 118 |
| 35 | निगम मुख्यालय के माध्यम से किए गए सीएसआर कार्य | 119 |
| 36 | पावर स्टेशन/परियोजनाएं/इकाई वार व्यय | 127 |
| 37 | गतिविधि वार व्यय | 128 |

## प्रस्तावना

आज की तारीख में एनएचपीसी लिमिटेड भारत में जलविद्युत विकास के क्षेत्र में सबसे बड़ा संगठन बन गया है, जिसमें जलविद्युत परियोजनाओं की स्थापना के संबंध में अवधारणा से लेकर कमीशनिंग तक सभी गतिविधियों को करने की क्षमता है। एनएचपीसी लिमिटेड ने सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भी विविधता लाई है।

एनएचपीसी के पास वर्तमान में 24 पावर स्टेशनों से 7071.2 मेगावाट का इंस्टॉलेशन बेस है, जिसमें दो संयुक्त उद्यम मोड में परियोजनाएं हैं। एनएचपीसी अपने संयुक्त उद्यम/ सहायक कंपनियों सहित वर्तमान में कुल 7539 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता की 11 परियोजनाओं के निर्माण में लगी हुई है। इसके अलावा,7652 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता की कुल 8 परियोजनाएं मंजूरी चरण में हैं, जिसमें एनएचपीसी द्वारा स्वयं की पांच परियोजनाएं और संयुक्त उद्यम मोड में तीन परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, 2455 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता की 5 परियोजनाएं सर्वेक्षण और जाँच चरण में हैं जिनमें तीन जलविद्युत परियोजनाएं (1130 मेगावाट) और दो पंप भंडारण परियोजनाएं (1325 मेगावाट) शामिल हैं जिन्हें एनएचपीसी द्वारा संपादित किया जा रहा है।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व(सीएसआर)एनएचपीसी के व्यापार दर्शन का एक अभिन्न अंग रहा है। एनएचपीसी संगठनात्मक सत्यनिष्ठा और नैतिकतापूर्ण व्यवहार के उच्च स्तरों को बनाए रखते हुए, रिपोर्टिंग और क्रियाकलापों के सभी क्षेत्रों में कार्य निष्पादन का प्रकटीकरण में पारदर्शिता के प्रत्याशित मानकों से अनुरूपता रखते हुए, सामाजिक कल्याण हेतु चिंता करते हुए तथा श्रेष्ठ प्रबंधन व्यवहारों और प्रभावी परिचालन विधियों को अपनाते हुए सभी हितधारकों के भरोसे एवं विश्वास को जीतने के लिए उत्तरदायी तरीके से व्यापार का संचालन कर रही है ।

एनएचपीसी प्रमुख हितधारकों, जिसमें इसके प्रचालन और गतिविधियों से सीधे प्रभावित होने वाले भी शामिल हैं, की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है ।

सेवाएं प्रदान करके और पहल करके सामाजिक अंतर को पाटने के लिए समुदाय (जनता,सिविल और निजी क्षेत्र) में सभी हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। विंस्टन चर्चिल ने एक बार कहा था "यदि मानव जाति लम्बी और अनिश्चित अवधि के लिए वास्तविक समृद्धि चाहती है,तो उन्हें एक-दूसरे के साथ शांतिपूर्वक और सहयोगी तरीके से ही व्यवहार करना चाहिए ।" इसका उद्देश्य लोगों को बेहतर जीवन जीने के लिए और समाज के कमजोर तबके के लोगों को सक्षम बनाने के लिए मदद करना है।

एनएचपीसी को इसकी तकनीकी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है और यह भारत तथा पड़ोसी देशों में हिमालयी क्षेत्र में अपनी मौजूदगी के साथ एक विशाल जल-विद्युत विकासकर्ता और जल विद्युत उत्पादक कंपनी है,जो स्वास्थ्य सहायता और स्वच्छता कार्यक्रम,शिक्षा,कौशल विकास,महिला सशक्तिकरण,पर्यावरण, कला और संस्कृति को बढ़ावा देना,ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल परियोजनाओं और निगमित संस्थापनाओं तथा देश भर में कुछ अन्य स्थानों के समीप समुदाय विकास कार्यक्रम के तहत समुदायों के लिए परिसंपत्ति सृजित करने सहित अनेक पहलों के साथ एक व्यापक सीएसआर कार्यक्रम में सहायता प्रदान करती है । एनएचपीसी समुदाय की भलाई और राष्ट्रीय पहचान के एक प्रेरक मॉडल के साथ कार्य कर रही है। एनएचपीसी सभी हितधारकों का भरोसा और विश्वास जीतने के लिए सामाजिक रूप से जवाबदेह तरीके से अपना कारोबार चला रही है।

एनएचपीसी अपने प्रचालनों और क्रियाकलापों से सीधे तौर पर प्रभावित महत्वपूर्ण हितधारकों की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान करके सीएसआर के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है।

**एनएचपीसी का दृष्टिकोण**

- दक्ष, उत्तरदायी और नवाचारी मूल्यों के माध्यम से स्वच्छ विद्युत के संधारणीय विकास हेतु एक वैश्विक रूप से अग्रणी संगठन बनना ।

**एनएचपीसी का लक्ष्य**

- अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार स्वच्छ विद्युत के विकास में उत्कृष्टता प्राप्त करना ।
- पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक-आर्थिक रूप से उत्तरदायी तरीके से कुशल और दक्ष अनुबंध प्रबंधन और नवीन अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से परियोजनाओं को निष्पादित और प्रचालित करना ।
- मानव पूंजी की पूर्ण संभाव्यता का लाभ लेने के लिए उसे विकसित, पोषित तथा सशक्त बनाना।
- एक सशक्त कारपोरेट पहचान बनाने के लिए कारपोरेट अभिशासन की सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों और दक्ष मूल्य आधारित प्रबंधन को अपनाना तथा कर्मचारियों, ग्राहकों, पर्यावरण, तथा समाज के लिए अधिक सरोकार रखना।
- प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से नवाचारी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाना और प्राकृतिक संसाधनों का इष्टतम उपयोग करना।

**एनएचपीसी का सीएसआर दृष्टिकोण**

- लोगों, पृथ्वी और संगठनात्मक लक्ष्यों/ विकास को ध्यान में रखते हुए सतत विकास और समावेशी विकास के लिए योगदान करना ।

**एनएचपीसी का सीएसआर लक्ष्य**

- व्यापक रूप से समाज के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध,सामाजिक रूप से जिम्मेदार निगमित कंपनी बनना।
- जिन समुदायों के साथ हम अनुबंधित हैं, उनके लिए सुविधाएं सृजित एवं विकसित करना।
- सभी हितधारकों के साझा और एकीकृत प्रयासों से आर्थिक, पर्यावरणीय और कल्याणकारी विकास उद्देश्यों को संतुलित करना।

**सीएसआर क्रियाकलापों के जोर दिए जाने वाले क्षेत्र**

- समाज में मौजूदा असमानताओं को कम करना
- समाज से किनारे किए गए और वंचित तबकों में क्रियाकलापों को केंद्रित करना।
- सर्वसमावेशी समाज विकास मध्यस्थताएं
- ग्रामीण अवसंरचना में मौजूदा कमियों को ठीक करना।
- सतत प्रक्रियाओं का प्रसार करना।
- आधारभूत और उच्चतर शिक्षा पर बल देने के संबंध में संकेंद्रित प्रयास।
- युवाओं को कौशल और लाभकारी प्रशिक्षण देना।
- चिकित्सा सुविधाओं की पहुँच बढ़ाना।
- भारत सरकार के लक्ष्यों को देश के ऐसे स्थानों तक पहुँचाना,जहां पहुँचना संभव नहीं है ।
- महिला सशक्तिकरण ।

**सीएसआर क्रियाकलापों का चयन**

- अधिनियम की अनुसूची VII के अनुसार क्रियाकलापों का चयन करना।
- स्थानीय क्षेत्र को प्राथमिकता देना – 80% आबंटन ।
- जरूरतों के आधार पर और राष्ट्रीय योजनाओं में सरकार के अनुदेशों के आधार पर अन्य स्थान भी चुने जा सकते हैं।
- कंपनी अधिनियम,2013 की अनुसूची-VII और साथ ही धनराशि की उपलब्धता के अनुसार,प्राप्त प्रस्तावों को संकलित करके आगे उनकी जांच की जाती है।
- प्रस्तावों का शुरू में एक समिति द्वारा मूल्यांकन किया जाता है और उसके बाद सीएसआर एवं संधारणीयता संबंधी निदेशकों की समिति के विचारार्थ सिफारिश की जाती है।
- प्रस्तावों की मेरिट के आधार पर ही चयन किया जाता है।

**सीएसआर क्रियाकलापों की मॉनीटरिंग और मूल्यांकन**

- निगम के सीएसआर एवं संधारणीयता क्रियाकलापों के कार्यान्वयन,मॉनीटरिंग और मूल्यांकन के लिए संस्थागत व्यवस्था मौजूद है।
- एनएचपीसी में सीएसआर योजनाओं/ क्रियाकलापों की प्रगति के कार्यान्वयन, मॉनीटरिंग और मूल्यांकन के लिए 03 स्तरीय प्रबंधन संरचना निम्नानुसार है:
  i) एक स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में सीएसआर संबंधी बोर्ड स्तरीय समिति
  ii) कार्यकारी निदेशक के स्तर का नोडल अधिकारी, जिसकी सहायता के लिए उनकी टीम होगी।
  iii) कार्यान्वयन और मॉनीटरिंग के लिए क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक/परियोजना प्रमुख/यूनिट प्रमुख और उनकी टीम।
- प्रत्येक स्थान पर कार्यान्वयनाधीन सीएसआर एवं संधारणीयता योजनाओं की प्रगति की सूचना यूनिट प्रमुख द्वारा मासिक आधार पर निगमित कार्यालय में नोडल अधिकारी को दी जा रही है।
- कार्यों की प्रगति को दर्शाने के लिए फोटो/वीडियो के साथ रिकॉर्ड का रखरखाव किया जा रहा है।
- सीएसआर एवं संधारणीयता क्रियाकलापों के कार्यान्वयन की प्रगति के संबंध में तिमाही रिपोर्टों की सीएसआर समिति और एनएचपीसी बोर्ड द्वारा समीक्षा की जाती है।

**सीएसआर गतिविधियों में सतत विकास लक्ष्यों का कवरेज:**

एनएचपीसी द्वारा शुरू की गई सीएसआर पहल में सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) शामिल हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2015 में स्थापित किया गया था और वर्ष 2030 तक हासिल करना अभीष्ट है।

एसडीजी का मिशन वक्तव्य "अभी और भविष्य में लोगों और पृथ्वी की शांति और समृद्धि के लिए एक साझा खाका।"

## सीएसआर गतिविधियों के तहत शामिल सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी):

**(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा-135 की अनुसूची VII के अनुसार शामिल गतिविधियां)**

निम्नलिखित सतत विकास लक्ष्य सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत आते हैं:

1. **स्वास्थ्य और स्वच्छता:**

• भूख,गरीबी और कुपोषण का उन्मूलन,निवारक स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता सहित स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना,जिसमें स्वच्छता को बढ़ावा देने और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्थापित "स्वच्छ भारत कोष" में योगदान शामिल है।

स्वास्थ्य और स्वच्छता के अंतर्गत आने वाले सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी):

| क्रम सं | सतत विकास सं / लक्ष्य |
|---|---|
| 1 | 1. कोई गरीबी नहीं |
| 2. | 2. शून्य भूख |
| 3. | 3. अच्छा स्वास्थ्य और भलाई |
| 4. | 6. स्वच्छ जल और स्वच्छता |

## 2. शिक्षा और कौशल विकास:

- विशेष शिक्षा और रोजगार बढ़ाने सहित शिक्षा को बढ़ावा देना,विशेष रूप से बच्चों,महिलाओं,बुजुर्गों और विकलांगों और आजीविका वृद्धि परियोजनाओं के बीच व्यावसायिक कौशल बढ़ाना।

शिक्षा और कौशल विकास के अंतर्गत आने वाले सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी):

| क्रम सं | सतत विकास सं / लक्ष्य |
|---|---|
| 1 | 1.कोई गरीबी नहीं |
| 2. | 2. शून्य भूख |
| 3. | 4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा |
| 4. | 5. लैंगिक समानता |
| 5. | 8. सभ्य काम और आर्थिक विकास |
| 6. | 9. उद्योग,नवीनीकरण और आधारभूत संरचना |
| 7. | 10. असमानताओं में कमी |
| 8. | 11. सतत शहर और समुदाय |
| 9. | 12. जिम्मेदार खपत और उत्पादन |
| 10. | 16. शांति,न्याय और मजबूत संस्थाएं |

## 3. पर्यावरण :

- गंगा नदी के कायाकल्प के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्थापित स्वच्छ गंगा कोष में योगदान सहित पर्यावरणीय स्थिरता,पारिस्थितिक संतुलन,वनस्पतियों और जीवों की सुरक्षा,पशु कल्याण,कृषि वानिकी,प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और मिट्टी, हवा और पानी की गुणवत्ता को बनाए रखना सुनिश्चित करना।

पर्यावरण के अंतर्गत आने वाले सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) :

| क्रम सं | सतत विकास सं / लक्ष्य |
|---|---|
| 1 | 6.स्वच्छ जल और स्वच्छता |
| 2. | 7.सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा |
| 3. | 11. सतत शहर और समुदाय |
| 4. | 13. जलवायु से संबंधित कार्रवाई |
| 5. | 14. पानी के नीचे का जीवन |
| 6. | 15. भूमि पर जीवन |

## 4. ग्रामीण विकास :

इसके अंतर्गत आने वाले सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) :

| क्रम सं | सतत विकास सं / लक्ष्य |
|---|---|
| 1 | 1.कोई गरीबी नहीं |
| 2. | 2. शून्य भूख |
| 3. | 3. अच्छा स्वास्थ्य और भलाई |

| | |
|---|---|
| 4. | 4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा |
| 5. | 5 लैंगिक समानता |
| 6. | 6 स्वच्छ जल और स्वच्छता |
| 7. | 7.सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा |
| 8. | 8. सभ्य काम और आर्थिक विकास |
| 9. | 9. उद्योग,नवीनीकरण और आधारभूत संरचना |
| 10. | 10. असमानताओं में कमी |
| 11. | 11. सतत शहर और समुदाय |
| 12. | 12. जिम्मेदार खपत और उत्पादन |
| 13. | 13. जलवायु से संबंधित कार्रवाई |
| 14. | 14. पानी के नीचे का जीवन |
| 15. | 15. भूमि पर जीवन |
| 16. | 16. शांति,न्याय और मजबूत संस्थाएं |
| 17. | 17. लक्ष्यों के लिए भागीदारी |

## 5. महिला अधिकारिता:

- लैंगिक समानता को बढ़ावा देना,महिलाओं को सशक्त बनाना,महिलाओं और अनाथों के लिए घरों और छात्रावासों की स्थापना करना;वरिष्ठ नागरिकों के लिए वृद्धाश्रम,डे केयर सेंटर और ऐसी अन्य सुविधाएं स्थापित करना और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों के सामने आने वाली असमानताओं को कम करने के उपाय करना।

इसके अंतर्गत आने वाले सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) :

| क्रम सं | सतत विकास सं / लक्ष्य |
|---|---|
| 1 | 1.कोई गरीबी नहीं |
| 2. | 2. शून्य भूख |
| 3. | 4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा |
| 4. | 5.लैंगिक समानता |
| 5. | 8. सभ्य काम और आर्थिक विकास |

| | |
|---|---|
| 6. | 9. उद्योग,नवीनीकरण और आधारभूत संरचना |
| 7. | 10. असमानताओं में कमी |
| 8. | 11. सतत शहर और समुदाय |
| 9. | 12. जिम्मेदार खपत और उत्पादन |
| 10. | 16. शांति,न्याय और मजबूत संस्थाएं |
| 11. | 17. लक्ष्यों के लिए भागीदारी |

## 6. स्वच्छ विद्यालय अभियान :

इसके अंतर्गत आने वाले सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) :

| क्रम सं | सतत विकास सं / लक्ष्य |
|---|---|
| 1 | 3. अच्छा स्वास्थ्य और भलाई |
| 2. | 4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा |
| 3. | 5. लैंगिक समानता |
| 4. | 6. स्वच्छ जल और स्वच्छता |

## 7. खेल:

- ग्रामीण खेलों, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेलों, पैरालंपिक खेलों और ओलंपिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण।

इसके अंतर्गत आने वाले सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) :

| क्रम सं | सतत विकास सं / लक्ष्य |
|---|---|
| 1 | 3. अच्छा स्वास्थ्य और भलाई |
| 2. | 5. लैंगिक समानता |
| 3. | 10. असमानताओं में कमी |
| 4. | 17. लक्ष्यों के लिए भागीदारी |

## 8. कला और संस्कृति :

- राष्ट्रीय विरासत, कला और संस्कृति का संरक्षण जिसमें इमारतों और ऐतिहासिक महत्व के स्थलों और कला के कार्यों की बहाली शामिल है;सार्वजनिक पुस्तकालयों की स्थापना; पारंपरिक कला और हस्तशिल्प का प्रचार और विकास।

इसके अंतर्गत आने वाले सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) :

| क्रम सं | सतत विकास सं / लक्ष्य |
|---|---|
| 1 | 3. अच्छा स्वास्थ्य और भलाई |
| 2. | 4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा |
| 3. | 5. लैंगिक समानता |
| 4. | 10. असमानताओं में कमी |
| 5. | 11. सतत शहर और समुदाय |
| 6. | 17. लक्ष्यों के लिए भागीदारी |

## 9. आपदा प्रबंधन :

- आपदा प्रबंधन,राहत,पुनर्वास और पुनर्निर्माण गतिविधियों सहित।

इसके अंतर्गत आने वाले सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) :

| क्रम सं | सतत विकास सं / लक्ष्य |
|---|---|
| 1. | 11. सतत शहर और समुदाय |
| 2. | 17. लक्ष्यों के लिए भागीदारी |

**पिछले वित्तीय वर्षों के दौरान सीएसआर निधि का आवंटन और व्यय**

**(करोड़ रुपये में)**

| क्र. सं. | वित्तीय वर्ष | अनिवार्य निधि आबंटन | आबंटित कुल निधि | वास्तविक व्यय |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2014-15 | 47.64 | 52.24 | 52.24 |
| 2 | 2015-16 | 43.28 | 72.68 | 72.68 |
| 3 | 2016-17 | 44.23 | 75.82 | 75.82 |
| 4 | 2017-18 | 59.52 | 59.52 | 38.55 |
| 5 | 2018-19 | 60.03 | 81.0 | 17.58 |
| 6 | 2019-20 | 59.74 | 126.43 | 126.43 |
| 7 | 2020-21 | 59.43 | 79.63 | 79.63 |
| 8 | 2021-22 | 65.45 | 138.78 | 105.29 |

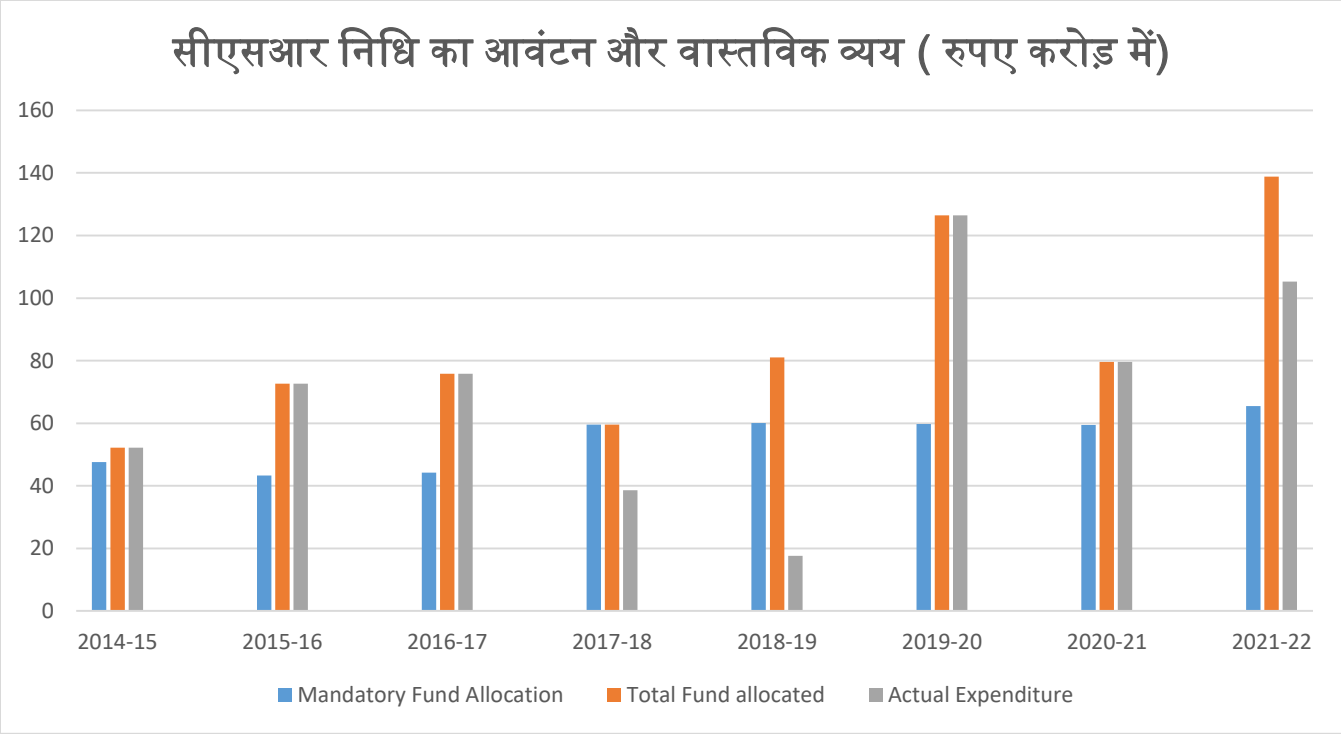

# वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान सीएसआर एवं संधारणीयता गतिविधियों पर राज्य-वार और क्षेत्र-वार व्यय(रुपए लाख में)

| क्र. सं. | राज्य | शिक्षा एवं कौशल विकास | | | स्वास्थ्य देखभाल एवं सफाई | | ग्रामीण विकास | महिला सशक्तिकरण | पर्यावरण | क्षमता निर्माण | खेल | केंद्र सरकार फंड | एसबीए+एसवीए | | आपदा प्रबंधन | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | शिक्षा | कौशल विकास | बाहरी व्यक्तियों के लिए केवी/ अन्य स्कूलों पर व्यय | स्वास्थ्य देखभाल एवं सफाई | बाहरी व्यक्तियों के लिए अस्पतालों/ औषधालयों पर व्यय | | | | | | | एसवीए | अन्य | | |
| 1 | जम्मू व कश्मीर | 10.46 | 23.82 | 735.00 | 375.17 | 45.74 | 97.31 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.39 | 0.00 | 44.87 | 55.37 | 2.86 | **1390.98** |
| 2 | लद्दाख | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 223.64 | 30.36 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 1.33 | 0.00 | 0.00 | **255.33** |
| 3 | हिमाचल | 6.06 | 38.89 | 782.39 | 595.8 | 139.49 | 460.52 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 1.50 | 0.00 | 2.99 | **2027.67** |
| 4 | उत्तराखंड | 7.95 | 8.94 | 539.66 | 83.78 | 10.49 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 25.05 | 0.00 | 0.00 | **675.88** |
| 5 | पश्चिम बंगाल | 0.00 | 16.28 | 176.60 | 6.02 | 15.44 | 0.31 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 178.96 | 0.00 | 0.00 | **393.62** |
| 6 | सिक्किम | 11.28 | 16.54 | 620.62 | -0.07 | 104.95 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | **753.32** |
| 7 | मणिपुर | 0.00 | 0.29 | 267.82 | 45.71 | 82.31 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 30.59 | 0.00 | 0.00 | **426.72** |
| 8 | असम | 0.00 | 11.18 | 183.78 | 116.07 | 58.05 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 275.11 | 0.49 | 0.00 | **644.68** |
| 9 | अरुणाचल प्रदेश | 0.00 | 8.94 | 0.00 | 32.40 | 10.92 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 1.67 | 0.00 | 0.00 | **53.93** |
| 10 | हरियाणा | 4.00 | 0.00 | 0.00 | 222.57 | 0.00 | 0.00 | 48.30 | 0.00 | 385.71 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | **660.58** |
| 11 | दिल्ली | 1.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 3000 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | **3001.00** |
| 12 | राजस्थान | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 1.02 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | **1.02** |
| 13 | तमिलनाडु | 0.00 | 3.35 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | **3.35** |
| 14 | केरल | 84.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | **84.00** |
| 15 | उत्तर प्रदेश | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 78.40 | 0.00 | 7.89 | 0.00 | 27.21 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | **113.50** |
| 16 | बिहार | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 43.68 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | **43.68** |
| | **कुल जोड़** | **124.75** | **128.24** | **3305.87** | **1779.53** | **497.74** | **609.70** | **48.30** | **28.23** | **385.71** | **0.39** | **3000** | **559.08** | **55.86** | **5.85** | **10529.27** |

## वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान सीएसआर एवं संधारणीयता गतिविधियों पर क्षेत्र-वार व्यय (राशि रुपए लाख में)

| क्र. सं. | सेक्टर संख्या | मुख्य क्षेत्र | उप क्षेत्र/मुख्य क्षेत्र | क्षेत्रवार आवंटन (लाख) | क्षेत्रवार आवंटन (लाख) | उप क्षेत्रवार आवंटन (लाख) | उप क्षेत्रवार व्यय (लाख) | क्षेत्रवार व्यय (लाख) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 3 | स्वास्थ्य देखभाल एवं सफाई | स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता | 3334.51 | 4549.96 | 2781.47 | 1779.53 | 2892.22 |
| | 23 | | स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता - बाहरी व्यक्तियों के लिए अस्पतालों/औषधालयों पर व्यय | | | 553.04 | 497.74 | |
| | 14 | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | 1119.76 | | 1119.76 | 559.08 | |
| | 15 | | स्वच्छ भारत अभियान | 95.69 | | 95.69 | 55.86 | |
| 2 | 4 | शिक्षा एवं कौशल विकास | शिक्षा एवं कौशल विकास-शिक्षा | 4058.27 | 4058.27 | 395.77 | 124.75 | 3558.86 |
| | 4 | | शिक्षा एवं कौशल विकास-कौशल विकास | | | 203.13 | 128.24 | |
| | 24 | | शिक्षा एवं कौशल विकास-कौशल विकास - बाहरी व्यक्तियों के लिए केवी/अन्य स्कूलों पर व्यय | | | 3459.37 | 3305.87 | |
| 3 | 5 | महिला सशक्तिकरण/वरिष्ठ नागरिक | महिला सशक्तिकरण/वरिष्ठ नागरिक | 112.09 | 112.09 | 112.09 | 48.30 | 48.30 |
| 4 | 6 | पर्यावरण | पर्यावरण | 278.43 | 278.43 | 278.43 | 28.23 | 28.23 |
| 5 | 7 | कला एवं संस्कृति | कला एवं संस्कृति | 213.77 | 213.77 | 213.77 | - | - |
| 6 | 9 | खेल | खेल | 130.40 | 130.40 | 130.40 | 0.39 | 0.39 |
| 7 | 10 | केंद्र सरकार निधि | केंद्र सरकार निधि | 3000.00 | 3000.00 | 3000.00 | 3000.00 | 3000.00 |
| 8 | 12 | ग्रामीण विकास | ग्रामीण विकास | 899.67 | 899.67 | 899.67 | 609.70 | 609.70 |
| 9 | 13 | क्षमता निर्माण | क्षमता निर्माण | 387.21 | 387.21 | 387.21 | 385.71 | 385.71 |
| | 25 | | सीएसआर कर्मचारियों के वेतन पर व्यय (क्षमता निर्माण सहित) | | | | | |
| 10 | 17 | आपदा प्रबंधन | आपदा प्रबंधन | 105.86 | 105.86 | 105.86 | 5.85 | 5.85 |
| 11 | | आरक्षित निधि | आरक्षित निधि | 122.69 | 122.69 | 122.69 | - | - |
| 12 | | प्रभाव आकलन | प्रभाव आकलन | 20.00 | 20.00 | 20.00 | - | - |
| | | | **कुल** | **13878.34** | **13878.34** | **13878.34** | **10529.27** | **10529.27** |

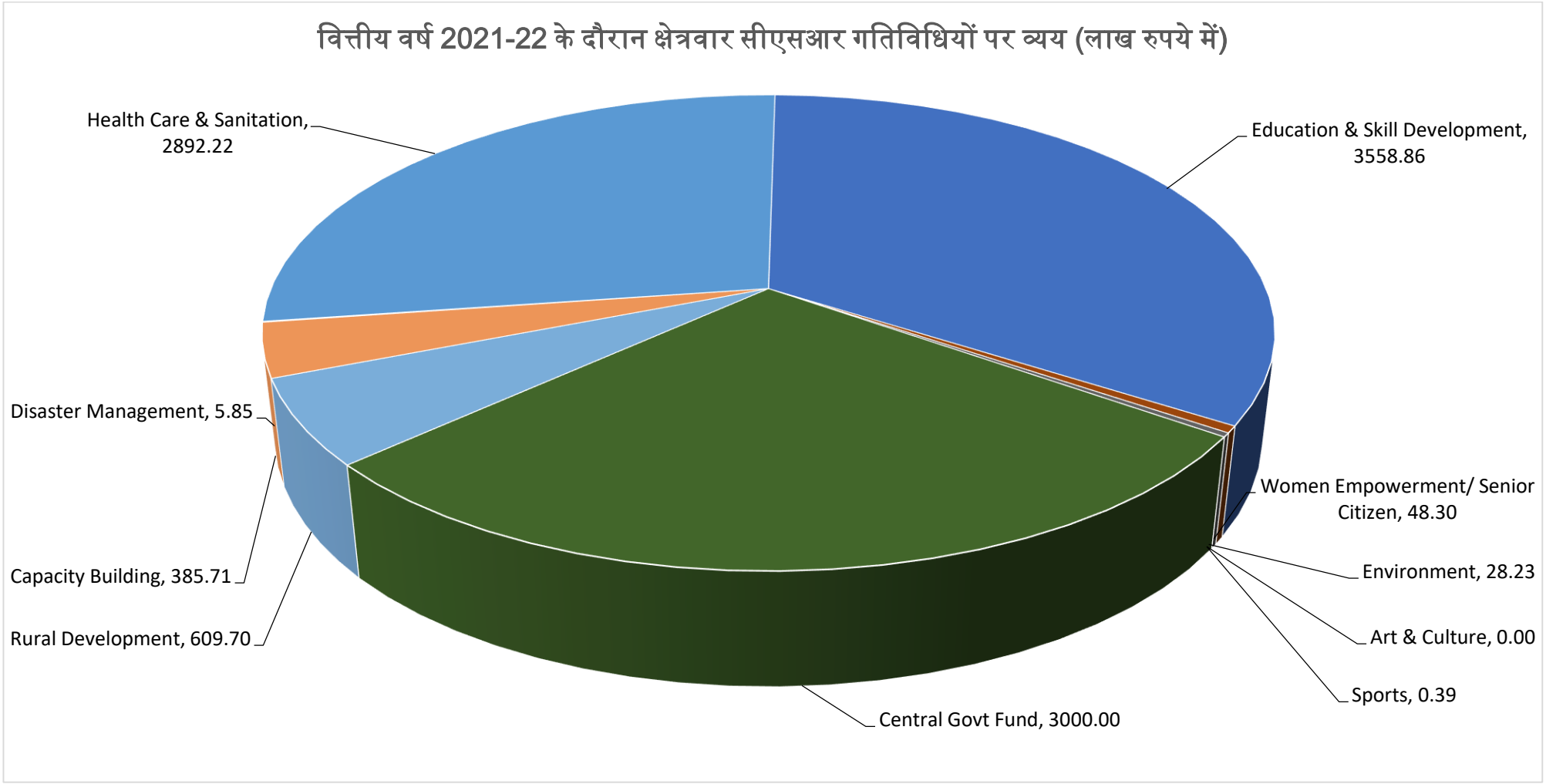
वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान क्षेत्रवार सीएसआर गतिविधियों पर व्यय (लाख रुपये में)
Health Care & Sanitation, 2892.22
Education & Skill Development, 3558.86
Disaster Management, 5.85
Women Empowerment/ Senior Citizen, 48.30
Capacity Building, 385.71
Environment, 28.23
Rural Development, 609.70
Art & Culture, 0.00
Sports, 0.39
Central Govt Fund, 3000.00

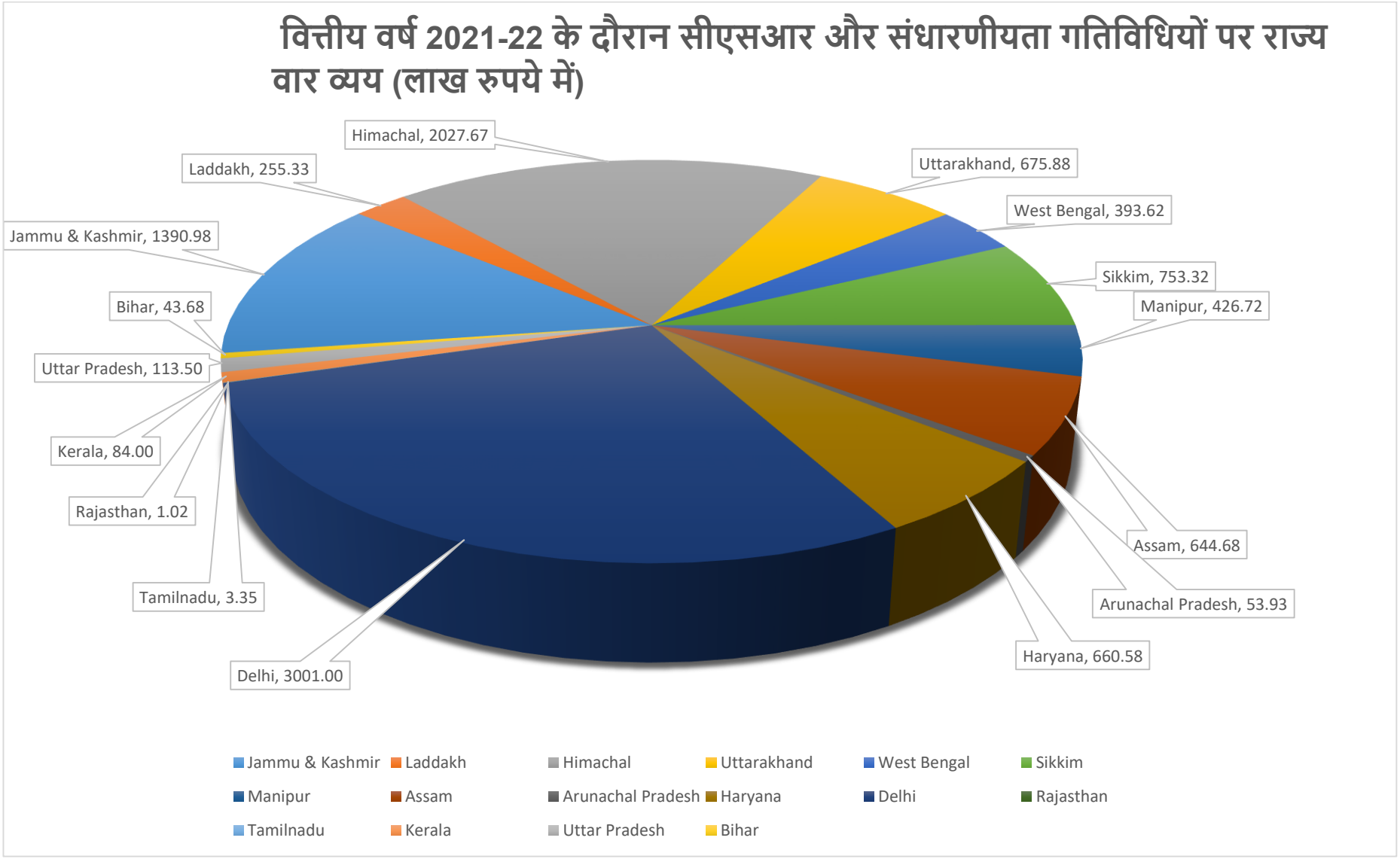
वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान सीएसआर और संधारणीयता गतिविधियों पर राज्य वार व्यय (लाख रुपये में)
Himachal, 2027.67
Laddakh, 255.33
Uttarakhand, 675.88
West Bengal, 393.62
Jammu & Kashmir, 1390.98
Sikkim, 753.32
Bihar, 43.68
Manipur, 426.72
Uttar Pradesh, 113.50
Kerala, 84.00
Rajasthan, 1.02
Assam, 644.68
Tamilnadu, 3.35
Arunachal Pradesh, 53.93
Delhi, 3001.00
Haryana, 660.58
Jammu & Kashmir
Laddakh
Himachal
Uttarakhand
West Bengal
Sikkim
Manipur
Assam
Arunachal Pradesh
Haryana
Delhi
Rajasthan
Tamilnadu
Kerala
Uttar Pradesh
Bihar

## क्षेत्र-जम्मू

### सलाल पावर स्टेशन:

### I) शिक्षा और कौशल विकास:

- **एनएचपीसी द्वारा संचालित " केंद्रीय विद्यालय,ज्योतिपुरम" मे वाह्य बच्चों का अध्ययन लाभ :**

सलाल पावर स्टेशन के आवासीय कालोनी ज्योतिपुरम में स्थित "केंद्रीय विद्यालय" दूर-दराज के क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए एक वरदान के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। इस विद्यालय से स्थानीय बच्चे लगातार अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपने उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर है। वर्ष 2021-22 में कुल 610 छात्रों को इसका लाभ मिला और इस वर्ष इसमें कुल रु 259.19 लाख का खर्च बुक किया गया।

**केंद्रीय विद्यालय, ज्योतिपुरम का दृश्य**

लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 350 | 163 | 75 | 22 | 610 | 320 | 290 |

### II) ग्रामीण विकास

- **बिड्डा गांव में प्रोटेक्शन वर्क और कच्चे सड़क की टॉपिंग का कार्य :**

परियोजना परिक्षेत्र के बिड्डा गांव में वहां के स्थानीय पंचायत और लोगों के अनुरोध पर उक्त गाँव को "आदर्श ग्राम" बनाने हेतु एडाप्ट किया गया है। इसी प्रक्रिया में सलाल पावर स्टेशन द्वारा बिड्डा गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने वाली 2.115 किमी लंबी कच्ची सड़क को कुछ प्रोटेक्शन वर्क और इसकी ब्लैक टॉपिंग का कार्य करवा कर इसका सुधारीकरण किया गया है। कार्य पूर्ण हो चुका है। इसकी कुल लागत रु 82.79 लाख है और वर्ष 2021-22 में कुल रु 51.89 लाख का खर्चा किया गया है।

इस कार्य से वहां के लगभग 1250 लोग और अन्य आगंतुकों को लाभ मिल रहा है।

**" बिड्डा रोड का सुधारीकरण" कार्य पूर्ण हो चुका है।**

लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 573 | 67 | 524 | 86 | 1250 | 583 | 667 |

- **रियासी जिले के कोटला और थेरु गाँव में जल-आपूर्ति की परियोजना का कार्य :**

परियोजना परिक्षेत्र के कोटला और थेरु गाँव में वहां के स्थानीय पंचायत और लोगों के अनुरोध पर जल-आपूर्ति परियोजना को निष्पादित करने का कार्य सलाल पावर स्टेशन द्वारा सीएसआर एवं एसडी योजना के अंतर्गत करवाया जा रहा है। इस संबंध में उक्त कार्य स्थानीय प्रशासन द्वारा "डिप्टी डेवेलेपमेंट कमिश्नर" के साथ एमओयू साईन करके "डिपाजीट बेसिस" पर करवाया जा रहा है। यह परियोजना कुल रु 123 लाख की है। अभी तक कुल रु 81.5 लाख का भुगतान किया जा चुका है। जिसमें से वर्ष 2021-22 में कुल 42.0 लाख का भुगतान किया गया है। संबन्धित विभाग (PHE,Reasi) द्वारा इस मद में अभी तक विभिन्न पाईपों आदि की खरीद की जा रही है और इनको लगाने का कार्य प्रगति पर है। इस गतिविधि से लगभग 601 लोग लाभान्वित होंगे।

**पाईप लाईन बिछाने का कार्य प्रगति पर है**

लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 272 | 77 | 104 | 148 | 601 | 289 | 312 |

## III) स्वास्थ्य और स्वच्छता:

- **पावर स्टेशन के चिकित्सालय में वाह्य लोगों के स्वास्थ की जांच :**

वर्ष 2021-22 में स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के प्रति अपनी संवेदना दिखाते हुये सलाल पावर स्टेशन द्वारा परियोजना चिकित्सालय में एनएचपीसी के कार्मिकों के अतिरिक्त वाह्य मरीजों का भी ईलाज़ किया गया और उनको आवश्यकतानुसार दवाईयों का वितरण भी किया गया। इस वर्ष कुल रु 7.99 लाख का खर्चा बुक किया गया।

सलाल पावर स्टेशन के चिकित्सकगण मरीज को देखते

लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 10350 | 1170 | 550 | 430 | 12500 | 11705 | 795 |

## IV) स्वच्छ विद्यालय अभियान –

### "28 शौचालयों का सुधारीकरण कार्य"

विद्युत मंत्रालय के निर्देशानुसार स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत सलाल पावर स्टेशन में वर्ष 2014-15 में कुल 88 स्कूलों में 153 शौचालय बनवाए गए थे। जिसमें से आवश्यकतानुसार कुल 28 शौचालयों को वर्ष 2021-22 में मरम्मत करके ठीक किया गया। जिसमें कुल रु 1.6 लाख का खर्चा हुआ और इस गतिविधि (153 शौचालयों )से कुल 4410 विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे है।

**लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :**

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2965 | 615 | 750 | 80 | 4410 | 2060 | 2350 |

V) पर्यावरण:

- **थनपाल गांव में सोलर लाईट (स्ट्रीट) लगवाना –**

वर्ष 2021-22 में सलाल पावर स्टेशन के बांध क्षेत्र के पास स्थित गाँव थनपाल में कुल 25 सोलर लाईटों को लगवाने हेतु कुल रु 10.00 लाख का बजट आवंटन (फरवरी-2022 में ) किया गया है। यह गतिविधि वर्ष 2022-23 के योजना में बजट के पुन:आवंटन (carry forward) के बाद पूरी की जाएगी ।

**अनुमानित लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :**

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1500 | 100 | 300 | 100 | 2000 | 980 | 1020 |

VI) शिक्षा और कौशल विकास:

**• राजकीय प्राईमरी स्कूल, थनपाल में भवन /बाऊन्ड्री / शौचालय आदि के मरम्मत का कार्य :**

वर्ष 2021-22 में थनपाल गांव में स्थित राजकीय प्राईमरी स्कूल के विभिन्न नवीकरण कार्यों के लिए कुल 12.00 लाख रुपये का बजट (फरवरी-2022 में ) आवंटन किया गया है । इस संबंध में ओपन टेंडर के माध्यम से उक्त कार्य को करवाने हेतु प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है । यह गतिविधि वर्ष 2022-23 के सीएसआर एवं एसडी योजना में पुन:बजट आवंटन (carry फॉरवर्ड)के बाद पूरी की जाएगी ।

**अनुमानित लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :**

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 35 | 5 | 10 | 5 | 55 | 25 | 30 |

## दुलहस्ती पावर स्टेशन

### I) कोविड-19 के दौरान की गई पहल और स्वास्थ्य शिविर

सक्रिय दृष्टिकोण, व्यावसायिक सीमाओं से आगे जाकर जीवन शैली में उन्नयन के लिए समाज के सतत विकास की दिशा में कार्य करता है। सीएसआर संगठन के सीएसआर परियोजनाओं में इंगित सामाजिक कार्य-निष्पादन पर महत्वपूर्ण ध्यान देने के साथ सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी)की दिशा में कार्य करने के लिए एक प्रभावी साधन बन गया है। सतत विकास लक्ष्यों(एसडीजी)को वैश्विक लक्ष्यों के रूप में जाना जाता है, गरीबी को समाप्त करने, पृथ्वी की रक्षा करने और सभी लोग शांति और समृद्धि का आनंद लें, यह सुनिश्चित करने के लिए एक सार्वभौमिक आह्वान है।

वर्तमान में सीएसआर आगे की ओर अग्रसर है और यहाँ तक कि ग्राहक भी बड़े स्तर पर समाज में कंपनियों के योगदान में रुचि रखते हैं। देश में समुदायों के सामने आने वाली कुछ गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय कंपनियाँ सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही हैं। इसका उद्देश्य लोगों को बेहतर तरीके से जीवन जीने में मदद करना और समाज के कम विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग को सक्षम बनाना है। दुलहस्ती पावर स्टेशन, एनएचपीसी पूरे देश में निगम के प्रतिष्ठानों के आसपास के समुदायों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सहायता कार्यक्रमों सहित कई पहलों को शामिल करते हुए एक व्यापक सीएसआर कार्यक्रम का समर्थन करता है।

एनएचपीसी का दुलहस्ती पावर स्टेशन नवीनतम स्किल सेट के साथ जम्मू व कश्मीर और पड़ोसी राज्यों में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति के साथ उच्चतम प्रदर्शन करने वाले पावर स्टेशन में से एक है। दुलहस्ती पावर स्टेशन स्थापना के आसपास के समुदायों के लिए स्वास्थ्य सहायता कार्यक्रम सहित कई पहलों को शामिल करते हुए एक व्यापक सीएसआर कार्यक्रम का समर्थन करता है। दुलहस्ती पावर स्टेशन सामुदायिक कल्याण और राष्ट्रीय पहचान के प्रेरक मॉडल के साथ कार्य कर रहा है।

दुलहस्ती पावर स्टेशन जिम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं को सुदृढ़ीकरण करने के लिए नागरिक समाज संगठनों को एक मजबूत मंच प्रदान करने वाली एक एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है।

दुलहस्ती पावर स्टेशन के डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों ने कर्मचारियों और स्थानीय निवासियों को कोविड -19 के बारे में जागरूक किया। स्वास्थ्य मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) आदि से प्राप्त पोस्टर/पैम्फलेट प्रदर्शित किए गए और कोविड-19 के संबंध में वेबकास्ट भी आयोजित किया गया। दुलहस्ती पावर स्टेशन ने उपयुक्त स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्थानीय समुदायों और सरकार के साथ मिलकर कार्य करने की अपनी योजना तैयार की है। हैंड सैनिटाइज़र, मास्क, दस्ताने और अन्य पीपीई प्रदान किए गए हैं। कार्यालय भवनों, बाजारों, पावर स्टेशनों के प्रतिष्ठानों, अस्पतालों, सामुदायिक हॉल और अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों को नियमित रूप से साफ किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, पावर स्टेशन के आसपास के गाँवों, इलाकों को भी सेनेटाइज किया गया है और जिला प्रशासन की सहमति से चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। इस प्रयास में करीब दस हजार लीटर कीटाणुनाशक और दवाएँ बाँटी जा चुकी हैं। स्वच्छता और  सफाई की आदत डालने के संबंध में जागरूकता फैलाने का निरंतर प्रयास किया गया है। चिकित्सा शिविरों में लाभार्थियों की कुल संख्या 327 है। पावर स्टेशन अस्पताल में लाभार्थियों की संख्या 4542 है।

**II)  सेवा भारती, जम्मू को एम्बुलेंस दान देना:**

दूसरी लहर के दौरान कोविड रोगियों में अचानक वृद्धि होने से देश में संपूर्ण स्वास्थ्य ढांचा जबरदस्त दबाव में है और चिकित्सा बुनियादी ढांचे की भारी कमी का सामना कर रहा है। इसलिए, इस महामारी के समय में, एनएचपीसी के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि वह समाज की भलाई के लिए अपनी सीएसआर पहल के तहत एजेंसियों के चिकित्सा बुनियादी ढांचे को यथासंभव मजबूत करे।

दुलहस्ती पावर स्टेशन, एनएचपीसी, ने अपनी सीएसआर गतिविधियों के हिस्से के रूप में 25 लाख रुपए की लागत पर सेवा भारती (समुदाय की सेवा में प्रमुखता से कार्यरत एक गैर सरकारी संगठन)को पूरी तरह से सुसज्जित एम्बुलेंस दान में दिया। यह एम्बुलेंस आपातकालीन स्थिति में किश्तवाड़, डोडा और उधमपुर जिलों के दूर-दराज के इलाकों से मरीजों को परिवहन की मदद करने के लिए मल्टी-चैनल मॉनिटर, डिफाइब्रिलेटर, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर, ह्यूमिडिफायर सहित एम्बुलेंस उन्नत लाइफ सपोर्ट सिस्टम और सहित अन्य उपकरणों से लैस है।

श्री जितेंद्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री, पीएमओ, भारत सरकार एवं उधमपुर (जम्मू व कश्मीर)से सांसद (लोकसभा)और श्री अभय कुमार सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी की उपस्थिति में 28.08.2021 को वाहन को झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

**III) डोडा जिले में "आरोग्य" स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम**

डोडा जिला बहुल पहाड़ी क्षेत्र है और गंभीर रोगियों को जम्मू ले जाना बहुत मुश्किल होता है। 2011 की जनगणना के अनुसार डोडा की कुल आबादी में से 7.97 प्रतिशत लोग जिले के शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। कुल 32, 689 लोग शहरी क्षेत्रों में रहते हैं, जिनमें पुरुष 18, 211 और महिलाएं 14,478 हैं।

एनएचपीसी सीएसआर गतिविधियां तीन मुख्य क्षेत्रों - शिक्षा, पर्यावरण और स्वास्थ्य देखभाल पर केंद्रित हैं। जिस सामाजिक परिवेश में एनएचपीसी कार्य करता है, उसकी भलाई करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए एनएचपीसी ने अपनी "आरोग्य" पहल के माध्यम से डोडा जिले में आम नागरिक के लिए मोबाइल स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम की घोषणा की है।

एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा संचालित परियोजना 'आरोग्य', गुणवत्तापूर्ण परिणामों के साथ त्वरित निदानार्थ जांच निःशुल्क प्रदान कर रही है। आरोग्य का उपयोग करते हुए 3,712 से अधिक लाभार्थियों (पुरुष रोगी-1710 और महिला रोगी-2002) के साथ 1962 से अधिक निदानार्थ जांच की गई हैं।

## IV) केन्द्रीय विद्यालय, किश्तवाड़ के माध्यम से "शिक्षा" की पहल

एनएचपीसी की निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व प्रक्रिया के अंश के रूप में, पावर स्टेशन के परिसर क्षेत्र के भीतर दुलहस्ती पावर स्टेशन केंद्रीय विद्यालय, किश्तवाड़ का संचालन कर रहा है। स्कूल को मुख्य रूप से अपने स्टाफ के बच्चों को शैक्षिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था। वर्तमान में, यह स्कूल शिक्षा की विशेष अपेक्षाएं पूरी कर रहा है।

स्कूल में 938 से अधिक छात्र पढ़ते हैं। स्कूल में योग्य एवं अनुभवी शिक्षक हैं। उनकी प्रशिक्षण रणनीतियों का हमेशा मूल्यांकन किया जाता है और आवश्यकतानुसार उन्हें परिवर्तित किया जाता है।

आज की स्कूली शिक्षा भविष्य के नागरिकों को विकसित करेगी। यह महसूस किया गया है कि समग्रतात्मक शिक्षा के लिए अच्छे आधार बनाने से विकसित समाज बनाने में सहायता मिलती है। एनएचपीसी ने केंद्रीय विद्यालय, किश्तवाड़ के माध्यम से बाहरी छात्रों को शिक्षा देने में सहायता प्रदान की है, जिससे 862 छात्र लाभान्वित हुए, जिनमें से 482 पुरुष और 380 महिला छात्र हैं। इनमें से 113 एससी, 35 एसटी, 34 ओबीसी और 680 सामान्य श्रेणी के छात्रों की संख्या है।

## V) <u>स्वच्छ विद्यालय अभियान</u>

"स्वच्छ विद्यालय अभियान" के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, दुलहस्ती पावर स्टेशन ने किश्तवाड़ जिले के 34 स्कूलों के 68 शौचालयों में सुधार और मरम्मत के लिए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू किया है और जल आपूर्ति और पानी की टंकियों की सुविधा प्रदान की है। इस पहल का उद्देश्य भारत सरकार की पहल "स्वच्छ विद्यालय अभियान" का समर्थन, संवर्द्धन तथा उलेल्खनीय योगदान देना है। भारत सरकार की पहल का उद्देश्य भारत को खुले में शौच मुक्त बनाना है, जिसे पूरे देश में एक राष्ट्रीय जन आंदोलन के रूप में लागू किया जा रहा है। कार्यक्रम का प्रमुख घटक स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति लोगो के व्यवहार में परिवर्तन करवाना है।

## VI) अन्य चल रहे दीर्घकालिक सीएसआर कार्यक्रम

दुलहस्ती पावर स्टेशन, एनएचपीसी लिमिटेड ऐसी कई परियोजनाओं से जुड़ा हुआ है, जो सामाजिक जागरूकता, समुदायों का क्षमता निर्माण और इन बुनियादी ढांचे को बनाए रखने के लिए संस्थागत निर्माण के लिए कम विनियोजन के साथ दृश्यमान संपत्ति/ बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करती हैं। परियोजनाओं को स्थायी बनाने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि प्रारम्भ से ही सामुदायिक और पंचायत कार्यों को एकीकृत किया जाए और विभिन्न सरकारी विभागों को एक साथ लाया जाए। सस्टेनेबिलिटी एक बार की प्राक्रिया नहीं है बल्कि यह एक गतिशील और निरंतर प्रक्रिया है जिसे पावर स्टेशन क्षेत्र में निश्चित अवधि के लिए किए जाने की आवश्यकता है। इसमें ग्रामीण समुदाय को विकसित करना शामिल है।

**क. गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल संग्रामभाटा, किश्तवाड़ के भवन का रखरखाव/ मरम्मत/ नवीनीकरण :-**

जिला प्रशासन के साथ दिनांक 28.02.2020 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, कुल परियोजना लागत 7.40 लाख रूपए है और इसे जिला प्रशासन, किश्तवाड़ के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है।

**ख. राजकीय माध्यमिक विद्यालय, बगवां मोहल्ला, किश्तवाड़ के परिसर की दीवार और फर्श की मरम्मत :-**

जिला प्रशासन के साथ दिनांक 28.02.2020 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं, कुल परियोजना लागत 6.60 लाख रूपए है और इसे जिला प्रशासन, किश्तवाड़ के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है।

ग. ब्लॉक मारवाह में बरसर परियोजना के नोआपची में पर्यावरण स्थिरता के लिए **निवारक स्वास्थ्य देखभाल के लिए हर्बल पार्क को विकसित करने का कार्य** और वृक्षारोपण द्वारा क्षेत्र को विकसित करने का कार्य, जिला प्रशासन, किश्तवाड़ के माध्यम से क्रियान्वित करने के प्रक्रियाधीन है।

घ. **क्षय रोग केन्द्र, किश्तवाड़ में शौचालय परिसर का निर्माण कार्य** जिला प्रशासन, किश्तवाड़ के माध्यम से कार्यान्वयन की प्रक्रिया में है।

## VII) मीडिया में :-

NHPC Dulhasti Power Station donates ambulance to NGO

'Critics must visit bunkers before drawing conclusions'

Govt considering further measures to check border infiltration: Dr Jitendra

Nishikant Khajuria

भारत जल्द ही सुरंगों का पता लगाने में होगा सक्षम : डा. जितेंद्र

सीमा जागरण मंच, सेवा भारती और एनएचपीसी द्वारा आयोजित विचार गोष्ठी में बोले केंद्रीय राज्य मंत्री

---------- X ----------

# उड़ी पावर स्टेशन

I) **स्वास्थ्य और स्वच्छता:**

i) **बारामूला(जम्मू-कश्मीर) जिले के विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों (जैसे पीएचसी/ सीएचसी और उप जिला अस्पतालों) में यूएसजी कलर डॉपलर, एक्स-रे मशीन, यूरिन एनालाइजर, कार्डिएक मॉनिटर, ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर, जनरेटर सेट, सीआर सिस्टम, डेंटल चेन जैसे मशीनरी उपकरण उपलब्ध कराना** :

जिला बारामुल्ला, जम्मू कश्मीर को 2019 में ऐस्पिरेस्नल डिस्ट्रिक्ट के अंतर्गत घोषित किया गया जिसके तहत सीएसआर एवं एसडी स्कीम में जम्मू कश्मीर के विकास तथा लोगों के लाभ के लिए विभिन्न सेक्टर जैसे: *स्वास्थ्य और स्वच्छता,* ग्रामीण विकास आदि के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम को चलाने के लिए एनएचपीसी तथा जम्मू कश्मीर के बारामूला जिला प्रशासन प्राधिकरण के मध्य एनएचपीसी उड़ी-I के लिए तीन एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं । जिसमे से एक समझौता ज्ञापन *स्वास्थ्य और स्वच्छता* सेक्टर के अंतर्गत साइन हुआ जिसके तहत 803.20 लाख रूपए तक उपर्युक्त कार्य किया जाना प्रस्तावित हुआ। एमओयू के अंतर्गत एनएचपीसी को अधिकृत स्थानीय बारामुल्ला जिला प्राधिकरण द्वारा चिकत्सीय उपकरणों को खरीदने के लिए एमओयू में वर्णित भुगतान शर्त के आधार पर आवश्यक धन का भुगतान करना है।

उपर्युक्त एमओयू के तहत कार्य 12.12.2019 को प्रारम्भ हुआ । इस कार्य में अभी तक कुल रु 555.58 लाख का भुगतान अधिकृत स्थानीय जिला प्राधिकरण को किया गया है। उपर्युक्त एमओयू के तहत किया गया कार्य बारामुल्ला जिला के विभिन्न इलाकों में किया गया है जिसका लाभ अत्यधिक मात्रा में' सामान्य जनता को होगा।

ii) **सोपोर, जिला- बारामूला (जम्मू-कश्मीर) के स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों के लिए सिविल कार्य और मशीनरी उपकरण :**

जिला बारामुल्ला, जम्मू कश्मीर को 2019 में ऐस्पिरेस्नल डिस्ट्रिक्ट के अंतर्गत घोषित किया गया जिसके तहत सीएसआर एवं एसडी स्कीम में जम्मू कश्मीर के विकास तथा लोगों के लाभ के लिए विभिन्न सैक्टर जैसे: स्वास्थ्य और स्वच्छता, ग्रामीण विकास आदि के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम को चलाने के लिए एनएचपीसी तथा जम्मू कश्मीर के बारामूला जिला प्रशासन

प्राधिकरण तथा एनएचपीसी उड़ी-I के मध्य तीन एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। जिसमे से एक एमओयू *स्वास्थ्य और स्वच्छता* सेक्टर के अंतर्गत साइन हुआ जिसके अंतर्गत 228 लाख रूपए तक उपर्युक्त कार्य किया जाना प्रस्तावित हुआ। एमओयू के अंतर्गत एनएचपीसी को अधिकृत स्थानीय बारामूला जिला प्राधिकरण द्वारा सोपोर, जिला बारामूला में बनाए जा रहे अस्पताल भवन के निर्माण में आने वाले खर्च तथा अस्पताल के लिए खरीदे जाने वाले चिकित्सीय उपकरण के लिए एमओयू में वर्णित भुगतान शर्त के आधार पर आवश्यक धन का भुगतान करना है।

उपर्युक्त एमओयू के तहत कार्य 28.02.2020 को प्रारम्भ हुआ । इस कार्य में अभी तक कुल रु 145.05 लाख' का भुगतान अधिकृत स्थानीय जिला प्राधिकरण को किया गया है। यह कार्य अभी प्रगतिशील है। उपर्युक्त एमओयू के तहत किया गया कार्य का लाभ अत्यधिक संख्या में सामान्य जनता को होगा।

**iii) बाहरी लोगो के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ डिस्पेंसरी चिकित्सा व्यय – सीएसआर :**

उपर्युक्त कार्य एनएचपीसी उड़ी-I के चिकित्सालय द्वारा प्रत्येक वर्ष किया जाता है। प्रत्येक वर्ष एनएचपीसी उड़ी-I के चिकित्सालय में एनएचपीसी उड़ी-I से बाहर के जो भी रोगी आते हैं उन पर सीएसआर एंड एसडी स्कीम के अंतर्गत आने वाले खर्च का भुगतान उपर्युक्त कार्य के लिए एनएचपीसी मुख्यालय द्वारा आवंटित धन द्वारा किया जाता है। इस कार्यक्रम के चलने से स्थानीय लोगों को काफी लाभ मिलता है। उपर्युक्त कार्य में 2021-22 में लगभग 1.05 लाख रूपए का खर्च किया गया।

**iv) प्रस्तावित यात्री निवास में जल आपूर्ति और स्वच्छता व्यवस्था और अन्य सुविधा:**

श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी SASB) ने अपने कार्यालयी पत्रांक संख्या. SASB/2021/W/1312/961-62 दिनांक 07.12.2021 के माध्यम से पंथा चौक में बन रहे यात्री निवास के लिए सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता व्यवस्था की सुविधा उपलब्ध करने के लिए आवश्यक कार्य हेतु वित्तीय सहायता करने का अनुरोध किया। इसके बाद, सीएसआर और एसडी डिवीजन ने एनएच/सीएसआर एंड एसडी/2021/382 दिनांक 17.12.2021 के पत्र द्वारा एसएएसबी से एनएचपीसी के सीएसआर फंडिंग के लिए उचित प्रारूप में अपेक्षित विवरण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। एसएएसबी ने पत्र संख्या एसएएसबी/2021/1127-29 दिनांक 21.12.2021 के माध्यम से पंथा चौक, श्रीनगर में यात्री निवास के लिए जल आपूर्ति और स्वच्छता घटक के संबंध में आवश्यक विवरण/ सूचना प्रदान की है, जिसकी लागत रु.4,76,94,000/- (चार करोड़ छिहत्तर लाख चौरानवे हजार रुपये मात्र)। इसके पश्चात रु. 4,76,94,000/-(चार करोड़ छिहत्तर लाख

चौरानवे हजार रुपये मात्र)सीएसआर एंड एसडी स्कीम के तहत फंड स्वीकृत हुआ तथा इस फंड को एमओयू के अनुसार निर्गमित करने की ज़िम्मेदारी एनएचपीसी उड़ी-I को दी गयी है।

## II) शिक्षा :

### i) बुनियादी ढांचे का उन्नयन- वर्ष 2005 के भूकंप में क्षतिग्रस्त पुराने भवन के स्थान पर गिंगल हाई स्कूल में स्कूल भवन का निर्माण :

उपर्युक्त विद्यालय गिंगल, उड़ी(जम्मू व कश्मीर) में स्थित है। यह विद्यालय एनएचपीसी उड़ी-I के नजदीक है। यह विद्यालय 2005 में आए हुए भूकंप में क्षतिग्रस्त हो गया। तत्पश्चात विद्यालय प्राधिकरण एवं स्थानीय प्रशासनिक प्राधिकरण द्वारा उस स्थान पर नए विद्यालय को बनाने की मांग एनएचपीसी उड़ी-I से की गयी तत्पश्चात एनएचपीसी मुख्यालय द्वारा सीएसआर&एसडी स्कीम के तहत दो चरणों में विद्यालय बनाने का कार्य 2019 में स्वीकृत हुआ।

प्रथम चरण में विद्यालय का ढांचा संरचना बनाने का कार्य स्वीकृत हुआ तथा द्वितीय चरण में इस विद्यालय का आंतरिक कार्य (फर्श, रंगरोगन आदि)के लिए आवश्यक फंड 2021-22 के वार्षिक Plan के तहत एनएचपीसी मुख्यालय द्वारा स्वीकृत हुआ है। इसके तहत उपर्युक्त विद्यालय के प्रथम चरण का कार्य स्थानीय ठेकेदार/ फर्म द्वारा 21.06.2019 को प्रारम्भ हुआ तथा 23.07.2020 को समाप्त हुआ। प्रथम चरण के कार्य के लिए सीएसआर& एसडी स्कीम के तहत लगभग रु 14.93 लाख व्यय हुआ। तथा द्वितीय चरण का कार्य अभी प्रगतिशील है। जिसकी अनुमानित लागत रु 26.00 लाख होगी। इस चरण में अभी तक रु 8.32 लाख का भुगतान किया गया है। इस विद्यालय के पुन:बन जाने से स्थानीय विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में सुगमता होगी। इस गतिविधि से करीब 450 विद्यार्थियों को लाभ होगा, जिसमें करीब 230 छात्राएं हैं।

**ii) केन्द्रीय विद्यालय, गिंगल, उड़ी के गरीब और जरूरतमंद छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं के लिए मोबाइल फोन/ टैबलेट उपलब्ध कराना :**

केन्द्रीय विद्यालय, गिंगल के गरीब और जरूरतमंद छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं के लिए मोबाइल फोन उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए 2.0 लाख रुपये (दो लाख रूपए) के सीएसआर फंड के आवंटन के लिए उड़ी-I पावर स्टेशन के प्रस्ताव पर सक्षम प्राधिकारी के द्वारा सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी जिसके तहत इस कार्य को करने के लिए रु 2.00 लाख उड़ी-I को आवंटित किया गया । जिसकी सूचना आई ओ एम : NH\CO\CSR&SD\2021 \407 दिनांक: 24.06.2021 के माध्यम से NHPC उड़ी-I को दी गयी। तत्पश्चात NHPC उड़ी-I के प्रबंधन द्वारा पढ़ाई को आसान बनाने के लिए मोबाइल फोन की जगह टैबलेट देने का निर्णय लिया गया। यह कार्य 06.07.2021 को सम्पन्न किया गया जिसके तहत केन्द्रीय विद्यालय, गिंगल के गरीब और जरूरतमंद छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं की पढ़ाई की सुगमता के लिए टैबलेटों का वितरण एनएचपीसी उड़ी-I द्वारा किया गया।

केन्द्रीय विद्यालय के जरूरतमंद छात्रों को 1.20 लाख रुपए के 12 टैबलेट वितरित की गईं। 12 छात्रों में से 03 छात्राएं थीं।

**iii) बाहरी लोगों के लिए केंद्रीय विद्यालय/ अन्य स्कूल पर व्यय- सीएसआर :**

उपर्युक्त कार्य एनएचपीसी उड़ी-I के केन्द्रीय विद्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष किया जाता है। प्रत्येक वर्ष एनएचपीसी उड़ी-I के केन्द्रीय विद्यालय में जो एनएचपीसी उड़ी-I से बाहर के विद्यार्थी आते हैं उनपर सीएसआर &एसडी स्कीम के अंतर्गत आने वाले खर्च का भुगतान उपर्युक्त कार्य के लिए एनएचपीसी मुख्यालय द्वारा सीएसआर & एसडी स्कीम के अंतर्गत आवंटित धन द्वारा किया जाता है। इस कार्यक्रम के चलने से स्थानीय लोगों को काफी लाभ मिलता है। उपर्युक्त कार्य में 2021-22 में लगभग रु 72.57 लाख का भुगतान किया गया। इस विद्यालय में निम्नलिखित विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हैं।

| *लाभार्थियों का विवरण* | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| *कैटेगरी का विवरण* | | | | *कुल* | *महिलाओं की संख्या कुल विद्यार्थियों में* |
| *आरबीए* | *एस॰सी॰* | *एस॰टी॰* | *ओ॰बी॰सी॰* | *कुल* | |
| *270* | *6* | *11* | *14* | *301* | *119* |

## III) ग्रामीण विकास:

### ख्वाजा बाग, बारामूला और बाग- I, सुंदरी, सोपोर (जम्मू-कश्मीर) में बागवानी नर्सरी का आधुनिकीकरण (क्षमता वृद्धि के लिए):

जिला बारामूला, जम्मू कश्मीर को 2019 में ऐस्पिरेस्नल डिस्ट्रिक्ट के अंतर्गत घोषित किया गया जिसके तहत सीएसआर एवं एसडी स्कीम में जम्मू कश्मीर के विकास तथा लोगों के लाभ के लिए विभिन्न सैक्टर जैसे: स्वास्थ्य और स्वच्छता, ग्रामीण विकास आदि के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम को चलाने के लिए एनएचपीसी तथा जम्मू कश्मीर के बारामूला जिला प्रशासन प्राधिकरण के मध्य एनएचपीसी उड़ी-I के लिए तीन एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। जिसमे से एक एमओयू Rural development सेक्टर के अंतर्गत साइन हुआ जिसके अंतर्गत रु 172.00 लाख तक उपर्युक्त कार्य किया जाना प्रस्तावित हुआ। एमओयू के अंतर्गत एनएचपीसी को अधिकृत स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा,ख्वाजाबाग, जिला: बारामूला तथा सुंदरी-I, सोपोर जिला बारामुल्ला के लिए उपर्युक्त एमओयू में बागवानी, नर्सरियों के विकास में निर्धारित कार्यों को करने के लिए एमओयू में वर्णित भुगतान शर्त के आधार पर आवश्यक धन का भुगतान करना है।

उपर्युक्त एमओयू के तहत कार्य 01.02.2020 को प्रारम्भ हुआ तथा कार्य प्रगति पर है। इस कार्य में अभी तक कुल रु 43.00 लाख का भुगतान अधिकृत स्थानीय जिला प्राधिकरण को किया गया है। उपर्युक्त एमओयू के तहत किया गया कार्य बारामुल्ला, सोपोर जिला तथा इन जिलों के आस-पास के सामान्य जनता के लिए अत्यधिक लाभप्रद होगा। क्योंकि उपर्युक्त एमओयू के अंतर्गत किए गए कार्यों से अत्यधिक गुणवत्ता वाले फ्रूट की खेती के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा तथा जिले में सामुदायिक खेती को करने के लिए सामान्य जनता के लिए डिमांस्ट्रेसन का कार्य भी करेगा।

## IV) स्वच्छ विद्यालय अभियान :

उपरोक्त संदर्भित मुद्दे पर एक वीडियो सम्मेलन एएस एंड एफए, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में 25 नवंबर, 2020 को आयोजित किया गया । यह मीटिंग सचिव स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा पत्रांक डी.ओ.एफ.27-5/2020-आईएस-9 (भाग-2) दिनांक 03/11/2020, के माध्यम से की गयी शिकायत और सी एंड एजीए ऑडिट रिपोर्ट नंबर 21। में वर्णित शिकायत को दूर करने के लिए की गयी। आई॰ओ॰एम॰ NH\CO\CSR&SD\2020\580 दिनांक:27.11.2020 के तहत यह निर्णय लिया गया कि एक 3rd पार्टी उस अमुक राज्य द्वारा गठित की जाएगी जो उस राज्य में सीपीएसई द्वारा विभिन्न स्कूलों में बनाए गए शौचालयों का निरीक्षण

करेगी और उन शौचालयों में आई कमियों की एक लिस्ट तैयार कर उसे सीएसपीएसई विभाग को सौपेगी। तत्पश्चात अमुक सीएसपीएसई विभाग उन कमियों को दूर करेगा।

इसके पश्चात एनएचपीसी उड़ी-I द्वारा बारामुल्ला के बोनियार, उड़ी तथा चंदनवारी ब्लाक में 2015-16 में बनाए गए शौचालयों का स्थानीय प्राधिकरण द्वारा नामित तीन सदस्यीय दल द्वारा निरीक्षण किया गया और कमियों की सूची तैयार कर एनएचपीसी उड़ी-I को सौप दिया गया। इस रिपोर्ट के आधार पर उपर्युक्त उल्लिखित तीनों ब्लाकों में बने शौचालयों के मरम्मत से संबन्धित 34.32 लाख रूपए के कार्य को स्थानीय ठेकेदार/ फार्म को अवार्ड किया गया जो लगभग समाप्त हो गया है। अभी तक इस कार्य पर 18.96 लाख रूपए का भुगतान किया जा चुका है।

## उड़ी-II जल विद्युत परियोजना

**(क) स्वास्थ्य और स्वच्छता :**

**बाहरी लोगो के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ डिस्पेंसरी पर चिकित्सा व्यय- सीएसआर**

आवंटित निधि – 11.69 लाख रूपए । उपयोग की गई निधि - 14.07 लाख रूपए

लाभन्वितों की संख्या = 598

**लाभान्वितों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 598 | - | - | - | 598 | 598 | - |

**(ख) शिक्षा और कौशल विकास :**

**बाहरी लोगो के लिए केंद्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर - सीएसआर**

आवंटित निधि – 117.17 लाख रूपए। उपयोग की गई निधि - 72.56 लाख रूपए

लाभन्वितों की संख्या = 301

**लाभान्वितों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 270 | 6 | 11 | 14 | 301 | 119 | 182 |

**(ग) स्वच्छ विद्यालय अभियान :**

i) **विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण :** कार्य पूरा हो चुका है।

आवंटित निधि – 2.36 लाख रूपए

लाभन्वितों की संख्या = 3366

**लाभान्वितों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1200 | 600 | 1200 | 366 | 3366 | 1566 | 1800 |

**ii) खराब शौचालयों को काम करने योग्य बनाने के लिए उनके सुधार/ रखरखाव/ नवीनीकरण कार्य के लिए निधि:**

काम पूरा हो चुका है।

आवंटित निधि – 8.50 लाख रूपए

लाभन्वितों की संख्या = 1450

**लाभान्वितों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 500 | 350 | 400 | 200 | 1450 | 550 | 900 |

**(घ) स्वच्छ भारत अभियान :**

जियारत-सैयद वहाब उद्दीन बुखारी में बस स्टैंड उड़ी के पास शौचालय, वॉश एरिया और टाइलों का निर्माण कार्य -

आवंटित निधि – 5.31 लाख रूपए

**लाभान्वितों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2359 | 511 | 827 | - | 3697 | 1297 | 2400 |

**(च) ग्रामीण विकास :**

**i) ब्रिज एबटमेंट का सुदृढ़ीकरण और माध्यमिक विद्यालय जबला के पास फुटपाथ का निर्माण -**

जनवरी 2021 तक करीब 33 फीसदी काम पूरा हो चुका है। फिलहाल ग्रामीणों द्वारा उठाए गए स्थानीय मुद्दों के कारण काम रोक दिया गया है।

आवंटित निधि – 2.73 लाख रूपए। उपयोग की गई निधि - 1.26 लाख रूपए

**लाभान्वितों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| - | - | - | - | - | - | - |

**ii) सलामाबाद गांव का ग्रामीण विकास, राजकीय उच्च विद्यालय, सलामाबाद का उन्नयन और मरम्मत (कुल अनुमानित लागत = 256.0 लाख रूपए) जिला प्रशासन के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से-**

तीन वित्तीय वर्ष अर्थात 2019-20 से वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान व्यय के लिए 2.56 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। एसडीएम उड़ी ने दो कार्य प्रस्तावित किए हैं: 1. सलामाबाद गांव में शौचालय का निर्माण 2. उड़ी में सरकारी बाल माध्यमिक विद्यालय में बाउंड्री वाल का निर्माण। एस्टीमेट तैयार किया गया है और खुली निविदा के माध्यम से जारी किया गया है।

आवंटित निधि – 25.00 लाख रूपए

लाभन्वितों की संख्या = 582

**लाभान्वितों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| - | 1 | 140 | 441 | 582 | - | 582 |

iii) जिला प्रशासन के साथ एमओयू के माध्यम से जबला गांव में शमशान घाट और शमशान घाट तक पहुंच मार्ग का निर्माण - कार्य पूरा किया गया।

आवंटित निधि – 1.78 लाख रूपए. उपयोग की गई निधि - 1.77 लाख रूपए

लाभन्वितों की संख्या = 475

**लाभान्वितों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 325 | 30 | 40 | 80 | 475 | 195 | 280 |

## किशनगंगा पावर स्टेशन

किशनगंगा पावर स्टेशन सीएसआर और एसडी पहल के तहत पिछले कुछ वर्षों से अपने आस-पास के इलाकों में कई विकास गतिविधियों को संचालित कर रहा है। विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान परियोजना द्वारा की गई गतिविधियां निम्नलिखित हैं :

### स्वच्छ भारत अभियान

- **बांदीपोरा में गुलशन चौक का विकास :**

इस सीएसआर पहल के तहत, गुलशन चौक, बांदीपोरा चौक के विकास से जुड़े सभी कार्य पूरे किए गए। परियोजना की लागत 101.78 लाख रुपए है। उपर्युक्त गतिविधि पिछले वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान पूरी की गई थी। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, इस गतिविधि के लिए सीएसआर के तहत शेष भुगतान स्वरूप 18.55 लाख रुपए की राशि जारी की गई थी। बनाई गई सुविधा बांदीपोरा जिले की पूरी आबादी के लिए लाभकारी है।

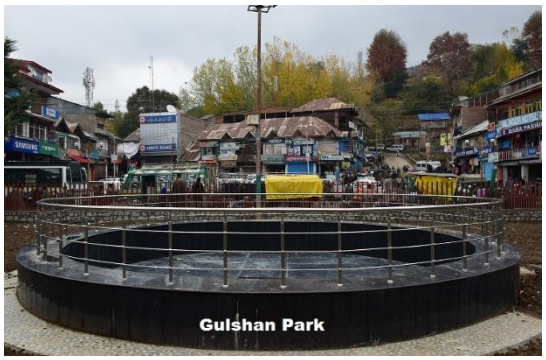


**गुलशन चौक**

**गुलशन पार्क**

- **बांदीपोरा निशात गार्डन का विकास**

इस सीएसआर पहल के अंश के रूप में, बांदीपोरा निशात गार्डन स्टैंड के विकास से जुड़े सभी कार्य पूरे हो गए हैं। परियोजना लागत 203.00 लाख रूपए है। उपरोक्त गतिविधि पिछले वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान पूरी की गई थी। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, इस गतिविधि के लिए सीएसआर के तहत शेष भुगतान स्वरूप 36.82 लाख रूपए की राशि जारी की गई थी। बनाई गई सुविधा बांदीपोरा जिले की पूरी आबादी के लिए लाभकारी है।

**<u>आपदा प्रबंधन</u>**

- **गुरेज गाँव के आगजनी से प्रभावित परिवारों के लिए एसडीएम गुरेज को टिन शीट उपलब्ध कराने के लिए 2.3 मीट्रिक टन सीजीआई शीट की खरीद**

आग से प्रभावित गरीब परिवारों को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए किशनगंगा पावर स्टेशन एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में आगे आया। किशनगंगा पावर स्टेशन ने सीएसआर पहल के हिस्से के रूप में दिसंबर 2021 के माह में गुरेज में आग से प्रभावित परिवारों के बीच 2.86 लाख रुपए की राहत सामग्री सीजीआई शीट वितरित की। इस कार्य के लिए प्राप्त प्रशंसा पत्र की प्रति संलग्न है।

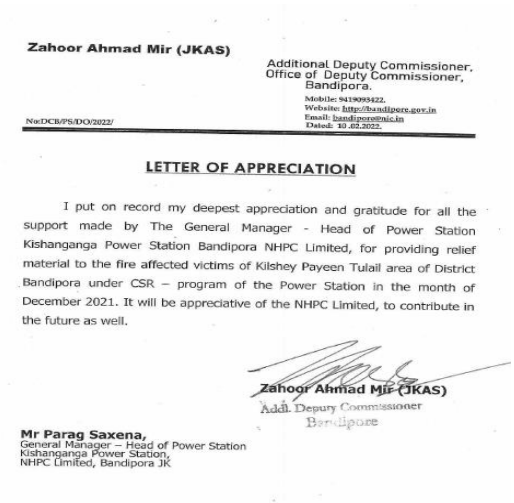

Zahoor Ahmad Mir (JKAS)

Additional Deputy Commissioner,
Office of Deputy Commissioner,
Bandipora.
Mobile: 9419095422.
Website: http://bandipore.gov.in
Email: bandipore@nic.in
Dated: 10.02.2022.

No:DCB/PS/DO/2022/

**LETTER OF APPRECIATION**

I put on record my deepest appreciation and gratitude for all the support made by The General Manager - Head of Power Station Kishanganga Power Station Bandipora NHPC Limited, for providing relief material to the fire affected victims of Kilshey Payeen Tulail area of District Bandipora under CSR – program of the Power Station in the month of December 2021. It will be appreciative of the NHPC Limited, to contribute in the future as well.

Zahoor Ahmad Mir (JKAS)
Addl. Deputy Commissioner
Bandipore

Mr Parag Saxena,
General Manager – Head of Power Station
Kishanganga Power Station,
NHPC Limited, Bandipora JK

लाभान्वितों का विवरण निम्नानुसार है :

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला |
|---|---|---|---|---|---|
| - | - | 20 | - | 20 | 10 |

**ग्रामीण विकास**

- **आस-पास के गांवों के लिए कुलों, पुलियों और फुटपाथों की मरम्मत, जीर्णोद्धार और सफाई**

इस सीएसआर पहल के अंतर्गत, बुडभथू में स्पॉट पर क्रेट कार्य के साथ दाहिने तटबंध को मजबूत करने के माध्यम से मलिक कुल की बहाली, चंदाजी मार्ग पर दरदेगुंड में गुल खान के घर के पास पुरानी रेशी कुल के बाईं ओर लाइनिंग वाल की दीवार का निर्माण और काजीपोरा कुल पर चिनाई वाली दीवार का निर्माण कार्य किया जा चुका है।

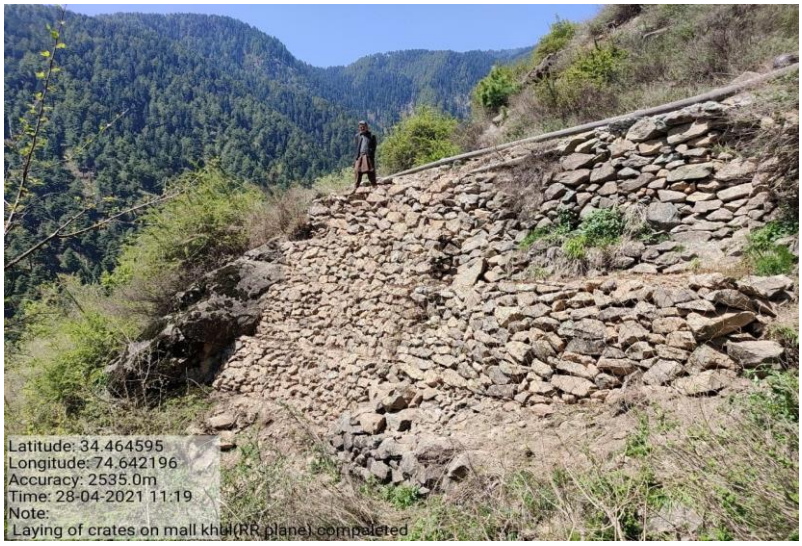

लाभान्वितों का विवरण निम्नानुसार है :

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला |
|---|---|---|---|---|---|
| 350 | - | - | - | 350 | 140 |

- **आस-पास के गांव में कुलों की मरम्मत और रखरखाव**

सीएसआर पहल के अंतर्गत, क्रालपोरा गांव में क्रालपोरा कुल पर नदी तट उपचार के साथ दोनों तरफ की लाइनिंग दीवार का निर्माण और चंदाजी रोड पर दरदेगुंड में गुल खान और अन्य लोगों की भूमि के पास पुराने रेशी कुल पर लाइनिंग दीवार और टो प्रोटेक्शन वाल का निर्माण कार्य किया गया है।

लाभान्वितों का विवरण निम्नानुसार है :

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला |
|---|---|---|---|---|---|
| 350 | - | - | - | 350 | 140 |

- **आस-पास के गांवों में स्थानीय जलापूर्ति लाइन की मरम्मत और रखरखाव**

सीएसआर पहल के अंतर्गत, आस-पास के गांवों में स्थानीय जलापूर्ति लाइन की मरम्मत और रखरखाव किया गया। परियोजना लागत 12.71 लाख रूपए है। यह गतिविधि चालू वित्तीय वर्ष में पूरी की गई है।

लाभान्वितों का विवरण निम्नानुसार है :

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला |
|---|---|---|---|---|---|
| 350 | - | - | - | 350 | 140 |

- **चेक गाँव, बांदीपोरा (जम्मू-कश्मीर) में 2/3 कल्वट्र्स का निर्माण और जलापूर्ति लाइन की मरम्मत/ विस्तार**

  सीएसआर पहल के अंतर्गत, चेक गांव, बांदीपोरा में जलापूर्ति लाइन की मरम्मत/ विस्तार का कार्य किया गया। परियोजना की लागत 8.90 लाख रूपए है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, इस गतिविधि के पूरा होने पर जिला विकास आयुक्त बांदीपोरा को 2.67 लाख रुपए जारी किए गए।

लाभान्वितों का विवरण निम्नानुसार है :

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला |
|---|---|---|---|---|---|
| 250 | - | - | - | 250 | 100 |

## चुटक पावर स्टेशन

चुटक पावर स्टेशन केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में बहुत ही चुनौतीपूर्ण इलाके में स्थित है। चुटक पावर स्टेशन लगभग छह माह की अवधि के लिए सर्दियों के मौसम यानी नवंबर से अप्रैल के दौरान सड़क संपर्क से कट जाता है। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2021-22 में कोविड महामारी देखी गई, जिसके कारण विभिन्न गतिविधियां रुक गई। ऐसी स्थितियों के बीच, चुटक पावर स्टेशन स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और लोगों की स्थानीय जरूरतों को यथासंभव पूरा करने के लिए विभिन्न सीएसआर एवं एसडी पहल कर रहा है। तदनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान स्वास्थ्य, कोविड़ के लिए आकस्मिक गतिविधियों, पेयजल और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में सीएसआर और एसडी पहल की गई।

**<u>गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त विवरण :</u>**

**<u>स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता</u> :**

कोविड़-19 महामारी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं पर जबरदस्त प्रभाव डाल रही है और चिकित्सा ऑक्सीजन की मांग में भारी वृद्धि हुई है। जिला प्रशासन, कारगिल के अनुरोध पर, एनएचपीसी लिमिटेड की सीएसआर और एसडी पहल के तहत 02 नग 500 एलपीएम के पीएसए ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं जिसमें से एक संयंत्र जिला अस्पताल, कारगिल में और दूसरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) संकू में स्थापित किया जा रहा है।

**वित्तीय निहितार्थ:** उपर्युक्त दोनों पीएसए ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र के लिए 200 लाख रूपए।

**लाभार्थियों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 0 | 0 | 140000 | 00 | 140000 | 62000 | 78000 |

**फोटो :**

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) संकू

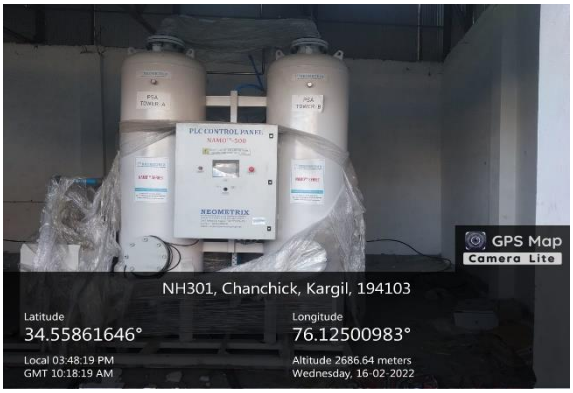


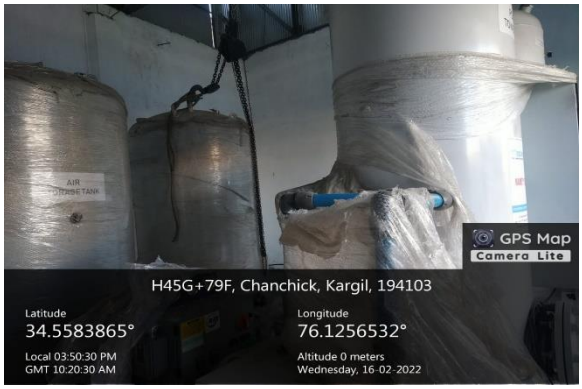


जिला अस्पताल, कारगिल

**<u>पेय जल</u> :**

भौगोलिक रूप से, कारगिल जिला बहुत ही चुनौतीपूर्ण इलाका है जहां स्थानीय लोगों के लिए पीने का पानी एक बड़ी चुनौती है । इस इलाके के लोग अपनी पेयजल आवश्यकता को पूरा करने के लिए सतही जल स्रोतों और झरनों पर निर्भर हैं और राज्य सरकार द्वारा पर्याप्त जलापूर्ति लाइनें नहीं बिछाई गई हैं । चुटक पावर स्टेशन ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान आसपास के गांवों में

स्थानीय निवासियों के लिए पानी के टैंकरों के माध्यम से घर-घर पेयजल आपूर्ति प्रदान करने की योजना शुरू की। इस पहल से लगभग 5 से 6 गाँव लाभान्वित हुए हैं।

**वित्तीय निहितार्थ** : 1.4 लाख रूपए

**लाभार्थियों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 0 | 0 | 3500 | 00 | 3500 | 1600 | 1900 |

**फोटो**

**बाहरी लोगों के लिए चिकित्सा व्यय एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय- सीएसआर:**

सुदूर क्षेत्र में स्थित होने के कारण, आसपास के पावर स्टेशन क्षेत्र के लोगों की स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा देखभाल तक सीमित पहुंच है। चुटक पावर स्टेशन के परियोजना अस्पताल द्वारा आसपास के गांवों के स्थानीय लोगों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा यानि नि:शुल्क परामर्श एवं दवाइयाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान स्थानीय लोगों के लाभ के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के तहत जिला चिकित्सा अधिकारियों के सहयोग से एक सामान्य चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया गया था।

**वित्तीय निहितार्थ:** रु 9.67 लाख

**लाभार्थियों का विवरण:**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 156 | 0 | 1283 | 00 | 1439 | 1073 | 366 |

फोटोग्राफ्स

**एसवीए कार्यक्रम के तहत निर्मित शौचालय की मरम्मत**

वर्ष 2015 में प्राइमरी स्कूल, ग्रोंग बारू, प्राइमरी स्कूल, गावोलो, प्राइमरी स्कूल, स्पैंगलंग, प्राइमरी स्कूल, चुलिस्किम्बो में एनएचपीसी सीएसआर एंड एसडी-स्वच्छ विद्यालय अभियान के तहत चार(04) शौचालयों का निर्माण किया गया था। किसी भी मरम्मत और रखरखाव की आवश्यकता के लिए सभी चार स्कूलों में सर्वेक्षण किया गया था। चार में से एक स्कूल यानी प्राइमरी स्कूल, गावोलो को मरम्मत और रखरखाव की आवश्यकता थी जो कि चुटक पावर स्टेशन द्वारा सीएसआर एंड एसडी पहल वित्त वर्ष 2021-22 के तहत किया गया।

**वित्तीय निहितार्थ:** रु 0.10 लाख

**लाभार्थियों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 0 | 0 | 13 | 00 | 13 | 5 | 8 |

फोटोग्राफ्स

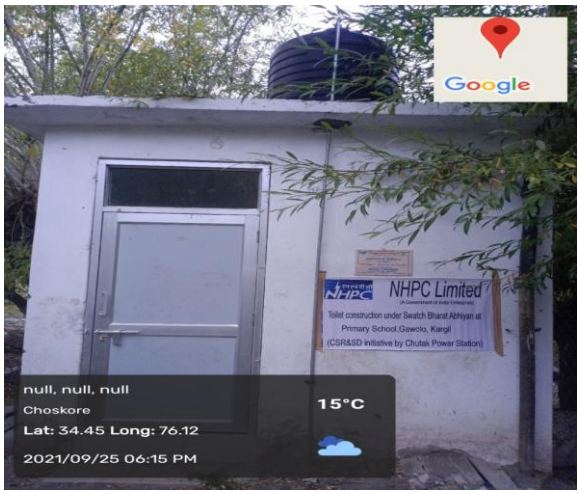

---------- X ----------

## निम्मो-बाजगो पावर स्टेशन

**(क) स्वास्थ्य और स्वच्छता:**

i) पंचायत और जिला प्रशासन के साथ सस्टेनेबिलिटी प्लान के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से खाल्टसे गांव में बोरवेल और पाइपलाइन बिछाने के माध्यम से पेयजल सुविधा प्रदान करना (परियोजना लागत- 20.00 लाख रुपये)।

**फंड आवंटित – 2.0 लाख रुपये। उपयोग किया गया फंड- 2.00 लाख रूपये**

ii) सीएचसी खालसी के लिए 200 एलपीएम क्षमता का 01 नं. ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र और अन्य संबंधित सेवाएं / उपकरण की खरीद के लिए 68.90 लाख रुपये (ऑक्सीजन संयंत्र – 50 लाख रूपए + 125 केवीए डीजी सेट – 10.0 लाख रूपए + पाइपलाइन- 8.90 लाख रूपये) - ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित किए गए और जिला प्रशासन को सौंपे गए।

**फंड आवंटित –68.90 लाख रूपये, उपयोग किया गया फंड- 58.90 लाख रूपये**

**लाभार्थियों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 0 | 0 | 17093 | 0 | 17093 | 8364 | 8729 |

GPS Map Camera
Khaltse
Google
Khalsi, null, null
Srinagar - Ladakh Rd, Khalsi, 194106
Lat 34.319461°
Long 76.885018°
14/12/21 03:08 PM

GPS Map Camera
Khaltse
Google
Khalsi, null, null
Srinagar - Ladakh Rd, Khalsi, 194106
Lat 34.319459°
Long 76.885019°
14/12/21 03:08 PM

OXYMAT
OXYMAT
Shot on OnePlus
By NAZIR

**iii)** बाहरी लोगों के लिए चिकित्सा व्यय एनएचपीसी अस्पताल /औषधालय -

**फंड आवंटित - 15.60 लाख रूपये। उपयोग किया गया फंड- 17.95 लाख रूपये**

**लाभार्थियों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 262 | 12 | 1079 | 12 | 1365 | 597 | 768 |

**(ख) ग्रामीण विकास:**

कंक्रीट कृत्रिम तालाब की मरम्मत के माध्यम से अलची गांव के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए सीएसआर सहायता।

**फंड आवंटित – 11.58 लाख रुपये। उपयोग किया गया फंड- 0.00**

**(ग) स्वच्छ विद्यालय अभियान:**

खराब शौचालयों को कार्य करने योग्य बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि।

**फंड आवंटित - 1.50 लाख रूपये। उपयोग किया गया फंड- 1.23 लाख रुपये**

**लाभार्थियों का विवरण**

| सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 00 | 21 | 00 | 22 | 08 | 14 |

## सेवा-II पावर स्टेशन

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान सेवा-II पावर स्टेशन मश्का (जम्मू व कश्मीर) में सीएसआर एंड एसडी गतिविधियों का विवरण:

**(क) स्वास्थ्य और स्वच्छता:**

- **जम्मू- व कश्मीर के कठुआ जिले में आउटरीच स्वास्थ्य सेवा परियोजना के लिए सहायता- डॉ. जितेंद्र सिंह, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राज्य मंत्री, पीएमओ के ओएसडी श्री प्रशांत कुमार झा द्वारा अनुशंसित।**

  उक्त कार्य के निष्पादन के लिए एक गैर सरकारी संगठन, मेसर्स सहारा हेल्थ एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के साथ 50 लाख रुपये के वित्तीय व्यय के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस कार्य में जम्मू व कश्मीर के कठुआ जिले के विभिन्न गांवों में मुफ्त 60 चिकित्सा शिविरों का आयोजन करना शामिल है। उक्त एनजीओ द्वारा 31 मार्च, 2022 के अंत तक 30 से अधिक शिविरों का आयोजन किया गया है और तदनुसार, इसके लिए 25 लाख रूपये का भुगतान किया गया है।

माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)पृथ्वी विज्ञान और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, केंद्रीय राज्य मंत्री प्रधान मंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग, डा.जितेंद्र सिंह एवं सीएमडी, एनएचपीसी,द्वारा डोडा जिला स्थित गंदोह में दिनांक 09.10.2021 को एनएचपीसी के सीएसआर स्कीम के तहत आयोजित किए गए मेगा हैल्थ केयर कैंप का उद्घाटन किया गया। यह मेगा हेल्थ केयर कैंप एनजीओ,सहारा हैल्थ एंड डवलेपमेंट सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किया गया । इन हेल्थ केयर शिविरों का आयोजन एनएचपीसी की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व स्कीम के तहत किया गया ।

केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह एवं सीएमडी, एनएचपीसी, श्री ए.के.सिंह मेगा हैल्थ केयर कैंप के शुभारंभ के अवसर पर

- **बाहरी लोगों के लिए चिकित्सा व्यय एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय – सीएसआर**

पावर स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय मरीजों को मुफ्त चिकित्सा सेवाएं और दवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में 6.48 लाख रुपये की राशि व्यय के लिए सेवा-II पावर स्टेशन औषधालय को प्रदान किए गए थे। करीब 600 महिलाओं समेत कुल 1123 मरीजों का इलाज किया गया और कुल 6.48 लाख रुपये का उपयोग किया गया।

# 9. क्षेत्रीय कार्यालय,बनीखेत

क्षेत्रीय कार्यालय-बनीखेत पिछले कुछ वर्षों से सीएसआर और एसडी पहलों के अंतर्गत अपने आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न विकास क्रियाकलापों को कार्यान्वित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत किए जाने वाले क्रियाकलाप निम्नवत हैं:-

**क) शिक्षा और कौशल विकास:**

- **योग मानव विकास ट्रस्ट, बनीखेत, जिला चंबा (हिमाचल प्रदेश) के माध्यम से ग्रामीण युवाओं को कटिंग एंड टेलरिंग,ब्यूटी कल्चर और कम्प्यूटर एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट के व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम मुहैया कराना ।**

प्रशिक्षण कक्षाएं सितंबर,2021 माह में प्रारंभ हुईं। वाईएमवीटी,पुखरी के साथ समझौता ज्ञापन पर 25.11.2021 को हस्ताक्षर किए गए। 2.00 लाख रुपये की पहली किस्त और 2.50 लाख रुपये की दूसरी किस्त, जिनकी कुल राशि 4.50 लाख रुपये होती है,फरवरी, 2022 में जारी की गई थी। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा होने के पश्चात 1.50 लाख रुपये की शेष राशि जारी की जाएगी।

**आवंटित निधि - 6.00 लाख रुपए** **प्रयुक्त निधि – 4.50 लाख रुपए**

लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 57 | 19 | 28 | 4 | 108 | 0 | 108 |

**क) स्वास्थ्य और स्वच्छता :**

- **चिकित्सा व्यय एनएचपीसी अस्पताल/ बाहरियों के लिए औषधालय – सीएसआर**

एनएचपीसी अस्पताल/औषधालयों द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय-बनीखेत/पावर स्टेशनों के आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय ग्रामीणों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए फरवरी 2022 तक 12.01 लाख रुपये का चिकित्सा व्यय किया गया हैं।

**आवंटित निधि - 16.96 लाख रुपए** **प्रयुक्त निधि – 15.08 लाख रुपए**

लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1148 | 307 | 407 | 12 | 1874 | 951 | 923 |

## 10. बैरास्यूल पावर स्टेशन

### 1. एनएचपीसी अस्पताल/औषधालय द्वारा बाहरी लोगों के लिए चिकित्सा व्यय -सीएसआर

- **31 मार्च,2022 तक व्यय की गई राशि- (39.65 लाख रुपये)**

बैरास्यूल पावर स्टेशन सुदूर चंबा जिले में स्थित है और इस पावर स्टेशन के 07 किमी क्षेत्र के दायरे में कोई चिकित्सा सुविधा नहीं है। स्थानीय निवासी और आसपास के क्षेत्र के ग्रामीण नियमित रूप से बैरास्यूल परियोजना अस्पताल आते हैं तथा उनका उपचार और चिकित्सा जांच की जाती है। उन्हें दवा भी मुहैया कराई जा रही है। इस क्षेत्र के कई संवेदनशील मामलों को भी उनके द्वारा देखा जा रहा हैं और उन सभी को अस्पताल के वार्ड में अतरंग उपचार भी मुहैया कराया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान लगभग 3000 लोग इन सुविधाओं से लाभान्वित हुए।

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 257 | 167 | 60 | 56 | 540 | 290 | 250 |

### 2. राजकीय प्राथमिक विद्यालय, भंदर में दो कक्षों का निर्माण (3.01 लाख रुपये)

भंदर चंबा जिले की सलूनी तहसील में अवस्थित है। इस विद्यालय में छात्रों के लिए बहुत कम जगह थी। तदनुसार, इस पावर स्टेशन में दो कक्षाओं के निर्माण के लिए अनुरोध प्राप्त हुआ था। बजट आवंटन के बाद, ठेकेदार को कार्य सौंपा गया था। करीब 75 प्रतिशत कार्य तो पूरा हो गया, लेकिन ठेकेदार के साइट पर न आने से कार्य रुका हुआ है। कार्य निलंबित कर दिया गया है तथा ठेकेदार के जोखिम और लागत में पूरा किया जाना है। नए कार्य का अनुमान पिछले ठेकेदार के जोखिम और लागत पर संसाधित किया गया है और कार्य जल्द ही शुरू होने की संभावना है। स्कूल प्रबंधन समिति इसके लिए बहुत आभार व्यक्त करती है और वे एनएचपीसी को इस तरह की मदद के लिए धन्यवाद दे रही हैं। इससे लगभग 58 छात्र लाभान्वित हो रहे है।

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 24 | 32 | 0 | 0 | 56 | 36 | 20 |

**3. <u>सुरंगनी बस स्टैंड का पुनर्निर्माण (0.08 लाख रुपए)</u>**

- **31 मार्च, 2022 तक खर्च की गई राशि - (0.08 लाख रुपये)**

इस क्षेत्र में मौसम बहुत प्रतिकूल रहता है और ज्यादातर समय वर्षा होती है जो सुरंगानी में बस और अन्य वाहनों की प्रतीक्षा कर रहे स्थानीय ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बनता है। लगभग 1500 की आबादी अक्सर इस बस स्टैंड का उपयोग करती है। पुराना बस स्टैंड बदतर स्थिति में था। और उपयोग करने के लिए असुरक्षित था जो यात्रियों के लिए खतरा उत्पन्न करता था। ब्याणा के पंचायत प्रधान और अन्य ग्रामीणों ने बस स्टैंड को फिर से बनाने का अनुरोध किया ताकि इससे स्थानीय लोगों को लाभ हो। इस बस स्टैंड के पुनर्निर्माण पर 9.06 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है। 8000/- रुपये का भुगतान लम्बित था तथा बजट आवंटन के पश्चात् लम्बित भुगतान किया जा चुका है। अब ग्रामीण बहुत प्रसन्न हैं और उन्होंने एनएचपीसी के प्रयासों की सराहना की।

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरूष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 650 | 435 | 265 | 150 | 1500 | 780 | 720 |

**4. हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समर्पित कोविड देखभाल केंद्र के रूप में घोषित परियोजना अस्पताल सुरंगानी के लिए सीएसआर सहायता(6.50 लाख रुपए)**

- **31 मार्च, 2022 तक खर्च की गई राशि - (5.25 लाख रुपये)**

कोविड-19 के प्रकोप के बाद, स्थानीय आबादी में व्यापक दहशत और असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है। सलूनी तहसील के एसडीएम ने स्थिति से अवगत कराया और बैरास्यूल पावर स्टेशन के परियोजना अस्पताल को समर्पित कोविड देखरेख केंद्र घोषित करने के लिए कहा। यह समर्पित कोविड देखरेख केन्द्र इस क्षेत्र के रोगियों के लिए बहुत मददगार साबित हुआ। कई ग्रामीण लाभान्वित हुए। इसके अलावा, जिला प्रशासन के निर्देशानुसार इस पावर स्टेशन पर एक क्वारंटाइन सेंटर भी स्थापित किया गया था और कई मरीजों को इस कोविड सेंटर में रखा गया था। उन्हें भोजन और अन्य सुविधाएं भी मुफ्त प्रदान की गईं। अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 की अवधि के दौरान अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा और ऑक्सीजन सपोर्ट से लगभग 50 व्यक्ति कोविड देखभाल केंद्र से लाभान्वित हुए है।

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 108 | 53 | 27 | 25 | 213 | 98 | 115 |

# 11.चमेरा पावर स्टेशन-I

चमेरा पावर स्टेशन-I ने सीएसआर गतिविधियों से संबंधित पहलें की है और पावर स्टेशन के आसपास रहने वाले लोगों के समग्र विकास के लिए कार्यक्रमों को क्रियान्वित भी किया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान पावर स्टेशन द्वारा की गई गतिविधियों के प्रमुख क्षेत्र निम्नलिखित सेक्टरों के अंतर्गत हैं:

**शिक्षा :**

- **केन्द्रीय विद्यालय/बाहरी लोगों के लिए अन्य विद्यालयों पर व्यय**

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान केन्द्रीय विद्यालय/अन्य विद्यालयों द्वारा पावर स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय ग्रामीणों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए 136.58 लाख रुपये के स्वीकृत निधि आवंटन की तुलना में 1,43,64,897 रुपये का व्यय किया गया था।

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 167 | 29 | 11 | 11 | 218 | 138 | 80 |

**स्वास्थ्य और स्वच्छता**

- **एनएचपीसी अस्पताल/औषधालय द्वारा बाहरी लोगों के लिए चिकित्सा संबंधी व्यय**:- एनएचपीसी अस्पताल/औषधालयों द्वारा पावर स्टेशन के आस-पास के क्षेत्रों के स्थानीय ग्रामीणों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए 26.06 लाख रुपये के स्वीकृत निधि आवंटन की तुलना में 28,34,398/- रुपये का चिकित्सा व्यय किया गया था।

**लाभार्थियों का विवरण**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरूष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 3421 | 584 | 8 | 35 | 4048 | 1801 | 2247 |

177 बच्चों ने सीपीएस-1 अस्पताल में ओरल पोलियो वैक्सीन ली।

## 12. चमेरा-II पावर स्टेशन

**वर्ष 2021-22 के दौरान चमेरा- II पावर स्टेशन दवारा किए गए सीएसआर–एसडी कार्यो का संक्षिप्त विवरण**

### (1) एन एच पी सी द्वारा जिला चंबा के पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज व अस्पताल मे 128 स्लाइस सीटी स्कैन व 1.5 टेसला एम आर आई मशीने प्रदान की गई

नीति आयोग, भारत सरकार द्धारा जिला चम्बा को एस्पीरेशनल जिला घोषित किए जाने के उपरांत सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते एनएचपीसी को जिला चम्बा में स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में विकास करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस संबंध में दिनांक 22.01.2020 को जिला प्रशासन, चंबा एवं चमेरा II पावर स्टेशन,एन. एच. पी. सी. के मध्य निम्नलिखित 02 समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए गए : -

| क्रम सं | गतिविधि का नाम | लागत |
|---|---|---|
| 1 | 128 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन की उपलब्धता | रूपए 6.57 करोड़ |
| 2 | 1.5 टेसला एम आर आई मशीन की उपलब्धता | रूपए 3.70 करोड़ |

वर्तमान मे, दिनांक 06.01.22 को माननीय श्री जय राम ठाकुर, मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश द्वारा चम्बा जिले में स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल मे स्थापित फिलिप्स कंपनी द्वारा नीदरलैंड मे निर्मित्त 128 स्लाइस सी टी स्कैन मशीन, जिसका गतिविधि कोड 1903108003 का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया गया । समारोह के दौरान श्री एस के संधु, ग्रुप महाप्रबंधक (प्रभारी), चमेरा II व III पावर स्टेशन व श्री पवन नय्यर, विधायक, चम्बा सदर तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे ।

1.5 टेस्ला एम आर आई मशीन जिसका गतिविधि कोड 1903108002 जिसका निर्माण फिलिप्स कंपनी द्वारा नीदरलैंड मे किया गया है, को चम्बा जिले में पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में स्थापित कर दिया गया हैं तथा उक्त मशीन की कमीशनिंग हो गई है एवं शीघ्र ही उद्घाटन पश्चात जांच हेतु चम्बा क्षेत्र के निवासियों को उपलब्ध हो जाएंगी । एनएचपीसी द्वारा 128 स्लाइस सी टी स्कैन व 1.5 टेस्ला एम आर आई मशीन के लिए कुल राशि रूपए 15.03 करोड़ प्रदान किए गए है ।

जिला चंबा मे उपरोक्त मशीनों की अनुपलब्धता के कारण जिला चम्बा के निवासियों को सी टी स्कैन व एमआरआई कराने के लिए 125 किलोमीटर दूर स्थित पठानकोट जाना पड़ता था एवं इसमें उन्हें अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था परंतु पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में सी टी स्कैन व एम आर आई मशीनों के स्थापित हो जाने से चंबा जिला के लगभग 06 लाख निवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्राप्त होंगी तथा भविष्य मे जांच के लिए चंबा के निवासियों को अन्यत्र नहीं जाना पड़ेगा ।

## 128 स्लाइस सी टी स्कैन मशीन के उद्घाटन की झलकियाँ :

श्री एस के संधु,ग्रुप महाप्रबंधक (प्रभारी),चमेरा II व III पावर स्टेशन व श्री पवन नय्यर, विधायक, चम्बा सदर उदघाटन समारोह के दौरान

माननीय श्री जय राम ठाकुर ,मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश वुर्चुयल माध्यम से 128 स्लाइस सी टी स्कैन का उद्घाटन करते हुए

**128 स्लाइस सी टी स्कैन मशीन**

**128 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन के लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :**

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 205508 | 144482 | 122356 | 78808 | 551154 | 273687 | 277467 |

**1.5 टेस्ला एम आर आई मशीन :**

**1.5 टेस्ला एम आर आई मशीन के लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :**

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 205508 | 144482 | 122356 | 78808 | 551154 | 273687 | 277467 |

## (2) बाहरी लोगों के लिए चिकित्सा व्यय -एनएचपीसी के अस्पताल / औषधालय द्वारा :

वर्ष 2021-22 के दौरान चमेरा-II पावर स्टेशन दवारा सीएसआरएसडी के अन्तर्गत पावर स्टेशन में स्थित अस्पताल / औषधालय में बाहरी लोगों के लिए चिकित्सीय सुविधा प्रदान की गई । इस दौरान पावर स्टेशन मे स्थित परियोजना चिकित्सालय मे कुल 13928 मरीजो को चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई जिसमे से स्थानीय पंचायतों व गावों में निवास करने वाले ग्रामीणो मे से कुल 7249 मरीजो को चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई जोकि कुल रोगियो का 52.06% है । चमेरा-II पावर स्टेशन द्वारा किए गए सीएसआर कार्य हेतु स्थानीय पंचायतों व गावों के निवासियों ने चमेरा-II पावर स्टेशन को धन्यवाद दिया । उपरोक्त गतिविधि में कुल रूपये 19.63 लाख का व्यय किया गया जिसका गतिविधि कोड 2123108001 हैं।

चमेरा II पावर स्टेशन के चिकित्सक श्री प्रशांत चौधरी स्थानीय निवासी को जांच उपरांत सलाह प्रदान करते हुए

**लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :**

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2033 | 2537 | 1502 | 165 | 6237 | 3189 | 4060 |

## (3) बाहरी लोगों के लिए केंद्रीय विद्यालय / अन्य स्कूलों पर खर्च

वर्ष 2021-22 के दौरान चमेरा-II पावर स्टेशन दवारा सीएसआरएसडी के अन्तर्गत पावर स्टेशन के प्रशासनिक परिसर में स्थित केन्द्रीय विद्यालय मे कर्मचारियों के बच्चों के अतिरिक्त बाहरी लोगों के बच्चों को गुणवत्ता पूरक शिक्षा प्रदान की जा रही हैं। उपरोक्त विद्यालय के शिक्षको एवं विद्यालय मे शिक्षा ग्रहण करने वाले 441 विद्यार्थियों ने चमेरा-II पावर स्टेशन को धन्यवाद दिया। केंद्रीय विद्यालय मे बेहतर शिक्षा प्रदान करने मे कुल रूपये 249.21 लाख का व्यय किया गया जिसका गतिविधि कोड 2124108001 हैं।

**लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :**

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 215 | 83 | 99 | 20 | 417 | 216 | 211 |

## (4) स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत पूर्व मे निर्मित शौचालयों का जीर्णोद्धार

वर्ष 2021-22 के दौरान चमेरा-II पावर स्टेशन दवारा सीएसआरएसडी के अन्तर्गत स्वछ विद्यालय अभियान के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालय सुल्तानपुर एवं राजकीय माध्यमिक विद्यालय जांजला मे पूर्व मे निर्मित्त शौचालयों का जीर्णोद्धार किया गया। इस दौरान उपरोक्त विद्यालय के शिक्षको एवंविद्यालयो मे शिक्षा ग्रहण करने वाले 88 विद्यार्थियों ने चमेरा-II पावर स्टेशन को धन्यवाद दिया। इस सीएसआर कार्य मे कुल रूपये 1.49 लाख का व्यय किया गया जिसका गतिविधि कोड 2114108001 हैं।

**राजकीय माध्यमिक विद्यालय, जांजला के शौचालय का चित्र**

**जीर्णोद्धार से पूर्व** **जीर्णोद्धार के उपरांत**

**राजकीय माध्यमिक विद्यालय, सुल्तानपुर के शौचालय का चित्र**

**जीर्णोद्धार से पूर्व** **जीर्णोद्धार के उपरांत**

**लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :**

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 50 | 21 | 14 | 3 | 88 | 42 | 46 |

## 13. चमेरा-III पावर स्टेशन

### (1) बाहरी लोगों के लिए चिकित्सा व्यय एनएचपीसी के अस्पताल / औषधालय

वर्ष 2021-22 के दौरान चमेरा-III पावर स्टेशन दवारा सीएसआरएसडी के अन्तर्गत पावर स्टेशन में स्थित अस्पताल / औषधालय में बाहरी लोगों के लिए चिकित्सीय सुविधा प्रदान की गई । इस दौरान पावर स्टेशन मे स्थित परियोजना चिकित्सालय मे स्थानीय पंचायतों व गावों में निवास करने वाले ग्रामीणो मे से कुल 7245 मरीजो को चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई । चमेरा-III पावर स्टेशन द्वारा किए गए उक्त सीएसआर कार्य हेतु स्थानीय पंचायतों व गावों के निवासियों ने चमेरा-III पावर स्टेशन को धन्यवाद दिया । उपरोक्त गतिविधि में कुल रूपये 19.78 लाख का व्यय किया गया जिसका गतिविधि कोड 2123117001 हैं।

चमेरा III पावर स्टेशन के चिकित्सक श्री आशीष रुशिया स्थानीय महिला की जांच करते हुए

**लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है :**

| सामान्य | अनु. जाति | अनु. जन-जाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | कुल | महिला लाभार्थी | पुरुष लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1927 | 2532 | 1516 | 152 | 6127 | 3187 | 4058 |

## क्षेत्र – चण्डीगढ़

## 14. पार्बती जलविद्युत परियोजना,चरण-II

### क. स्वास्थ्य देखरेख और स्वच्छता व्यय

1. **रेडक्रास सोसाइटी, कुल्लू को ऑक्सीजन सिलिंडर का वितरण :**

पार्बती जल विद्युत परियोजना, चरण-II के द्वारा सीएसआर एवं एसडी गतिविधि के अंतर्गत कोविड-19 महामारी मे मदद के लिए श्री एस पी सिंह, अपर उपायुक्त, जिला प्रशासन कुल्लू को दिनांक 19.07.2021 को श्री एल के त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्रभारी)/ परियोजना प्रमुख के द्वारा दस ऑक्सीजन सिलिंडर-डी टाइप (ऑक्सीजन गैस से भरे हुए), दस रेग्युलेटर विदस ऑक्सीजन मास्क इत्यादि प्रदान किए गए। इसमें 2.49 लाख रुपए खर्च किए गए।

इस कार्यक्रम के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से श्री मित्तर देव, तहसीलदार कुल्लू, श्री अभय सिंह गुलेरिया, जिला नोडल (ऑक्सीजन) अधिकारी कुल्लू एवं एनएचपीसी की ओर से श्री प्रवीण कुमार, उप महाप्रबंधक (सीएसआर) व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

**श्री एस पी सिंह, अपर उपायुक्त, कुल्लू को ऑक्सीजन सिलिंडर एवं रेगुलेटर इत्यादि प्रदान करते हुए**

**श्री एल के त्रिपाठी,महाप्रबंधक (प्रभारी)/परियोजना प्रमुख**

**लाभार्थियों की संख्या:**

| कुल | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | सामान्य | महिला |
|---|---|---|---|---|---|
| विभिन्न व्यक्ति | | | | | |

**मीडिया कवरेज – इस क्रियाकलाप को प्रिंट मीडिया द्वारा कवर किया गया था।**

2. **<u>रेडक्रास सोसाइटी, मंडी को व्हील चेयर्स का वितरण :</u>**

पार्बती जल विद्युत परियोजना, चरण-II के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सतत विकास (सीएसआर & एसडी) कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 27.01.2022 को महाप्रबंधक(प्रभारी)-परियोजना प्रमुख श्री निर्मल सिंह महोदय द्वारा रेड क्रॉस सोसाइटी, मंडी को अक्षम व्यक्तियों की सहायता के लिए उपायुक्त एवं अध्यक्ष रेड क्रॉस सोसाइटी, मंडी श्री अरिंदम चौधरी, आईएएस को श्रीमती मनु पँवार, आईआरएस अध्यक्षा, अस्पताल कल्याण अनुभाग, मंडी की उपस्थिति मे 25 व्हील चेयर प्रदान की गई। इस मद मे रु. 2.00 लाख खर्च किए गए ।

इस अवसर पर श्री ओ. पी. भाटिया, सचिव, रेड क्रॉस सोसाइटी मंडी, श्री अंगद कुमार, उप महाप्रबंधक (सिविल), श्री चन्द्र शेखर जोशी,सहायक प्रोग्रामर, श्री सतीश कालिया,हेड सहायक व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

**श्री निर्मल सिंह, महाप्रबंधक(प्रभारी) उपायुक्त मंडी श्री अरिंदम चौधरी,आईएएस को व्हील चेयर्स प्रदान करते हुए**

**लाभार्थियों की संख्या:**

| कुल | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | सामान्य | महिला |
|---|---|---|---|---|---|
| बड़े पैमाने पर लोग | | | | | |

**मीडिया कवरेज – इस क्रियाकलाप को प्रिंट मीडिया द्वारा कवर किया गया था।**

**ख. आपदा प्रबंधन क्षेत्र के अंतर्गत क्रियाकलाप**

**1. मझाण गाँव, सैंज मे अग्निकांड मे प्रभावित परिवारों को सीजीआई का वितरण :**

पार्बतीजल विद्युत परियोजना, चरण-II के द्वारा सीएसआर एवं एसडी गतिविधि के अंतर्गत सैंज घाटी की अति दुर्गम पंचायत गाड़ापारली के मझाण गांव में हुए भीषण अग्निकांड में प्रभावित परिवारों को दिनांक 13.01.2022 को गाड़ापारली पंचायत के निहारनी गांव में सीएसआर योजना के तहत लगे शिविर में स्थानीय प्रशासन की उपस्थिति में मझाण गांव के अग्नि पीड़ित प्रभावितों को घर बनाने के लिए 272सीजीआई शीट्स प्रदान की गई। इस मद मे रु. 2.99 लाख खर्च किए गए।

ग्राम पंचायत की प्रधान जमुना देवी ने एनएचपीसी की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि पार्बती परियोजना, चरण-II प्रबंधन ने दुख की इस घड़ी में ग्रामीणों का साथ दिया है।हम सदैव पार्बती परियोजना, चरण-II प्रबंधन के आभारी रहेंगे। साथ ही उन्होने इस अवसर पर श्री निर्मल सिंह, महाप्रबंधक(प्रभारी)-परियोजना प्रमुख महोदय का विशेष रूप से आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर पार्बती परियोजना,चरण-II के महाप्रबंधक (विद्युत) श्री नीरज कुमार सिंह, श्री बिमान घोष, उप महाप्रबंधक(सिविल), श्री सतीश कुमार कालिया एवं सैंज के नायब तहसीलदार करमचंद सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

**लाभार्थियों की संख्या :**

| कुल | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | सामान्य | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 31 | - | - | - | - | 4 | 27 |

**मीडिया कवरेज – इस क्रियाकलाप को प्रिंट मीडिया द्वारा कवर किया गया था।**

**ग. <u>ग्रामीण विकास के अंतर्गत क्रियाकलाप</u>**

**<u>RD 10000 से ग्राम रेला, सैंज जिला कुल्लू तक मोटरेबल रोड का निर्माण करने हेतु व बिजली महादेव, माकीमी मथान, जिला कुल्लू मे सराय भवन का पुनर्निर्माण:</u>**

परियोजना के आसपास के क्षेत्रों में आपसी सद्भाव एवं विकास का वातावरण बनाए रखने के लिए परियोजना के द्वारा सीएसआर के अंतर्गत RD 10000 से ग्राम रेला, सैंज जिला कुल्लू तक मोटरेबल रोड का निर्माण करने हेतु व बिजली महादेव, माकीमी मथान, जिला कुल्लू मे सराय भवन का पुनर्निर्माण करने हेतु जिला प्रशासन कुल्लू द्वारा एनएचपीसी द्वारा धनराशि देने हेतु अनुरोध प्राप्त हुआ था । एनएचपीसी द्वारा निम्न सारणी के अनुसार वर्ष 2021-22 के लिए बजट आबंटित किया गया है :

| क्रं सं. | कार्य का नाम | कुल राशि (लाख रु. मे) | एजेंसी |
|---|---|---|---|
| 1 | RD 10000 से ग्राम रेला, सैंज, जिला कुल्लू तक मोटरेबल रोड का निर्माण | 17.26 | बीडीओ, कुल्लू |
| 2 | बिजली महादेव, माकीमी मथान, जिला कुल्लू मे सराय भवन का पुनर्निर्माण | 12.32 | बीडीओ, कुल्लू |

दिनांक 04.02.2022 को पार्बती जल विद्युतपरियोजना, चरण–II व बीडीओ, कुल्लू के बीच उक्त कार्य हेतु समझौता-ज्ञापन किया गया व दिनांक 18.02.2022 को उक्त कार्य हेतु पचास प्रतिशत अग्रिम भुगतान कर दिया गया है व शीघ्र ही कार्य प्रारम्भ किया जाएगा ।

ये कार्य वर्ष 2022-23 में समाप्त होंगे । उक्त कार्यों के पूर्ण होने से स्थानीय ग्रामीण लाभान्वित होंगे ।

**लाभार्थियों की संख्या:**

| कुल | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | सामान्य | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| बड़े पैमाने पर लोग | | | | | | |

**घ. <u>शिक्षा और कौशल विकास के अंतर्गत क्रियाकलाप</u>**

**नव चेतना स्कूल, कुल्लू मे पीडब्लूडी छात्रों के लिए रैंप का निर्माण :**

परियोजना के आसपास के क्षेत्रों में आपसी सद्भाव एवं विकास का वातावरण बनाए रखने के लिए परियोजना के द्वारा सीएसआर के अंतर्गत नव चेतना स्कूल, कुल्लू मे पीडब्लूडी छात्रों के लिए रैंप का निर्माण करने हेतु जिला प्रशासन कुल्लू द्वारा एनएचपीसी द्वारा धनराशि देने हेतु अनुरोध प्राप्त हुआ था । एनएचपीसी द्वारा निम्न सारणी के अनुसार वर्ष 2021-22 के लिए बजट आबंटित किया गया है :

| क्रं सं. | कार्य का नाम | कुल राशि (लाख रु. मे) | एजेंसी |
|---|---|---|---|
| 1 | नव चेतना स्कूल, कुल्लू मे पीडब्लूडी छात्रों के लिए रैंप का निर्माण | 1.43 | बीडीओ, कुल्लू |

दिनांक 04.02.2022 को पार्बती जल विद्युतपरियोजना, चरण–II व बीडीओ, कुल्लू के बीच उक्त कार्य हेतु MOU किया गया व दिनांक 18.02.2022 को उक्त कार्य हेतु पचास प्रतिशत अग्रिम भुगतान कर दिया गया है तथा 50 प्रतिशत कार्य 31.03.2022 तक पूर्ण हो गया है। यह कार्य वर्ष 2022-23 मे समाप्त होगा। उक्त कार्य के पूर्ण होने से पीडब्लूडी छात्र लाभान्वित होंगे।

**नव चेतना स्कूल, कुल्लू मे रैम्प का निर्माण कार्य प्रगति पर**

**लाभार्थियों की संख्या:**

| कुल | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | सामान्य | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| बड़े पैमाने पर लोग | | | | | | |

## 15. पार्बती-।।। पावर स्टेशन

**(क) शिक्षा और कौशल विकास :**

**i) जीएचएस, सारी में महिला शौचालयों का निर्माण:**

आवंटित निधि – 1.76 लाख रुपए , प्रयुक्त निधि - 1.76 लाख रुपए

लाभार्थियों की संख्या = 149

**लाभार्थियों की संख्या**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 110 | 9 | 28 | 2 | - | - | 149 |

**ii) प्रतिभावान छात्रों को छात्रवृत्ति :**

कार्य पूर्ण हुआ और मार्च 2022 में भुगतान जारी किया गया।

आवंटित निधि – 4.56 लाख रुपए, प्रयुक्त निधि - 4.56 लाख रुपए.

लाभार्थियों की संख्या =18

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 14 | 4 | - | - | - | 13 | 5 |

**(ख) स्वास्थ्य और स्वच्छता :**

**बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्तपाल/औषधालयों के लिए चिकित्सा व्यय – सीएसआर**

आवंटित निधि – 3.93 लाख रुपए. प्रयुक्त निधि - 3.36 लाख रुपए.

लाभार्थियों की संख्या =293

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 293 | - | - | - | 293 | 153 | 140 |

**(ग) ग्रामीण विकास :**

**दोहाक गांव, ग्राम पंचायत, बड़गांव गालू तहसील झंडूता, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में विरासत के बचाव/ संरक्षण के लिए सामुदायिक क्षेत्र का विकास:**

सीएसआर क्रियाकलाप 14-10-2021 को स्वीकृत किए गए है। 8.28 लाख रुपए की दूसरी किस्त जारी कर दी गई है। अब तक जारी की गई कुल राशि 12.42 लाख रुपये है।

आवंटित निधि – 41.40 लाख रुपए, प्रयुक्त निधि - 12.42 लाख रुपए.

लाभार्थियों की संख्या = 3000

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 3000 | - | - | - | 3000 | 1700 | 1300 |

## 16. धौलीगंगा पावर स्टेशन

**एनएचपीसी लिमिटेड की सीएसआर एवं एसडी योजना के अंतर्गत**
**वर्ष 2021-22 में धौलीगंगा पावर स्टेशन द्वारा किए गए कार्यों की रिपोर्ट**

### 1. सीएसआर के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों के बाह्य विद्यार्थियों पर व्यय/ Expenditure on Kendriya Vidyalaya/Other Schools for Outsiders – CSR

धौलीगंगा पावर स्टेशन द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन तथा सामाजिक उत्थान हेतु वर्ष 1998 में पावर स्टेशन के निगालपानी परिसर में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना की गई। इस विद्यालय में एनएचपीसी कार्मिकों के बच्चों के अतिरिक्त स्थानीय लोगों के बच्चे भी शिक्षा ग्रहण करते हैं। इस विद्यालय में बाह्य विद्यार्थियों की शिक्षा पर होने वाला व्यय उनकी संख्या के आधार पर आनुपातिक रूप से सीएसआर एवं एसडी मद में बुक किया जाता है । वर्ष 2021-22 में उक्त मद में कुल 256.97 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया था जिसके सापेक्ष कुल 253.83 लाख रुपये खर्च हुआ है । वर्तमान सत्र में केंद्रीय विद्यालय, धारचूला में कुल 545 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जिनमें से बाह्य विद्यार्थियों की संख्या 499 है ।

**लाभार्थियों का विवरण**

| कुल | सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 499 | 76 | 139 | 131 | 153 | 305 | 194 |

### 2. सीएसआर के अंतर्गत एनएचपीसी चिकित्सालय/ डिस्पेंसरी में बाह्य रोगियों की चिकित्सा पर व्यय (Medical Expenditure NHPC Hospital/ Dispensaries for Outsiders – CSR)

धौलीगंगा पावर स्टेशन द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन हेतु स्थानीय नागरिकों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में लाभ पहुंचाने तथा चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु पावर स्टेशन के निगालपानी में स्थापित चिकित्सालय में निशुल्क चिकित्सा एवं चिकित्सीय परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। इस पर होने वाले खर्च को सीएसआर के अंतर्गत बुक किया जाता है। वर्ष 2021-22 में उक्त मद में रुपये 4.41 लाख का बजट आवंटित किया गया था जिसके सापेक्ष कुल रुपये 8.0 लाख का व्यय हुआ है। इस वर्ष लगभग 909 बाह्य रोगियों को एनएचपीसी चिकित्सालय का लाभ मिला है।

**लाभार्थियों का विवरण**

| कुल | सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 909 | 54 | 315 | 228 | 312 | 481 | 428 |

3. **राजकीय इंटर कॉलेज, खेत, तहसील धारचूला, जिला पिथौरागढ़ (बाँध के समीप) में सीएसआर एवं एसडी के अंतर्गत प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम) का निर्माण / Construction of Auditorium at Government Inter College, Khet (near Dam Site) –**

धौलीगंगा पावर स्टेशन के बांध स्थल, छिरकीला के समीपवर्ती ग्राम खेत में राज्य सरकार द्वारा एक इंटर कालेज स्थापित है। पावर स्टेशन के सम्पूर्ण जलग्रह (catchment) क्षेत्र व दारमा घाटी में स्थापित यह एक मात्र इंटर कॉलेज है। वर्तमान में इस कॉलेज में पूरी घाटी के दुर्गम क्षेत्र में स्थित गाँवों के निर्धन/ मध्यमवर्गीय परिवारों के कुल 154 छात्र/ छात्राएं अध्ययनरत है। वर्ष 2013 में उत्तराखंड में आई प्राकृतिक आपदा में इस कॉलेज की तीन इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। कक्षाओं के लिए कमरों की कमी होने से पठन-पाठन के कार्य में असुविधा होने लगी जिससे इन ग्रामों से पलायन कर लोग आस-पास के कस्बों में जाने को बाध्य हो गए। आपदाग्रस्त इस कॉलेज में स्थान की कमी होने के कारण कॉलेज प्रशासन द्वारा एनएचपीसी से एक ओडिटोरियम निर्माण का अनुरोध किया गया ताकि बच्चों को सामूहिक रूप से भी पढाया जा सके। कार्य के महत्व व आवश्यकता को देखते हुए एनएचपीसी द्वारा ऑडिटोरियम निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य से जहां इस वर्ष के 154 बच्चों को लाभ होगा वहीं कार्य के जीवन पर्यंत तक 7700 से अधिक बच्चे लाभान्वित होंगे साथ ही ग्रामों से पलायन भी रुक पाएगा। इस कार्य में कुल 9.59 लाख रुपये की लागत आई है।

यह गतिविधि वर्ष 2019-20 में स्वीकृत की गई थी, जिसे वर्ष 2020-21 तक पूर्ण किया जाना था किंतु कोविड-19 की परिस्थितियों के कारण यह गतिविधि वर्ष 2021-22 में पूर्ण हुई। इस गतिविधि को पूरा करने के लिए वर्ष 2021-22 में रुपये 6.09 लाख का बजट प्रावधान रखा गया था जिसके सापेक्ष कुल व्यय रुपये 5.61 लाख हुआ है।

**<u>लाभार्थियों का विवरण</u>**

| कुल | सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 154 | 29 | 44 | 04 | 77 | 76 | 78 |

**4. सीएसआर योजना के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धारचूला में ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र एवं जनरेटर सेट की स्थापना एवं अन्य कार्य / CSR Support for Installation of Oxygen Generation Plant, DG set and Misc. Works for CHC Dharchula**

स्वास्थ्य और स्वच्छता के अंतर्गत धारचूला में 500 LPM क्षमता के ऑक्सीजन प्लांट एवं 45 केवीए जनरेटर सेट स्थापित किए जाने हेतु कुल रु. 95.65 लाख का बजट आवंटित किया गया था। किंतु सीएमओ पिथौरागढ़ एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धारचूला में उपलब्ध सीमित स्थान आदि को देखते हुए 500 LPM के आक्सीजन प्लांट के स्थान पर केवल 200 LPM क्षमता के आक्सीजन प्लांट एवं 62.5 केवीए क्षमता के जनरेटर सेट एवं अन्य संबंधित कार्यों के लिए बजट आंकलन रु. 75,08,019/- प्रस्तुत किया गया। अतः 200 LPM के आक्सीजन प्लांट (62.5 केवीए जनरेटर सेट सहित) की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धारचूला में स्थापना हेतु सीएमओ, पिथौरागढ़ के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए एवं 200 LPM का ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया गया। सीएचसी, धारचूला में 200 LPM के ऑक्सीजन प्लांट एवं 62.5 केवीए जनरेटर सेट की स्थापना पर कुल व्यय ₹ 65.75 लाख हुआ है। इस प्लांट से धारचूला एवं आस-पास के क्षेत्र के सभी लोग लाभान्वित होंगे और उन्हें अपने क्षेत्र में ही चिकित्सा लाभ मिलेगा।

**<u>लाभार्थियों का विवरण</u>**

| कुल | सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 65689 | 16422 | 13402 | 9433 | 26432 | 33240 | 32449 |

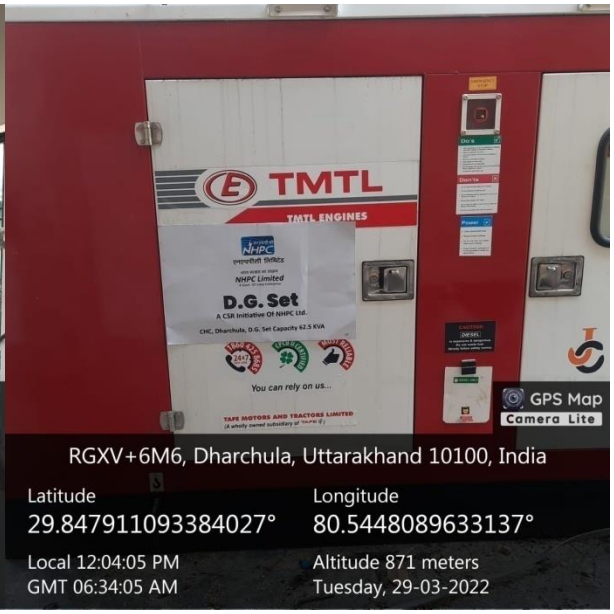

absstem
NHPC Limited
PSA PLANT
GPS Map Camera Lite
RGXV+6M6, Dharchula, Uttarakhand 10100, India
Latitude
29.847933053970337°
Longitude
80.5447394773364°
Local 12:02:56 PM
GMT 06:32:56 AM
Altitude 874 meters
Tuesday, 29-03-2022


TMTL
TMTL ENGINES
NHPC Limited
D.G. Set
A CSR Initiative Of NHPC Ltd.
You can rely on us...
GPS Map Camera Lite
RGXV+6M6, Dharchula, Uttarakhand 10100, India
Latitude
29.847911093384027°
Longitude
80.5448089633137°
Local 12:04:05 PM
GMT 06:34:05 AM
Altitude 871 meters
Tuesday, 29-03-2022


TMTL
GPS Map Camera Lite
RGXV+6M6, Dharchula, Uttarakhand 10100, India
Latitude
29.84792463015765°
Longitude
80.54478314705193°
Local 12:04:18 PM
GMT 06:34:18 AM
Altitude 867 meters
Tuesday, 29-03-2022


absstem
PSA PLANT
GPS Map Camera Lite
RGXV+6M6, Dharchula, Uttarakhand 10100, India
Latitude
29.847913146950305°
Longitude
80.54469455033541°
Local 12:05:50 PM
GMT 06:35:50 AM
Altitude 873 meters
Tuesday, 29-03-2022


NHPC Limited
200 एलपीएम क्षमता के ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र

श्री नरेन्द्र मोदी

5. **स्वच्छ विद्यालय अभियान के अंतर्गत धौलीगंगा पावर स्टेशन द्वारा पिथौरागढ़ जिले के शासकीय विद्यालयों में निर्मित शौचालयों में से निष्क्रिय/ जीर्ण-शीर्ण शौचालयों के सुधार/ नवीनीकरण के लिए निधि/ Swachh Vidyalay Abhiyan - Fund for rectification/maintenance/refurbishment work of dysfunctional toilets –**

इस गतिविधि के लिए वर्ष 2021-22 में कुल रुपये 14.30 लाख का बजट आवंटित किया गया था जिसके सापेक्ष कुल 05 शौचालयों के नवीनीकरण पर व्यय रुपये 10.53 लाख हुआ है।

| **जीर्ण -शीर्ण शौचालयों को क्रियाशील बनाने हेतु सुधार/रखरखाव/ नवीनीकरण के लिए निधि** | | | **14.30 लाख रुपए** |
|---|---|---|---|
| | | | |
| क्रम सं. | स्कूल का नाम | मरम्मत कार्यों की लागत (लाख रुपए में) | टिप्पणी |
| 1. | Govt. Junior High School, Duni, Gangolihaat<br>राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, दूनी, गंगोलीहाट | 2.28 | कार्य पूर्ण |
| 2. | Govt. Junior High School, Majirkanda, Moonakot<br>राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, मजिरकांडा, मूनाकोट | 1.72 | कार्य पूर्ण |
| 3. | Govt. Primary School, Baltari, Moonakot<br>राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बलतरी, मूनाकोट | 1.72 | कार्य पूर्ण |
| 4. | Govt. Primary School, Josha, Munshyari<br>राजकीय प्राथमिक विद्यालय, जोशा, मुनस्यारी | 2.53 | कार्य पूर्ण |
| 5. | Govt. Primary School, Matelagaon, Gangolihaat<br>राजकीय प्राथमिक विद्यालय, मटेलागांव, गंगोलीहाट | 2.28 | कार्य पूर्ण |
| | **कुल योग =** | **₹ 10.53लाख** | |

**लाभार्थियों का विवरण**

| कुल | सामान्य | अनुसूचित जाति | अनुसूचित जनजाति | अन्य पिछड़ा वर्ग | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 204 | 56 | 60 | 50 | 38 | 124 | 80 |

## धौलीगंगा पावर स्टेशन द्वारा मरम्मत की गई शौचालय, मार्च 2022

| मरम्मत से पूर्व | मरम्मत के पश्चात |
|---|---|
| **जीजेएचएस, दूनी, गंगोलीहाट** | |
| | |
| **जीजेएचएस, मजीरकंडा, मूनाकोट** | |
| | 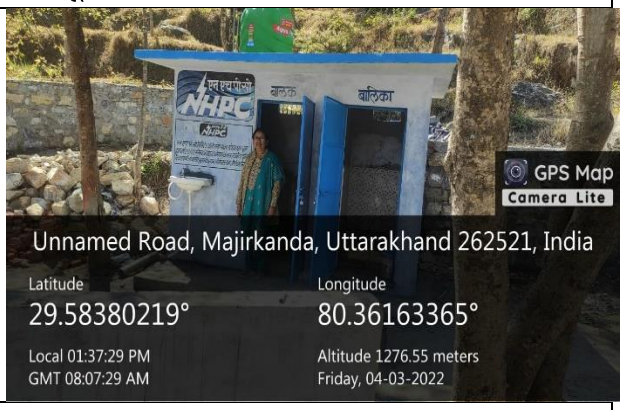 |
| **जीपीएस, बलटारी, मूनाकोट** | |
| | |

## जीपीएस, जोशा, मुंशीयारी

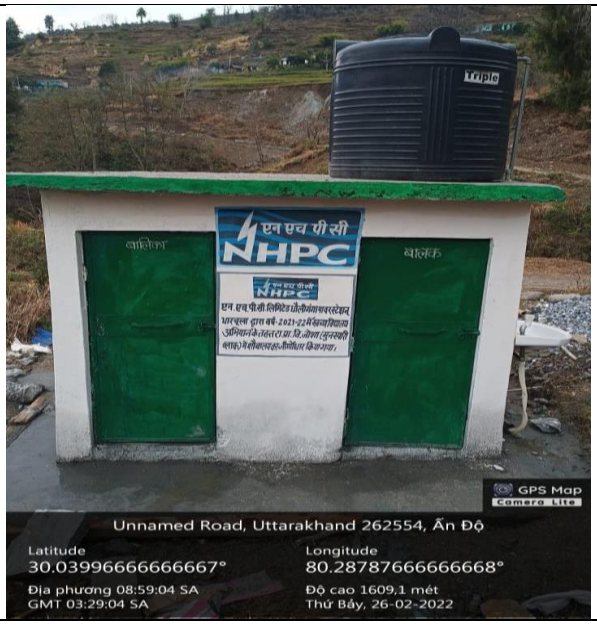


## जीपीएस, माटेलगांव, गंगोलीहाट

# 17. टनकपुर पावर स्टेशन, बनबसा

टनकपुर पावर स्टेशन सीएसआर और एसडी पहल के तहत पिछले कुछ वर्षों से अपने निकटवर्ती इलाकों में विकास गतिविधियों को अंजाम दे रहा है।

## I) बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान आवंटित रुपये 1 लाख के बजट को टनकपुर पावर स्टेशन के चिकित्सा विभाग द्वारा पावर स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय ग्रामीण महिलाएँ एवं स्कूली बच्चों हेतु मेडिकल कैंप के द्वारा आवश्यक व्यय किया गया है। मेडिकल कैंप मे डॉक्टर द्वारा परामर्श एवं दवाईयाँ इत्यादि का मुफ्त मे वितरण किया गया है।

मेडिकल जागरूकता शिविर के दौरान आवंटित रुपये का सम्पूर्ण बजट का खर्च वर्ष 2021-22 से किया गया।

**लाभार्थियों का विवरण**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरुष | महिला | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 57 | 35 | 70 | 28 | 190 | 85 | 105 | राजकीय प्राथमिक विद्यालय, चीनीगोठ |
| 65 | 92 | 68 | 45 | 270 | 108 | 162 | राजकीय विद्यालय, चीनीगोठ |
| 70 | 65 | 90 | 46 | 271 | 116 | 155 | फागपुर गांव |
| 192 | 192 | 228 | 119 | 731 | 309 | 422 | कुल |

चीनीगोड में छात्रों को चिकित्सा किटों का वितरण करते हुए श्री राजीव सचदेव, प्रभारी महाप्रबंधक

चीनीगोठ में राजकीय विद्यालय के छात्रों को चिकित्सा किट का वितरण

फागपुर में श्री राजीव सचदेव, प्रभारी महाप्रबंधक छात्रों को चिकित्सा किटों का वितरण करते हुए

## स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता व्यय, कोटलीभेल परियोजना

सेनेटाइजर, मास्क, दस्ताने, हाथ धोने आदि वस्तुओं को खरीदने के लिए (कोटलीभेल) परियोजना को 0.50 लाख रुपये वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान आवंटित किया गया था। कोटलीभेल परियोजना के आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय ग्रामीणों को कोरोना महामारी से लड़ने के लिए 0.48 लाख रुपये का सेनेटाइजर, मास्क दस्ताने, हाथ धोने आदि वस्तुओं का वितरण किया गया।

**लाभार्थियों का विवरण**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 61 | 32 | 7 | 0 | 100 | **0** | 100 |

**बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर व्यय :**

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान आवंटित रुपये 271.6 लाख का व्यय। केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों द्वारा परियोजना के आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय ग्रामीणों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए आवंटित सम्पूर्ण रुपये खर्च किया गया ।

**लाभार्थियों का विवरण**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 322 | 58 | 123 | 66 | **569** | 320 | 249 |

**स्वच्छ विद्यालय अभियान**

वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान रुपये 18.00 लाख फंड सुधार/ रखरखाव/ नवीनीकरण शौचालयों का कार्य पूर्व मे बने 298 शौचालयों के कार्य हेतु टनकपुर पावर स्टेशन को आवंटित किया गया था।

टनकपुर पावर स्टेशन द्वारा 298 न. शौचालयों का सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण करना था। जिसका कार्य तेजी से चल रहा है। जिला के 04 ब्लॉक चंपावत, पाटी, लोहाघाट और बाराकोट के विद्यालय में मरमत कार्य लगभग सम्पन्न हो चुका है।

**लाभार्थियों का विवरण**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | ईडब्ल्यूएस | कुल | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 661 | 392 | 431 | **499** | 313 | 1983 | **1100** | **883** |

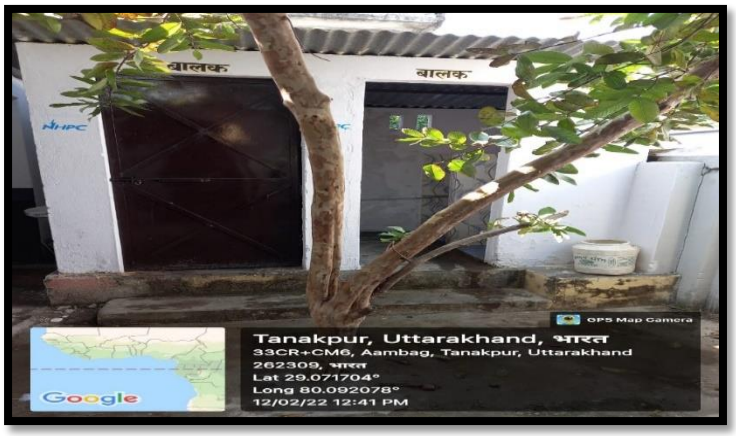
बालक
बालक
GPS Map Camera
Tanakpur, Uttarakhand, भारत
33CR+CM6, Aambag, Tanakpur, Uttarakhand
262309, भारत
Lat 29.071704°
Long 80.092078°
12/02/22 12:41 PM
Google

GPS Map Camera
बनबासा कनाल रेंज, उत्तराखण्ड, भारत
X4V2+3J7, बनबासा कनाल रेंज, उत्तराखण्ड, भारत
Lat 28.992645°
Long 80.101605°
12/02/22 10:38 AM
Google

GPS Map Camera Lite
96QG+M3P, Madlak, Uttarakhand 262524, India
Latitude
29.38922734°
Longitude
80.22515493°
Local 02:23:17 PM
GMT 08:53:17 AM
Altitude 1331.13 meters
Friday, 25-02-2022

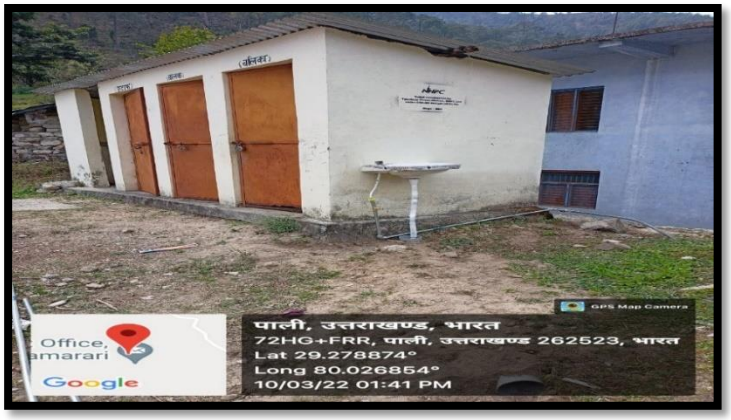
GPS Map Camera
पाली, उत्तराखण्ड, भारत
72HG+FRR, पाली, उत्तराखण्ड 262523, भारत
Lat 29.278874°
Long 80.026854°
10/03/22 01:41 PM
Google

GPS Map Camera
बंदोरा हंसी, उत्तराखण्ड, भारत
336M+9F, बंदोरा हंसी, उत्तराखण्ड 262309, भारत
Lat 29.060965°
Long 80.08351°
12/02/22 01:14 PM
mishra
Google

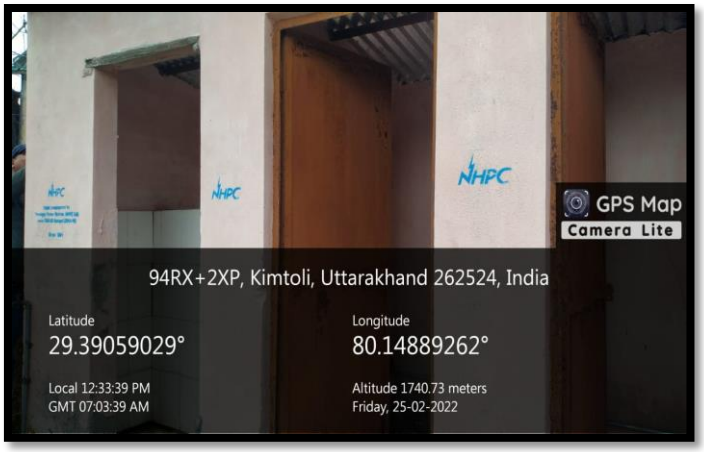
NHPC
GPS Map
Camera Lite
94RX+2XP, Kimtoli, Uttarakhand 262524, India
Latitude
29.39059029°
Longitude
80.14889262°
Local 12:33:39 PM
GMT 07:03:39 AM
Altitude 1740.73 meters
Friday, 25-02-2022

GPS Map Camera
बनबासा कनाल रेंज, उत्तराखण्ड, भारत
X4V2+3J7, बनबासा कनाल रेंज, उत्तराखण्ड, भारत
Lat 28.992703°
Long 80.101657°
12/02/22 10:42 AM
Google

## क्षेत्र-सिलीगुड़ी

### 18. क्षेत्रीय कार्यालय,सिलीगुड़ी

**(क)स्वास्थ्य और स्वच्छता:**

**लायंस क्लब,जलपाईगुड़ी को एम्बुलेंस मुहैया कराना :**

दिनांक 3.4.2022 को न्यू जलपाईगुड़ी के लायंस क्लब के अध्यक्ष को एक एम्बुलेंस सौंपी गई। लाभार्थियों की संख्या 3099 है।

आवंटित निधि – 7.75 लाख रुपये, प्रयुक्त निधि - 6.02 लाख रुपये।

**एनएचपीसी सीएसआर पहल के तहत लायंस क्लब ऑफ न्यू जलपाईगुड़ी को पूरी तरह से सुसज्जित एम्बुलेंस प्रदान की गई।**

क्षेत्रीय कार्यालय तीस्ता द्वारा सीएसआर पहल के तहत न्यू जलपाईगुड़ी के लायंस क्लब को एक पूरी तरह से सुसज्जित एम्बुलेंस (मारुति ईको, बीएस-VI, बातानुकूलित) प्रदान किया गया। दिनांक 03.04.2022 को विद्युत नगर परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में श्री ए.के. सिंह अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने झंडी दिखाकर यह एम्बुलेंस को रवाना किया । इस अवसर पर श्री एस पी मुखर्जी, कार्यपालक निदेशक, क्षेत्र-तीस्ता, श्री हर्ष सिंह, कार्यपालक निदेशक, निगम मुख्यालय, श्री. सुभाष राय, अध्यक्ष, लायंस क्लब ऑफ न्यू जलपाईगुड़ी, उपस्थित थे। एनएचपीसी के वरिष्ठ अधिकारी और लायंस क्लब ऑफ न्यू जलपाईगुड़ी के सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

Fully Equipped Ambulance provided to Lions Club of New Jalpaiguri under NHPC CSR Initiative.

Regional Office Teesta has provided one Fully Equipped Ambulance (Maruti EECO, BS-VI, A/C) to Lions Club of New Jalpaiguri under CSR initiative. The vehicle was flagged off by Shri A.K. Singh, CMD, NHPC on 03.04.2022 in a programme organised at Vidyut Nagar premises. On this occasion, Sh. S.P. Mukherjee, Executive Director, Region-Teesta, Sh. Harsh Singh, Executive Director, Corporate Office, Sh. Subhash Roy, President, Lions Club of New Jalpaiguri were present. Senior officers from NHPC and members of Lions Club of New Jalpaiguri were also present on the occasion.

**(ख) स्वच्छ विद्यालय अभियान:**

**सीएजी लेखा परीक्षा पैरा के अनुपालन में एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय,सिलीगुड़ी द्वारा निर्मित विद्यालय के शौचालयों में मरम्मत और रखरखाव तथा जलापूर्ति प्रणाली मुहैया कराना:**

जलपाईगुड़ी जिले के 5 ब्लाकों में स्थित 309 स्कूलों में कुल 638 शौचालयों का नवीनीकरण किया गया है। इसके अलावा 309 शौचालयों में बहते पानी की सुविधा मुहैया कराने के लिए स्कूलों में 193 नए नलकूपों के लिए बोरिंग का कार्य 47.00 लाख रुपए के अतिरिक्त आवंटित बजट के साथ प्रगति पर है, जिसमें से 14 नलकूपों से संबंधित कार्य पूरे हो गए हैं ।

आवंटित निधि – 202.00 लाख रुपये, प्रयुक्त निधि -152.09 लाख रुपये
लाभार्थियों की संख्या 21641 है।

## 19. तीस्ता लो डैम-III पावर स्टेशन

### I) ग्रामीण विकास

- **देवराली,तीस्ता घाटी में शौचालय और रसोई घर के साथ सामुदायिक भवन का निर्माण :**
  देवराली, तीस्ता घाटी में रसोई घर और शौचालय के साथ एक सामुदायिक हॉल का निर्माण किया गया है ताकि ग्रामीण बैठकें, विवाह, धार्मिक समारोह आदि जैसे सामुदायिक समारोह आयोजित करने में समर्थ हो सके। सामुदायिक हॉल के निर्माण के लिए ग्रामीण टीएलडी-III पावर स्टेशन के आभारी हैं, क्योंकि सामुदायिक गतिविधियों को करने के लिए गाँव में कोई उचित स्थान/ क्षेत्र नहीं था ।
  उक्त निर्माण कार्य पर वर्ष 2019-20 एवं 2020-21 के दौरान क्रमश: 4.56 लाख रुपये एवं 19.40 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है। तथापि, 2021-22 के दौरान उक्त निर्माण कार्य के लिए शेष राशि रु.0.32 लाख जारी कर दी गई है । लाभार्थियों का विवरण नीचे दिया गया है:

| श्रेणी | सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| संख्या | 04 | 03 | 69 | 132 | 208 | 102 | 106 |

देवराली,तीस्ता घाटी में शौचालय और रसोई घर के साथ सामुदायिक हॉल।

## II) शिक्षा

- **बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय पर व्यय :**

शिक्षा एनएचपीसी परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। टीएलडीपी –III पावर स्टेशन रामबी, पश्चिम बंगाल में स्थित एक केंद्रीय विद्यालय को सहायता प्रदान करता है। यह छात्रों को सुसज्जित बुनियादी ढांचा सुविधाएं मुहैया कराता है। विद्यालय पावर स्टेशन के आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले वंचित बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,खेल,जीवन कौशल और समग्र विकास पर केंद्रित है। पावर स्टेशन का उद्देश्य शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाना है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 176.60 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है। लाभार्थियों का विवरण नीचे दिया गया है:

| श्रेणी | सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| संख्या | 79 | 13 | 6 | 22 | 120 | 63 | 57 |

केन्द्रीय विद्यालय,रामबी

## III) स्वास्थ्य और स्वच्छता

**• एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में बाहरी लोगों के लिए चिकित्सा व्यय - सीएसआर:**

पावर स्टेशन अपने आस-पास के गांवों के निवासियों को रामबी, पश्चिम बंगाल में अपने औषधालय के माध्यम से चिकित्सा उपचार मुहैया कराता है। पावर स्टेशन के डॉक्टरों द्वारा स्थानीय लोगों को मुफ्त परामर्श दिया जाता है और औषधालय से दवाएं मुफ्त में वितरित की जाती हैं।

वर्ष 2021-22 के दौरान उक्त क्रियाकलाप के लिए 12.08 लाख रुपये की राशि बुक की गई है। लाभार्थियों का विवरण नीचे दिया गया है:

| श्रेणी | सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| संख्या | 695 | 322 | 306 | 654 | 1977 | 1067 | 910 |

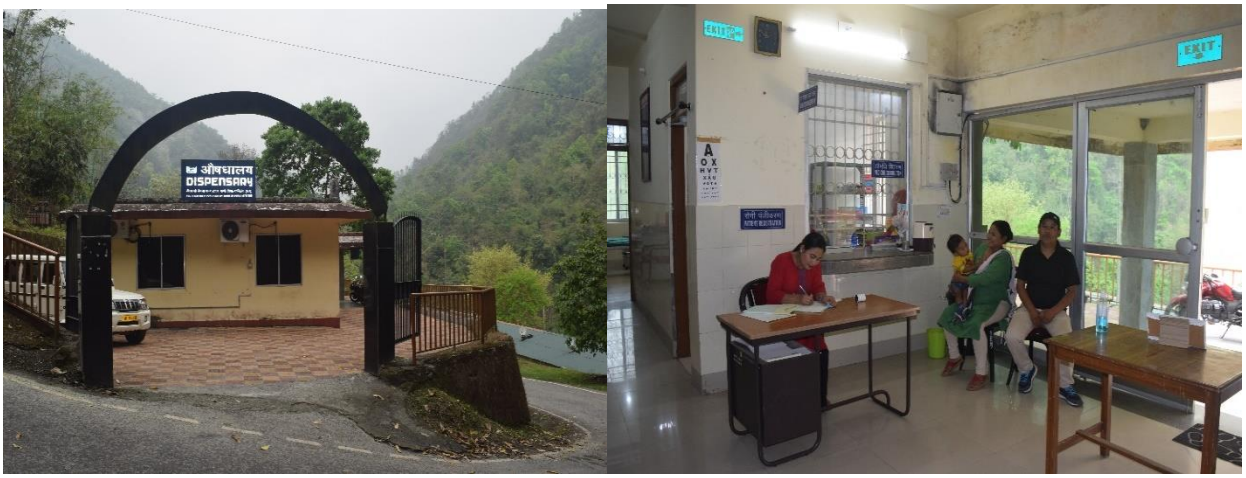


परियोजना औषधालय,रामबी

## IV) स्वच्छ विद्यालय अभियान

**• उपयोग अनुकूल न होने वाले शौचालयों के सुधार/ रखरखाव/ नवीनीकरण कार्य के लिए निधि**

इस क्रियाकलाप के तहत विभिन्न स्कूलों में पहले से निर्मित उपयोग न किए जा रहे शौचालयों की पहचान की गई थी। दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में एसवीए के तहत विभिन्न स्कूलों में निर्मित 160 शौचालयों में से 124 शौचालयों की पहचान की गई थी,जिन्हें पूरी तरह क्रियाशील बनाने तथा छात्रों के लिए उचित निरंतर पानी,साफ-सफाई और स्वच्छता सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए बड़े और छोटे मरम्मत कार्यों की आवश्यकता थी।

उक्त सुधार कार्य हेतु वर्ष 2021-22 के लिए 19.34 लाख रुपये की राशि बुक की गई है। लाभार्थियों का विवरण नीचे दिया गया है:

| श्रेणी | सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| संख्या | 16000 | 4000 | 8000 | 12000 | 40000 | 19000 | 21000 |

उक्त शौचालयों में से कुछेक के चित्र नीचे दिए गए है :

# 20. तीस्ता लो डैम-IV पावर स्टेशन

## 1. स्वास्थ्य और स्वच्छता :

**सीएसआर-एसडी योजना 2021-22 के तहत एनएचपीसी डिस्पेंसरी में बाहरी रोगियों के लिए चिकित्सा व्यय:**

परियोजना डिस्पेंसरी में चिकित्सकों द्वारा नियमित अंतराल पर बाहरी लोगों को चिकित्सा परामर्श दिया जा रहा है।

इसके अलावा,देसन अस्पताल, सिलीगुड़ी के सहयोग से पावर स्टेशन के आसपास स्थित ग्रामीणों के लिए टीएलडी-IV पीएस, कालीझोरा में एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सकों की टीम में जनरल फिजिशियन, पल्मोनोलॉजिस्ट, स्त्री रोग विशेषज्ञ शामिल थे। इस शिविर में रामबी, लंकू, कर्मठ, कंडुंग जैसे आसपास के ग्रामीणों ने भाग लिया और विशेषज्ञों से मुफ्त परामर्श लिया तथा उन्हें मुफ्त दवाएं वितरित की गईं।

**(टीएलडी-IV पीएस में चिकित्सा शिविर का उद्घाटन)**

**(टीएलडी-IV में चिकित्सा शिविर का पंजीकरण)**

चिकित्सा शिविर के दौरान चिकित्सकों से परामर्श

चिकित्सकों को सम्मानित किया जाना

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 284 | 270 | 132 | 559 | 1245 | 768 | 477 |

**<u>ख. स्वच्छ भारत अभियान</u>**

**निष्क्रिय शौचालयों को कार्यशील बनाने के लिए उनका सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य:**

टीएलडी-IV पीएस ने इससे पहले स्वच्छ भारत अभियान के तहत पावर स्टेशन के आसपास विभिन्न शौचालयों का निर्माण किया था। पावर स्टेशन के आसपास एक तृतीय पक्ष की स्वतंत्र एजेंसी द्वारा भौतिक जांच और उनकी टिप्पणी के आधार पर, टीएलडी-IV पीएस ने कुर्सेओंग और कलिम्पोंग क्षेत्रों में निर्मित सार्वजनिक शौचालयों के सुधार का कार्य प्रारंभ किया है। चालू वित्तीय वर्ष 2021-2022 के दौरान 24 निष्क्रिय शौचालयों का मरम्मत कार्य मैसर्स नारायण

थापा,पीओ बागोगोरा पीएस कुर्सेओंग,जिला-दार्जिलिंग और मैसर्स रेमंड राय,कलिम्पोंग के पक्ष में अनुबंध के द्वारा किया गया था। कार्य को अनुबंध के माध्यम से दो लॉट में निष्पादित किया गया था जैसा कि नीचे दिया गया है:

क)कर्सियांग क्षेत्र मरम्मत कार्य: 16 शौचालयों के लिए मरम्मत कार्य किया गया। 31.12.2021 को सभी कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

ख) कालिम्पोंग क्षेत्र मरम्मत कार्य: 8 शौचालयों के लिए मरम्मत कार्य किया गया। मरम्मत कार्य 19.02.2022 को पूर्ण कर लिया गया है।

**कार्य का सार**

| क्र.सं. | सर्वेक्षण किए गए शौचालयों की संख्या | मरम्मत के लिए आवश्यक होने वाले शौचालयों की संख्या | कार्य का मूल्य | कार्य दिए जाने की तिथि | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 172 | 16 | 4.12 * | 12.10.21 | 31.12.2021 को पूर्ण। |
| | | 8 | 4.04 | 21.01.22 | 19.02.2022 को पूर्ण।. |
| 2 | कुल | 24 | | | |

*** अस्थाई विचलन के साथ 2.54 लाख रुपए से संशोधित।**

लोअर तुरूक सरकीगांव एसएसके स्कूल, कर्सियांग

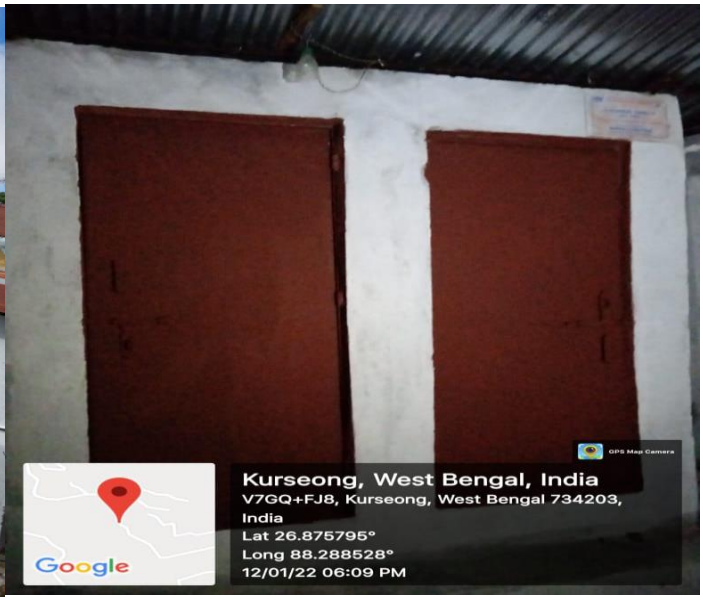


नया बस्ती प्राथमिक विद्यालय,कर्सियांग

पनबू प्राथमिक विद्यालय, कलीमपॉन्ग

लोअर पनबू एसएसके स्कूल कलीमपॉन्ग

## लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 74 | 101 | 90 | 62 | 0 | 0 | 327 |

3. 31.03.2022 की यथास्थिति सीएसआर और एसडी पर व्यय की गई राशि

| क्रम सं. | सीएसआर क्रियाकलाप | आवंटन लाख में (भारतीय राष्ट्रीय रुपए) | व्यय की गई राशि लाख रुपए में (भारतीय राष्ट्रीय रुपए) |
|---|---|---|---|
| 1 | विद्यालयों के अक्रियाशील शौचालयों का पुनरूद्धार | 9.00 | 7.52 |
| 2 | एनएचपीसी औषधालयों में बाहरी रोगियों के लिए चिकित्सा व्यय | 5.00 | 3.35 |
| | **कुल** | 14.00 | 10.87 |

## 21. रंगित पावर स्टेशन

**शिक्षा :-**

**(i) उच्चतर अध्ययन के लिए एनएचपीसी छात्रवृत्ति: -**

रंगित पावर स्टेशन ने दो छात्रों सुश्री चंकुला लेपचा और श्री दीवान छेत्री,जो क्रमश:सिक्किम गवर्मेन्ट कॉलेज, ग्यालशिंग और सिक्किम गवर्मेन्ट कॉलेज,नामची में अध्ययनरत है, को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की है। ये छात्र सिक्किम के पश्चिमी जिले से ताल्लुक रखते हैं जिसकी पहचान भारत के "आकांक्षी जिले" के रूप में की गई है। इन छात्रों को नवीकृत वर्ष 2021-22 के लिए 24,000/- रुपये प्रत्येक की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

| लाभार्थियों की संख्या | | | | | | | सीएसआर और एसडी बजट | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | पुरुष | महिला | आवंटित बजट | प्रयुक्त बजट |
| - | - | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | 0.48 | 0.48 |

**ii) डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रचालन और संचालन व्यय संबंधी आनुपातिक लागत:**

बाहरी लोगों को प्रदान की जा रही सेवाओं के आधार पर डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रचालन और संचालन व्यय की आनुपातिक लागत सीएसआर और एसडी के तहत बुक की जा रही है।

चालू वित्तीय वर्ष अर्थात वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान बाहरी लोगों को दी जा रही सेवाओं के आधार पर डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रचालन और संचालन व्यय की आनुपातिक लागत के रूप में 304.33 लाख रुपए के कुल व्यय को बुक किया गया है।

**स्वास्थ्य:**

**(i) परियोजना अस्पताल/औषधालय के माध्यम से चिकित्सा देखभाल:-**

रंगित पावर स्टेशन अपने परियोजना अस्पताल/औषधालय के माध्यम से इसके आसपास रहने वाले समुदाय को आवश्यक चिकित्सा स्वास्थ्य देखभाल सुविधा प्रदान कर रहा है। परियोजना अस्पताल/औषधालय के माध्यम से स्थानीय जरूरतमंद लोगों को मुफ्त चिकित्सा जांच और दवाएं वितरित की जाती हैं।

**लाभार्थियों की संख्या**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा | अ.पि.व. | कुल | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1526 | 699 | 889 | 1809 | 4923 | 2821 | 2102 |

**ii) <u>बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल / औषधालयों पर चिकित्सा व्यय पर आनुपातिक लागत</u>:**

बाहरी लोगों को प्रदान की जा रही सेवाओं के आधार पर एनएचपीसी अस्पताल/बाहरी लोगों के लिए औषधालयों पर चिकित्सा व्यय पर आनुपातिक लागत सीएसआर और एसडी के तहत बुक की जा रही है।

चालू वित्तीय वर्ष अर्थात वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान बाहरी व्यक्तियों को उपलब्ध करायी जा रही सेवाओं के आधार पर एनएचपीसी अस्पताल/औषधालयों पर चिकित्सा व्यय पर आनुपातिक लागत के रूप में 34.75 लाख रुपये के कुल व्यय बुक किए गए हैं।

## 22. तीस्ता-V पावर स्टेशन

**(क) शिक्षा और कौशल विकास:**

**i) बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों पर किया गया व्यय – सीएसआर**

आवंटित निधि – 319.42 लाख रुपए. प्रयुक्त निधि - 316.31 लाख रुपए

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 272 | 38 | 11 | 40 | 361 | 166 | 195 |

**ii) मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति:**

आवंटित निधि – 11.04 लाख रुपए. प्रयुक्त निधि - 10.80 लाख रुपए

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| **सामान्य** | **अनु.जा.** | **अनु.ज.जा.** | **अ.पि.व.** | **कुल** | **महिला** | **पुरुष** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 14 | 0 | 8 | 1 | 23 | 12 | 3 |

**(ख) स्वास्थ्य और स्वच्छता:**

**बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालायों में चिकित्सा व्यय - सीएसआर**

आवंटित निधि – 99.08 लाख रुपए. प्रयुक्त निधि - 70.20 लाख रुपए

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6272 | 2096 | 1922 | 3407 | 0 | 0 | 13697 |

**ग) एनएचपीसी,तीस्ता-V पावर स्टेशन ने मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति वितरित की:**

एनएचपीसी,तीस्ता-V पावर स्टेशन ने 23.03.2022 को अपने सभागार,बालूतार,गंगटोक जिले में सीएसआर और एसडी की छात्रवृत्ति पुरस्कार योजना के तहत मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति वितरित की। श्री बी एस पंथ, माननीय वाणिज्य और उद्योग विभाग एवं पर्यटन और नगर विमानन विभाग, सिक्किम सरकार, इस अवसर पर सिक्किम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और 23 मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की। इस अवसर पर बोलते हुए,श्री बी एस पंथ ने छात्रों को बधाई दी और छात्रों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एनएचपीसी के इस कदम की सराहना की और एनएचपीसी से छात्रवृत्ति की संख्या बढ़ाने पर विचार करने का अनुरोध किया। श्री एस.पी.मुखर्जी,कार्यकारी निदेशक,तीस्ता क्षेत्र ने छात्रों को अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने और राष्ट्र निर्माण में रचनात्मक भूमिका निभाने का परामर्श दिया। पावर स्टेशन के प्रमुख श्री सी.आर.दास ने पावर स्टेशन को लगातार सहयोग देने के लिए जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों को धन्यवाद दिया ।

एनएचपीसी छात्रवृत्ति पुरस्कार योजना के तहत,मेधावी छात्रों को प्रति वर्ष 24,000/- की छात्रवृत्ति दी जाती थी,जिसका उद्देश्य वंचित छात्रों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देना है,जो औपचारिक शिक्षा का खर्च नहीं उठा सकते है। इस अवसर पर,प्रत्येक मेधावी छात्र को वित्तीय वर्ष 2020-21 और वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए छात्रवृत्ति राशि के रूप में ₹48,000/-प्रदान किए गए। छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले कुल 23 छात्रों में से 12 छात्राएं हैं। इस अवसर पर श्री ए के दास,तीस्ता-VI परियोजना के प्रमुख,श्री टिकेंद्र हरि शर्मा,बीडीओ-खामदोंग, श्री प्रशांत प्रधान, अध्यक्ष,एनएचपीसी समन्वय समिति, एनएचपीसी के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय समन्वयक,छात्र और उनके माता-पिता और अन्य अतिथि उपस्थित थे। इस गतिविधि के लिए कुल वित्तीय निहितार्थ 10,80,000.00 रुपये है।

NHPC Limited
SCHOLARSHIP DISTRIBUTION TO
MERITORIOUS STUDENTS

NHPC Limited
SCHOLARSHIP DISTRIBUTION TO
MERITORIOUS STUDENTS
UNDER NHPC SCHOLARSHIP
AWARD SCHEME CSR&SD FY 2021-22
Place: Teesta-V Power Station Balutar, East Sikkim




NHPC Limited
SCHOLARSHIP DISTRIBUTION TO
MERITORIOUS STUDENTS
UNDER NHPC SCHOLARSHIP

members of SABA, rep- dedication to reach the proud at such a young fields.

# NHPC distributes scholarships to meritorious students

**SUMMIT REPORT**
**GANGTOK, 24 MAR:**

NHPC Teesta-V Power Station distributed scholarships to meritorious students under its Scholarship Award Scheme of CSR & SD on 23 March at its auditorium in Balutar, Gangtok District, a press release informs.

Minister of Commerce & Industries Department and Tourism & Civil Aviation Department, B S Panth, was present on the occasion as the chief guest and handed over the scholarships to 23 meritorious students.

Speaking on the occasion, Mr Panth congratulated the students and applauded the gesture of NHPC to promote education among students and requested NHPC to consider enhancing the number of scholarships.

Executive Director, Teesta Region, S.P. Mukherjee, advised the students to work hard to achieve success in their lives and play a constructive role in nation building. Head of Power Station, Teesta-V PS, C.R. Das, thanked the district administration and local people for their constant support to the Power Station. Under the NHPC Scholarship Award Scheme, the meritorious students were given scholarship of ₹2,40,000 per annum with an aim to promote education among underprivileged students, who cannot afford to pursue formal education, the release informs. On this occasion, each meritorious student was handed over ₹48,000 as scholarship amount for the FY 2020-21 & FY 2021-22. Out of total 23 students who have received scholarships, 12 students are girls.

Head of the Teesta-VI Project, A K Dash, BDO-Khamdong, Tikendra Hari Sharma, Chairman, NHPC Coordination Committee, Prashant Pradhan, Senior officers of NHPC, local coordinators, students and their parents and other guests were present on the occasion.

**GOVERNMENT OF SIKKIM**
**URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT**
**GANGTOK**

No: 323/UDD/Secy. Dated: 21/03/2022

## ADVISORY

The "Sikkim Building Construction Regulations, 1991" regulates all building construction activities within the notified urban areas of the state and based on which Blue Print Plans are approved by the Government. While allowing the constructions; mandatory guidelines / instructions are issued to be followed by the individual/ agency for carrying out such constructions. However, instances have come to the notice of the Department that in several cases, constructions are being carried out duly violating the guidelines and causing damages / obstructions to the public infrastructure, such as roads, drains, footpath, jhoras etc. There is every chance that such actions may lead to disasters in the form of landslide, flash floods, damages to the environment etc. The urban areas with dense habitation and intrusive change of topography are at greater risk of these natural calamities. It is also found that construction materials and household wastes are obstructing the public drains / jhoras, roads and footpath contributing to natural calamities and inconveniencing the public in general.

In view of this, the public in general are hereby advised/ reminded to observe the following instructions issued by the Department while carrying out construction works:-

SIKKIM EXPRESS
OF THIS LAND, FOR ITS PEOPLE

# NHPC scholarships for 23 meritorious students

**SE Report**

**GANGTOK, March 24:** The NHPC, Teesta-V Power Station presented scholarships to 23 meritorious students under its Scholarship Award Scheme of CSR & SD on March 23. The event was held at the power station auditorium, Balutar during which Commerce & Industries minister B.S. Panth handed over the scholarships to the students.

Speaking on the occasion, the minister congratulated the students and applauded the gesture of NHPC to promote education among students and requested NHPC to consider enhancing the number of scholarships.

S.P. Mukherjee, executive director, Teesta Region advised the students to work hard to achieve success in their lives and play the constructive role in nation building.

C.R. Das, head of power station, Teesta-V PS thanked the district administration and local people for their constant support to the power station.

Under the NHPC Scholarship Award Scheme, the meritorious students were given scholarship of Rs. 24,000 per annum with an aim to promote education among underprivileged students, who cannot afford to pursue formal education. On this occasion, each meritorious student was handed over Rs. 48,000 as scholarship amount for the financial years 2020-21 and 2021-22.

Out of total 23 students who have received scholarships, 12 students are girls.

A.K. Dash, head of the Teesta-VI Project, Tikendra Hari Sharma, BDO-Khamdong, Prashant Pradhan, chairman, NHPC Coordination Committee, senior officers of NHPC, local coordinators, students and their parents and other guests were present on the occasion, a press release informs.

# 23. लोकतक पावर स्टेशन

**I) शिक्षा और कौशल विकास:**

**बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर**

आवंटित निधि – 277.71 लाख रुपए. प्रयुक्त निधि - 267.82 लाख रुपए

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 208 | 39 | 105 | 123 | 475 | 238 | 237 |

**II) स्वास्थ्य और स्वच्छता :**

**बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालयों में चिकित्सा व्यय - सीएसआर**

आवंटित निधि – 82.43 लाख रुपए. प्रयुक्त निधि- 82.31 लाख रुपए

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 188 | 0 | 91 | 0 | 279 | 113 | 166 |

**III) स्वच्छ विद्यालय अभियान:**

**बंद पड़े हुए शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/मरम्मत/नवीकरणकार्य के लिए निधि**

आवंटित निधि – 31.00 लाख रुपए, प्रयुक्त निधि- 30.59 लाख रुपए

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| **सामान्य** | **अनु.जा.** | **अनु.ज.जा.** | **अ.पि.व.** | **कुल** | **महिला** | **पुरुष** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 70 | 102 | 3298 | 30 | 3500 | 1650 | 1850 |

बंद पड़े हुए शौचालयों के सुधार कार्य के कुछ चित्र नीचे दिए गए हैं:

# 24. सुबनसिरी लोअर जल विद्युत परियोजना

**(क) शिक्षा और कौशल विकास :**

**i) बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों में व्यय - सीएसआर.**

नियमित क्रियाकलाप। व्यय वास्तविक के अनुसार।

आवंटित निधि – 183.78 लाख रुपए, प्रयुक्त निधि- 183.78 लाख रुपए

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 79 | 30 | 125 | 77 | 311 | 158 | 153 |

**ii) दोलंगमुख मंडल, कमले जिला, अरुणाचल प्रदेश में अवस्थित सरकारी माध्यमिक विद्यालय की मरम्मत और रख -रखाव :**

इस क्रियाकलाप के लिए बजट आवंटन 11.03.2022 को संप्रेषित किया गया था। अत:इतनी अल्पावधि में वित्तीय वर्ष 2021-22 में इसे प्रारंभ नहीं किया जा सका था।

आवंटित निधि – 20.00 लाख रुपए.

लाभार्थियों की संख्या = 320

लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 10 | 0 | 310 | 0 | 320 | 157 | 163 |

**(ख) स्वास्थ्य और स्वच्छता :**

**i) बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालयों के लिए चिकित्सा व्यय - सीएसआर.**

नियमित क्रियाकलाप । व्यय वास्तविक के अनुसार है।

आवंटित निधि – 72.10 लाख रुपए, प्रयुक्त निधि- 58.05 लाख रुपए.

लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2400 | 343 | 3085 | 1028 | 6856 | 1813 | 5043 |

**ii) धेमाजी और लखीमपुर जिलों (असम)और कमले जिले (अरुणाचल प्रदेश)में स्वास्थ्य सुविधा के उन्नयन के लिए पीएचसी/ सीएचसी में चिकित्सा उपकरण मुहैया कराना ।**

इस क्रियाकलाप के तहत धेमाजी और लखीमपुर जिलों (असम)और कमले जिले (अरुणाचल प्रदेश) में उनके पीएचसी और सीएचसी की स्वास्थ्य सुविधा के उन्नयन के लिए वितरण हेतु 11 चिकित्सा उपकरणों की खरीद की जानी थी । दिसंबर-2021 और जनवरी-2022 के दौरान जीईएम पोर्टल के माध्यम से इन 11 मदों के लिए ऑर्डर दिए गए थे। तथापि, केवल 03 मदें वितरित की गई थी। 08 गैर-वितरित मदों के अनुबंधों को समाप्त करने और फिर से बोली लगाने या खरीद के अन्य तरीकों के माध्यम से खरीदने के लिए बहुत कम समय उपलब्ध था। परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में इस क्रियाकलाप को पूरा करने के लिए पहले ही 20.19 लाख रुपए(03 मदों के भुगतान के बाद कुल स्वीकृत बजट में से बची हुई शेष राशि)की निधि मांग प्रस्तुत कर दी थी।
आवंटित निधि – 24.55 लाख रुपए.

प्रयुक्त निधि- 4.36 लाख रुपए

विद्यार्थियों की संख्या = 20,000.

लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6000 | 1000 | 9000 | 4000 | 20000 | 9800 | 10200 |

**iii) कमले जिले, अरुणाचल प्रदेश में 02 एसयूवी प्रकार की एम्बुलेंस उपलब्ध कराना, जो कि वित्त पोषण के गैर-अतिव्याप्तिकरण के संबंध में जिला प्रशासन से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के अधीन है।**

जिला प्रशासन कमले जिला ने विशेष रूप से एसयूवी प्रकार एम्बुलेंस जैसे टाटा सूमो एम्बुलेंस, एमएम बोलेरो एम्बुलेंस इत्यादि प्रदान करने का अनुरोध किया था। हालांकि, इस प्रकार की एम्बुलेंस वर्तमान में बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में 2 एमएम बोलेरो खरीदी जिसे कुछ संशोधन कार्यों के साथ एम्बुलेंस में परिवर्तित किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2021-22 में संशोधन कार्य नहीं किया जा सका क्योंकि वाहनों की डिलीवरी बहुत देर से (25.03.2022 को)की गई थी। परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में क्रियाकलाप को पूरा करने के लिए पहले ही 3.62 लाख रुपये (एमएम बोलेरो के भुगतान के बाद बचे 20.00 लाख रुपये के कुल स्वीकृत बजट से शेष राशि)की धनराशि का अनुरोध प्रस्तुत किया जा चुका है। बजट आवंटन की प्रत्याशा में, परियोजना ने पहले ही संशोधन कार्य शुरू कर दिया है ताकि एम्बुलेंस को अंतिम उपयोगकर्ता को जल्द से जल्द सौंपा जा सके।

**आवंटित निधि – 20.00 लाख रुपए, प्रयुक्त निधि - 16.38 लाख रुपए**

**लाभार्थियों की संख्या = 11000.**

लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 660 | 220 | 9900 | 220 | 11000 | 5390 | 5610 |

**(ग) स्वच्छ भारत अभियान :**

**i) बोरवेल के साथ सुरक्षित पेयजल सुविधाएं,सार्वजनिक क्षेत्रों,सामुदायिक केंद्रों आदि में साइट की आवश्यकता के अनुसार फिल्टरेशन:**

परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2015-16 से वित्तीय वर्ष 2017-18 तक 1841 सुरक्षित पेयजल सुविधा इकाइयों,अर्थात कलश इकाइयों का निर्माण प्रारंभ किया और कलश इकाइयों को अक्टूबर-2018 तक पूरा किया गया। इसके अलावा,वित्तीय वर्ष 2020-21 के अंत में 457 कलश इकाइयों के लिए कुछ शेष भुगतान देय था। शेष भुगतान जारी करने के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 में 25.00 लाख रुपए का बजट आवंटित किया गया था।

**आवंटित निधि –25.00 लाख रुपए, प्रयुक्त निधि- 0.71 लाख रुपए**

**लाभार्थियों की संख्या = 184100**

लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 55230 | 9205 | 82845 | 36820 | 184100 | 90209 | 93891 |

**ii) सीएसआर स्थिरता के लिए जिला प्राधिकरण के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से 10 आरओ सह स्वच्छता परिसर।**

इस क्रियाकलाप के अंतर्गत,आरओ-सह-स्वच्छता परिसर का निर्माण 10 स्थानों (असम में धेमाजी, गोगामुख, गेरुकामुख, बिलमुख, पोदुमनी, उत्तर लखीमपुर, नारायणपुर, गोहपुर और माजुली तथा अरुणाचल प्रदेश में कोलाप्टुकर)पर किया गया था। इसे पूरा कर 08 स्थानों पर चालू कर दिया गया है, जबकि 02 स्थानों अर्थात माजुली और कोलाप्टुकर में कार्य पूरा होने के निकट है। माजुली में आरओ-सह-स्वच्छता परिसर भी पूरा हो गया है,लेकिन माजुली जिला प्रशासन की मांग के अनुसार,

परिसर के चारों ओर एक रिटेनिंग दीवार का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी प्रगति में माजुली एलएसी में उपचुनाव के कारण देरी हुई थी। कोलाप्टुकर में आरओ-सह-स्वच्छता परिसर का अधिकांश कार्य भी पूरा हो चुका है।

**आवंटित निधि – 10.00 लाख रुपए. प्रयुक्त निधि- 0.21 लाख रुपए**

लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 45000 | 7500 | 67500 | 30000 | 150000 | 73500 | 76500 |

**(घ) स्वच्छ विद्यालय अभियान :**

**निष्क्रिय शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि:**

स्वच्छ विद्यालय अभियान के तहत,परियोजना ने असम के 14 जिलों और अरुणाचल प्रदेश के 04 जिलों में 3129 शौचालयों का निर्माण किया। अब,विद्युत मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार,परियोजना 2937 शौचालयों(192 शौचालय परित्यक्त है)की मरम्मत का कार्य कर रही है। परियोजना संबंधित जिला शिक्षा विभाग/निकायों के माध्यम से मरम्मत कार्य कर रही है। वित्तीय वर्ष 2021-22 तक, परियोजना ने 17 जिलों के साथ 2858 शौचालयों की मरम्मत के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। 79 शौचालयों की मरम्मत के लिए समझौता ज्ञापन विभिन्न कारणों से (पश्चिम सियांग जिला, अरुणाचल प्रदेश के साथ 42 शौचालय और माजुली जिला, असम के साथ 37 अतिरिक्त शौचालय) अभी तक लिया जाना बाकी है। वित्तीय वर्ष 2021-22 तक 640 शौचालयों के मरम्मत कार्य पूर्ण होने की सूचना प्राप्त हो चुकी है। दिसंबर-2021 और जनवरी-2022 के दौरान कोविड-19 के प्रभाव के कारण शौचालयों की प्रगति में देरी हुई है,असम राज्य भर में नगर पालिकाओं/नगर समितियों के चुनाव के दौरान चुनाव संबंधी कार्यों में राज्य सरकार के अधिकारियों (जो मरम्मत कार्यों में लगे हुए हैं)के नियोजन के कारण देरी हुई है। इसके अलावा,परियोजना को चरणों में बजट आवंटित किया गया था यथा सितंबर-2021 में 63.00 लाख रुपए,दिसंबर-2021 में 400.00 लाख रुपए और जनवरी-2022 में 279.50 लाख रुपए। चरणों में बजट आवंटन ने भी मरम्मत कार्यों में देरी की क्योंकि परियोजना बजट उपलब्धता के अनुसार ही जिलों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर सकती थी।

**आवंटित निधि – 742.60 लाख रुपए। प्रयुक्त निधि- 275.11 लाख रुपए**

**लाभार्थियों का ब्यौरा**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 65800 | 18800 | 75200 | 28200 | 188000 | 92120 | 95880 |

**(च) ग्रामीण विकास :**

**i) ता नदी, चंपक छज्जो गांव, अरुणाचल प्रदेश में आरसीसी पुल/ पुलिया का निर्माण और बाढ़ नियंत्रण कार्य।**

इस क्रियाकलाप का परित्याग कर दिया गया है क्योंकि PMGRY योजना के तहत अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा कार्य शुरू किया गया है।

आवंटित निधि – 7.00 लाख रुपए.

**ii) दुरपई गांव, कांगकू सर्कल, लोअर सियांग, अरुणाचल प्रदेश में डबल स्टोरी रोस्ट्रम सह मिनी स्टेडियम का निर्माण-**

इस क्रियाकलाप के लिए बजट आवंटन 12.01.2022 को संप्रेषित किया गया था। वित्तीय वर्ष 2021-22 में इस क्रियाकलाप के निष्पादन के लिए परियोजना को बहुत कम समय मिला। परियोजना ने जल संसाधन विभाग,अरुणाचल प्रदेश सरकार से कार्य का विस्तृत अनुमान पहले ही एकत्र कर लिया है। कार्य वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान एमओयू मोड के तहत उसी विभाग के माध्यम से निष्पादित किया जाएगा। परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में इस क्रियाकलाप के लिए 50.00 लाख रुपये की धनराशि का अनुरोध पहले ही प्रस्तुत कर दिया है।

**आवंटित निधि – 50.00 लाख रुपए । प्रयुक्त निधि- शून्य रुपए.**

लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 800 | 100 | 5000 | 100 | 6000 | 2940 | 3060 |

**iii) कंघू सर्कल, लोअर सियांग, अरुणाचल प्रदेश के अंतर्गत दुर्पई गांव में एक्का नाला में सुदृढ़ सीमेंट की कंक्रीट नाली का निर्माण**

इस क्रियाकलाप के लिए बजट आवंटन 09.03.2022 को संप्रेषित किया गया था। अत: इस क्रियाकलाप को वित्तीय वर्ष 2021-22 में इतनी कम अवधि में नहीं लिया जा सका। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान क्रियाकलाप के लिए बजट आवंटन पर विचार करते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान क्रियाकलाप को लिया जाएगा।

लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 400 | 50 | 2500 | 50 | 3000 | 1470 | 1530 |

**(छ) खेल :**

**i) कोलाप्टुकर/दोलुंगमुख मंडल,कमले जिला,अरुणाचल प्रदेश में बहुसांस्कृतिक हॉल-सह-बैडमिंटन इनडोर हॉल का निर्माण, जो निधि के गैर-अतिव्याप्तिकरण के संबंध में जिला प्रशासन से प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए जाने के अधीन है।**

यह क्रियाकलाप वित्तीय वर्ष 2021-22 में नहीं लिया जा सका था क्योंकि कार्य के विस्तृत आकलन, निर्माण के लिए स्थल को अंतिम रूप देने और कार्य प्रदान करने के तरीके में समय लगा। बहुसांस्कृतिक सह बैडमिंटन हॉल के निर्माण के लिए प्रस्तावित स्थल बजट आवंटन के इस प्रस्ताव की शुरुआत के समय संभावित था। निर्माण स्थल को अंतिम उपयोगकर्ताओं के परामर्श से डोलुंगमुख मंडल (कमले जिला) के भीतर बूरी-बूट ग्राउंड, बोमटे गांव में अंतिम रूप दिया गया था; और तदनुसार भूमि दस्तावेज एकत्र किए गए हैं। कार्य के विस्तृत आकलन के बाद कार्य की कुल लागत 57.00 लाख रुपये निकाली गई है। एमओयू मोड के तहत राज्य सरकार के विभाग के माध्यम से कार्य शुरू किया जाएगा। परियोजना ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में इस क्रियाकलाप के लिए पहले ही 57.00 लाख रुपये की निधि का अनुरोध प्रस्तुत किया है।

लाभार्थियों का ब्यौरा

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला | पुरुष |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 800 | 100 | 4000 | 100 | 5000 | 2450 | 2550 |

## 25. दिबांग बहुउद्देश्यीय परियोजना

**स्वास्थ्य और स्वच्छता:**

- **बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/औषधालयों में चिकित्सा व्यय - सीएसआर:**

सीएसआर और एसडी पहल के अंतर्गत, दिबांग बहुउद्देश्यीय परियोजना ने एनएचपीसी के चिकित्सकों द्वारा बाहरी लोगों को मुफ्त चिकित्सा परामर्श प्रदान किया था और जिला लोअर दिबांग घाटी, रोइंग में स्थित औषधालय में मुफ्त दवाएं और उपकरण की सुविधा भी दी थी। आसपास के क्षेत्रों के 581 से अधिक व्यक्तियों ने मुफ्त चिकित्सा परामर्श और अन्य सुविधाओं का लाभ उठाया।
11.09 लाख रुपये के आवंटित बजट की तुलना में कुल 8.1 लाख रुपये खर्च किए गए।

**<u>लाभार्थियों का ब्यौरा</u>**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला |
|---|---|---|---|---|---|
| 239 | 0 | 323 | 0 | 581 | 155 |

- **एनएचपीसी, डीएमपीपी द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार को कोल्ड चेन उपकरण मुहैया कराया जाना**

एनएचपीसी,दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना ने अरुणाचल प्रदेश में कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम के लिए कोल्ड चेन उपकरण यथा 25 आइस लाइनेड रेफ्रिजरेटर आईएलआर (छोटा)और 13 डीप फ्रीजर डीएफ (छोटा)की खरीद की थी। डीप फ्रीजर की एक खेप 7 जनवरी,2021 को पहले ही सौंपी जा चुकी थी। 25 आइस लाइन रेफ्रिजरेटर की दूसरी खेप 14 मई,2021 को अरुणाचल प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग को सौंपी गई। कुल खर्च 29.7 लाख रुपये था जो परियोजना के सीएसआर के तहत किया गया था। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग,अरुणाचल प्रदेश सरकार ने इस महामारी की स्थिति के दौरान सहायता प्रदान करने के

लिए एनएचपीसी,दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना का आभार व्यक्त किया। स्थानीय प्रशासन द्वारा इस पहल की काफी सराहना की गई,क्योंकि इन उपायों से वैक्सीन को ठीक से भंडारण करने में सहायता मिलेगी।
21.5 लाख रुपए के आवंटित बजट की तुलना में 29.7 लाख रुपये का कुल व्यय किया गया था।

**<u>लाभार्थियों का ब्यौरा</u>**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला |
|---|---|---|---|---|---|
| 103172 | 0 | 150321 | 0 | 253493 | 124212 |

- **स्वच्छ विद्यालय अभियान के तहत अक्रियाशील शौचालयों का सुधार,रखरखाव**

  मानव संसाधन विभाग,भारत सरकार के सहयोग से स्वच्छ विद्यालय अभियान,के अंतर्गत दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना,एनएचपीसी लिमिटेड को लोअर दिबांग घाटी जिले और दिबांग घाटी जिले के 7 स्कूलों में 12 शौचालय,8 छोटे और 4 बड़े शौचालय बनाने का कार्य सौंपा गया था। यह कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री के एक वर्ष के भीतर लड़कियों के लिए एक अलग शौचालय के साथ हर स्कूल में शौचालय उपलब्ध कराने के संकल्प का हिस्सा था। हाल ही में दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना को उपरोक्त अक्रियाशील शौचालयों के सुधार और रखरखाव का कार्य सौंपा गया था,अब तक डीएमपीपी ने लोअर दिबांग घाटी जिले में स्कूल अधिकारियों

को 9 शौचालयों को सुधार कर सौंप दिया है,जबकि अमूली में एक शौचालय को स्कूल के स्थायी रूप से बंद होने के कारण छोड़ दिया गया है और आवासीय विद्यालय,ठिये में दो शौचालयों का मामला ग्राम पंचायत, ठिये के साथ-साथ अध्यक्ष एसएमजी,आवासीय विद्यालय,ठिये के समक्ष उठाया गया है। उपरोक्त दोनों शौचालय दिबांग घाटी जिले में हैं।

1.9 लाख रुपये के आवंटित बजट की तुलना में कुल 0.88 लाख रुपये खर्च किए गए।

<u>लाभार्थियों का ब्यौरा</u>

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | कुल | महिला |
|---|---|---|---|---|---|
| 217 | 0 | 388 | 0 | 605 | 315 |

## 26. बीआरपीपी-पटना

### (क) ग्रामीण विकास

- **बिहार के भोजपुर जिले के आरा के शाहपुर के विभिन्न गांवों में निर्मित पीसीसी सड़कों का सुदृढ़ीकरण:**

बिहार ग्रामीण सड़क परियोजना बिहार के भोजपुर जिले में स्थित है। शाहपुर क्षेत्र के आसपास के गांवों में सतत विकास के लिए समय-समय पर सीएसआर और एसडी क्रियाकलाप शुरू किए गए हैं। आरा, जिला भोजपुर के शाहपुर प्रखंड में कुल 30 सड़क का निर्माण किया गया। पीसीसी सड़कों के निर्माण के बाद, यह देखा गया है कि कुछ स्थानों पर कंक्रीट का टूटना और मामूली दरार जैसी कुछ मामूली क्षति हुई है। अत: चार गांवों में पीसीसी सड़कों के सुदृढ़ीकरण का कार्य किया गया है। इस सड़क से 4000 से अधिक स्थानीय निवासी लाभान्वित हुए। कुल 14.71 लाख रुपए की राशि के आवंटित बजट की तुलना में इस क्रियाकलाप के लिए 6.78 लाख रुपए की कुल राशि खर्च की गई थी।

शाहपुर ब्लाक के विभिन्न गांवों में निर्मित पीसीसी सड़कों का सुदृढ़ीकरण

- **सीएसआर और एसडी क्रियाकलापों के अंतर्गत आरा जिला (भोजपुर), बिहार के शाहपुर ब्लॉक के विभिन्न गांवों में निर्मित पीसीसी सड़कों का बर्म संरक्षण:**

शाहपुर क्षेत्र के आसपास के गांवों में सतत विकास के लिए समय-समय पर सीएसआर और एसडी क्रियाकलाप प्रारंभ किए गए हैं। आरा, जिला भोजपुर के शाहपुर प्रखंड में सड़क का निर्माण किया गया था। पीसीसी सड़कों के निर्माण के बाद, यह देखा गया है कि कुछ मामूली क्षति जैसे कि किनारे पर ईंटों का धंसना,कुछ स्थानों पर मिट्टी का कटाव पाया गया। अत: चार गांवों में पीसीसी सड़कों के सुदृढ़ीकरण का कार्य किया गया है। इस सड़क से 3500 से अधिक स्थानीय निवासी लाभान्वित हुए। 8.05 लाख रुपये के आवंटित बजट की तुलना में इस क्रियाकलाप के लिए 6.62 लाख खर्च किए गए थे।

**शाहपुर ब्लॉक के विभिन्न गांवों में निर्मित पीसीसी सड़कों का बर्म संरक्षण**

- **शाहपुर के विभिन्न स्थानों पर सीएसआर और एसडी कार्य के लिए डिस्प्ले साइन बोर्ड की स्थापना:** शाहपुर क्षेत्र के आसपास के गांवों में सतत विकास के लिए सीएसआर और एसडी क्रियाकलाप शुरू किए गए हैं। इस प्रस्ताव के अंतर्गत आरा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में प्रस्तावित विभिन्न क्रियाकलापों में पीसीसी सड़कों, सामुदायिक केंद्र, छठ घाट, चबूतरे का निर्माण, सौर प्रकाश की आपूर्ति और स्थापना, आर्सेनिक हटाने का संयंत्र आदि शामिल हैं। इसके लिए प्रत्येक पूर्ण कार्य/क्रियाकलाप को उचित रूप से दर्शाने के लिए प्रत्येक स्थान पर डिस्प्ले साइन बोर्ड स्थापित करना आवश्यक है। इस वित्तीय वर्ष 2021-2022 में इस क्रियाकलाप के लिए 1.37 लाख रुपये की राशि खर्च की गई थी।

- **शाहपुर के विभिन्न गांव में पीसीसी सड़कों का निर्माण:**
  शाहपुर क्षेत्र के आसपास के गांवों में सतत विकास के लिए सीएसआर और एसडी क्रियाकलाप शुरू किए गए हैं। पीसीसी सड़क को ब्लॉक शाहपुर,जिला भोजपुर में आरा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में निष्पादित करना प्रस्तावित था। इस सड़क से 50000 से अधिक स्थानीय निवासी लाभान्वित हुए। इस वित्तीय वर्ष 2021-2022 में इस क्रियाकलाप के लिए 5.84 लाख रुपए खर्च किए गए थे।

- **शाहपुर के विभिन्न गांवों में पीसीसी सड़कों के किनारे मिट्टी भरना**:

  शाहपुर क्षेत्र के आसपास के गांवों में सतत विकास के लिए सीएसआर और एसडी क्रियाकलाप प्रारंभ किए गए हैं। इस प्रस्ताव के अंतर्गत आरा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में पीसीसी सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है। धवारी भीमपाटी,लहंग डुमरिया और झोआ गाँवों में सड़कों की सुरक्षा के लिए साइडों का संरक्षण आवश्यक है। अभी तक अर्थ फिलिंग का कार्य किया जा चुका है। इस वित्तीय वर्ष 2021-2022 में इस क्रियाकलाप के लिए 3.52 लाख रुपए की राशि खर्च की गई थी।

- **शाहपुर के विभिन्न स्थानों पर सीएसआर और एसडी कार्य के लिए सामुदायिक केंद्र और छठ घाट का निर्माण:** शाहपुर क्षेत्र के आसपास के गांवों में सतत विकास के लिए सीएसआर और एसडी क्रियाकलाप शुरू किए गए हैं। सीएसआर एवं एसडी कार्य के अंतर्गत आरा संसदीय क्षेत्र में छठ घाट को निष्पादित करने का प्रस्ताव है। इस वित्तीय वर्ष 2021-2022 में इस क्रियाकलाप के लिए 5.69 लाख रुपए की राशि खर्च की गई थी।

## शाहपुर ब्लाक में सामुदायिक केन्द्र और छठ घाट का निर्माण

**<u>लाभार्थियों का ब्यौरा</u>**

| सामान्य | अनु.जा. | अनु.ज.जा. | अ.पि.व. | पुरुष | महिला |
|---|---|---|---|---|---|
| 179623 | 52703 | 6453 | 119749 | 188699 | 169829 |

# 50 मेगावाट तमिलनाडु सोलर पावर परियोजना में सीएसआर – कोविड-19 के अंतर्गत चिकित्सा सहायता सामग्रियों का वितरण

सरकारी मुख्यालय अस्पताल, पेरियाकुलम, जिला थेनी, तमिलनाडु को चिकित्सा सहायता सौंपने के कार्यक्रम का आयोजन 23.04.2021 को सीएसआर पहल – कोविड-19 के मद्देनजर आपदा प्रबंधन के तहत किया गया था। चिकित्सा सहायता का वितरण श्री जे.पुनीधन,महाप्रबंधक,50 मेगावाट तमिलनाडु सौर ऊर्जा परियोजना द्वारा किया गया था। इस अवसर पर स्थल पर तैनात सभी अधिकारी मौजूद थे। इस सीएसआर क्रियाकलाप के माध्यम से हैंड सैनिटाइज़र (100 लीटर), मास्क (6000 नग), सर्जन कैप (10000 नग), पल्स ऑक्सीमीटर (5 नग), इन्फ्रारेड थर्मामीटर (5 नग), हाथ के दस्ताने (3500 नग) अस्पताल प्रशासन को सौंपे गए।

डॉ. के.एस. कुमार, अधीक्षक (प्रभारी) ने अस्पताल के अन्य अधिकारियों के साथ इस पहल के लिए एनएचपीसी लिमिटेड की सराहना की। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि पूरे देश में बढ़ती हुई कोविड-19 वैश्विक महामारी की स्थिति को देखते हुए, एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा दिया गया समर्थन बहुत उपयुक्त है और अस्पताल प्रशासन की ओर से विनम्रतापूर्वक आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में और अधिक सीएसआर पहलें करने का भी अनुरोध किया जो जनता के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम का आयोजन भारत सरकार द्वारा अधिसूचित कोविड -19 प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करते हुए किया गया था।

## 28. वित्तीय वर्ष 2021-22 में कारपोरेट कार्यालय के माध्यम से किए गए सीएसआर क्रियाकलापों पर संक्षिप्त विवरण

वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कारपोरेट कार्यालय के माध्यम से निम्नलिखित सीएसआर क्रियाकलापों को किया गया:

**क्षेत्र - शिक्षा और कौशल विकास**

- **मुंडेरी राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,कन्नूर,केरल में 'विकास,नवीनीकरण और उन्नति योजना' के अंतर्गत 6 कक्षाओं का निर्माण ।**

एनएचपीसी ने **मुंडेरी राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,कन्नूर,केरल में 6 कक्षाओं के निर्माण** के लिए सीएसआर सहायता के प्रति विकास,नवीनीकरण और उन्नति योजना के अंतर्गत सीएसआर क्रियाकलाप के लिए 2.10 करोड़ रुपए की कुल वित्तीय सहायता मुहैया कराई। मुंडेरी राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्नूर जिले के अंतर्गत मुंडेरी ग्राम पंचायत के कन्हिरोड गांव में स्थित है। यह स्कूल 1981 में स्थापित किया गया था। यह छठी कक्षा से बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करता है। 18 मार्च 2020 को हस्ताक्षरित एमओयू के माध्यम से निष्पादित सीएसआर क्रियाकलाप का निर्माण तथा लिफ्ट और अन्य सुविधाओं के साथ सभी तरह से 10.01.2022 को पूरा किया गया।

जिला सचिव पंचायत कन्नूर द्वारा संचालित इस गतिविधि से लगभग 1000 छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। इस सीएसआर गतिविधि के तहत सीढ़ी कक्ष और 10,000 लीटर क्षमता की घरेलू पानी की टंकी का निर्माण, लड़के और लड़कियों के लिए अलग शौचालय ब्लॉक का निर्माण, जलापूर्ति व्यवस्था, सेप्टिक टैंक, ई.एल.वी. कार्य, भवन का विद्युतीकरण, और 16 यात्रियों के लिए लिफ्ट स्थापित की गई।

**मुंडेरी राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कन्नूर, केरल में 6 कक्षाओं के निर्माण**

- **सरकारी विद्यालयों में पास प्रतिशत में सुधार के लिए "शिक्षित हरियाणा" परियोजना को संस्थागत रूप देने के लिए एक परियोजना प्रबंधन यूनिट (पीएमयू) स्थापित करना:**

सीएसआर व एसडी के अंतर्गत "शिक्षित हरियाणा' परियोजना के अंतर्गत एनएचपीसी द्वारा रु 12,00,000/- की सहायता राशि प्रदान की गई। उपरोक्त परियोजना को कार्यान्वयन करने हेतु एनएचपीसी व जिलाधिकारी, फ़रीदाबाद के बीच दिनांक 24.08.2020 को एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह परियोजना सरकारी स्कूल के बच्चों व स्कूलों के अध्यापकों के लिए काफी फाईदेमंद रहा और परियोजना अपना कार्यकाल 31 दिसम्बर 2021 को पूर्ण कर लिया। इस परियोजना में सरकारी स्कूलों के अध्यापकों ने आई0आई0एम0 अहमदाबाद द्वारा बनाई गई पेडागोजी के तहत वर्ल्ड क्लास ऐजूकेशनल लैक्चर बनाए व 1 लाख से अधिक बच्चों को कोविड के दौरान शिक्षण देने में सहायता दी। जोकि अपने आपमें राष्ट्रीय स्तर की एक बड़ी उपलब्धि है जोकि हरियाणा का एकलौता बेस्ट आई.सी.टी .प्रोग्राम बना है। इस परियोजना को हरियाणा गुड गर्वनेंस अर्वाड, 2020 से सम्मानित भी किया जा चुका है।

शिक्षित हरियाणा प्रोजेक्ट से जुड़े सभी एजेंसिओं को एक समारोह मे हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने योगदान के लिए सम्मानित भी किया है।

**श्री उदय शंकर शाही, कार्यपालक निदेशक, एनएचपीसी सम्मान ग्रहण करतेहुए।**

- **एनएसडीसी के माध्यम से रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण :**

रोजगार उन्मुख कौशल विकास प्रशिक्षण एनएचपीसी के प्रमुख सीएसआर पहलों में से एक रहा है। इसने 3000 बेरोजगार युवाओं को सहायक की नौकरी की भूमिकाओं में कौशल विकास प्रशिक्षण 5.13 करोड़ रु. के वित्तीय निहितार्थ प्रदान किया है, जैसे - इलेक्ट्रीशियन, सिलाई मशीन ऑपरेटर, स्वरोजगार दर्जी, कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव, फूड एंड बेवरेज सर्विस स्टीवर्ड, रिटेल सेल्स एसोसिएट,नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर मिलने और अभिवादन करने वाले अधिकारी । अब तक 2285 प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया है ।

**क्षेत्र - पर्यावरण**

- **एनएचपीसी की सीएसआर निधि से विधानसभा,सरोजिनी नगर,जिला-लखनऊ में 30 हाई मास्ट सोलर लाइटों की स्थापना**

उत्तर प्रदेश के सरोजिनी नगर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में 30 नग हाई मास्ट सोलर लाइटें लगाई गई हैं। इस गतिविधि से लगभग 2500 लोग लाभान्वित हो रहे हैं। एनएचपीसी ने 40.0 लाख रुपये सीएसआर सहायता के रूप में हाई मास्ट लाइटों की स्थापना और 5 साल के रखरखाव के लिए प्रदान की है। इस सीएसआर गतिविधि में 4 x18W एलईडी आधारित सौर हाई मास्ट स्ट्रीट लाइट शामिल हैं और यह 15.02.2022 को पूरा हो गया है।

**सरोजिनी नगर विधानसभा क्षेत्र में 30 हाई मास्ट सोलर लाइट**

**क्षेत्र -ग्रामीण विकास**

- **हिमाचल प्रदेश के शिमला और कांगड़ा संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में सोलर स्ट्रीट लाइट के 3250 सेटों की आपूर्ति और स्थापना**

हिमाचल प्रदेश के 13 विधानसभा क्षेत्रों में यह सीएसआर गतिविधि आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग के लिए स्थापना के बाद 05 वर्षों के रखरखाव के साथ निष्पादित की गई है।

इस सीएसआर परियोजना का मूल उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के 13 विधानसभा क्षेत्रों के निर्दिष्ट क्षेत्रों में एलईडी आधारित सौर स्ट्रीट लाइट स्थापित करना था। बाहरी सामुदायिक गतिविधियों का समर्थन करने,व्यापार बढ़ाने, विशेष रूप से महिलाओं के लिए सुरक्षा की स्थिति में सुधार करने और क्षेत्रीय सुंदरता को बढ़ाने के लिए इस तरह की लाइटें प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित की जाती हैं। यह हरित और ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने में योगदान देगा और इस प्रकार समाजों का आधुनिकीकरण करेगा। इस परियोजना से दूर-दराज के इलाकों में ग्रामीणों के लिए उच्च गुणवत्ता,सतत प्रकाश समाधान प्रदान करने के जमीनी स्तर के लाभ हैं, जिनके पास पारंपरिक बिजली ग्रिड तक पहुंच नहीं है। इस परियोजना से प्रत्यक्ष लाभार्थी हिमाचल प्रदेश के निर्दिष्ट 13 विधानसभा क्षेत्रों के ग्रामवासी होंगे,जहां प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 250 एलईडी आधारित सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं।

19 जून 2018 को हस्ताक्षरित ईईएसएल के साथ एमओयू के माध्यम से 3250 एलईडी आधारित सौर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना को निष्पादित किया गया था। इस क्रियाकलाप पर 5 वर्ष के रखरखाव सहित कुल व्यय 6,22,55,929/- रुपए (छह करोड़ बाईस लाख पचपन हजार नौ सौ उनतीस रुपए मात्र) था और इसे 08 दिसंबर 2021 को पूरा कर लिया गया है।

शिमला और कांगड़ा में सोलर स्ट्रीट लाइट के 3250 सेटों की स्थापना

**क्षेत्र -महिला सशक्तिकरण**

- **समाज के कमजोर सदस्यों विशेष रूप से महिलाओं,बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु गश्त वाहनों की खरीद के लिए पुलिस आयुक्त फरीदाबाद को सीएसआर सहायता।**

कारपोरेट कार्यालय के एनएचपीसी सीएसआर विभाग ने सीएसआर पहल के अंतर्गत पुलिस आयुक्त, फरीदाबाद (हरियाणा) को 05 गश्त वाहन (मारुति सुजुकी एर्टिगा वीएक्सआई)प्रदान किए हैं। इस क्रियाकलाप के अंतर्गत 46.21 लाख रुपए खर्च किए गए है । 05 वाहन पुलिस आयुक्त फरीदाबाद को सौंपने का कार्यक्रम कारपोरेट कार्यालय फरीदाबाद में माननीय सीएमडी एवं पुलिस आयुक्त फरीदाबाद की उपस्थिति में आयोजित किया गया। गश्त तथा कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए वाहन उपलब्ध कराए गए हैं,जिसका उद्देश्य समाज के कमजोर सदस्यों,विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए प्रभावी पुलिस व्यवस्था और बेहतर सुरक्षा प्रदान करना है।

वाहनों को एनएचपीसी कॉरपोरेट कार्यालय,फरीदाबाद से श्री ए.के.सिंह, सीएमडी, एनएचपीसी और श्री विकास कुमार अरोड़ा, आईपीएस, पुलिस आयुक्त, फरीदाबाद ने 25 मार्च 2022 को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्री वाई.के.चौबे,निदेशक (तकनीकी), श्री बिस्वजीत बसु, निदेशक (परियोजना), श्री ए.के. श्रीवास्तव,एनएचपीसी के मुख्य सतर्कता अधिकारी और श्री नीतीश अग्रवाल, आईपीएस, पुलिस उपायुक्त फरीदाबाद, श्री देवेंद्र कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, फरीदाबाद,हरियाणा पुलिस भी उपस्थित थे। इस अवसर पर एनएचपीसी और हरियाणा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे थे।

**क्षेत्र - स्वास्थ्य देखरेख और स्वच्छता**

- **जिला अस्पताल,सिद्धार्थनगर,उत्तर प्रदेश के परिसर में एक पीएसए ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र की स्थापना के लिए सीएसआर सहायता।**

कोविड-19 की तात्कालिक स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने सिद्धार्थनगर जिले के क्षेत्र में रहने वाले मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए जिला अस्पताल परिसर में 570 एलपीएम ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। सीएसआर और एसडी प्रभाग ने जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के अनुरोध को स्वीकार करने के बाद जिला अस्पताल, सिद्धार्थनगर में 570 एलपीएम क्षमता के ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र की स्थापना के लिए 50.0 लाख रुपये की निधि आवंटित की है। तदनुसार 28.05.2021 को जिला प्राधिकारी, सिद्धार्थनगर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। संयंत्र चालू हो गया है और 07.10.2021 को राष्ट्र को समर्पित कर दिया गया है। जिला अस्पताल के 50 आइसोलेशन बेड और 20 आईसीयू बेड में ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है।
परीक्षण चालन सफलतापूर्वक पूरा किया गया और डॉ.अनूप यादव और सिद्धार्थनगर,अस्पताल की टीम को ऑपरेशन/आवश्यक जांच के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
ट्राइडेंट न्यूमेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के उत्पादों को अनुदेश मैनुअल में उल्लिखित निर्देशों के अनुसार स्थापित और संचालित होने पर सामग्री और कारीगरी के दोषों से मुक्त होने की गारंटी है।

**• बी के अस्पताल, (जिला अस्पताल/ सरकारी अस्पताल) फरीदाबाद में सिलेंडर भरने वाली बूस्टर सुविधा के साथ 1000 (+/-5%) एलपीएम के एक पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र की प्रायोगिक प्रशिक्षण के साथ आपूर्ति, स्थापन, परीक्षण और चालू करना।**

कोविड के मामलों में वृद्धि और कोविड रोगियों को ऑक्सीजन की आवश्यकता में अचानक वृद्धि को देखते हुए, एनएचपीसी लिमिटेड को निर्देश दिया गया था कि फरीदाबाद में सरकारी अस्पताल में एक ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित किया जाए। तदनुसार, मैसर्स स्पाइरेयर एनर्जी प्रा. लिमिटेड ने बी के अस्पताल में 320 केवीए डीजी सेट के प्रावधान के साथ सिलेंडर भरने की सुविधा वाले बूस्टर के साथ 1000 (+/-5%) एलपीएम के एक ऑक्सीजन संयंत्र की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू किए जाने के लिए सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद 163.03 लाख रुपए की राशि के लिए एक क्रय आदेश दिया गया था। इस सीएसआर क्रियाकलाप का कार्यान्वयन एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया गया था। इस क्रियाकलाप की कुल परियोजना लागत 212.06 लाख रुपए थी।

स्थापना और पूरी तरह से चालू होने के बाद, 1000 एलपीएम ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र का 07.10.2021 को उद्घाटन किया गया और इसे राष्ट्र को समर्पित किया गया, आगे संयंत्र को चलाने और रखरखाव के लिए इसे अस्पताल प्राधिकरण को सौंप दिया गया है।

## विद्युत स्टेशनों/परियोजनाओं/यूनिटवार व्यय का विवरण (वित्तीय वर्ष 2021-22)

**राशि लाख रुपये में**

| क्रमांक सं. | पावर स्टेशन/परियोजना/यूनिट | आवंटित निधि | व्यय |
|---|---|---|---|
| 1 | क्षेत्रीय कार्यालय-जम्मू | 189.10 | 139.10 |
| 2 | सलाल | 412.18 | 324.45 |
| 3 | दुलहस्ती | 476.14 | 439.55 |
| 4 | उड़ी-। | 982.68 | 161.18 |
| 5 | उड़ी-।। | 174.54 | 95.04 |
| 6 | किशनगंगा | 213.88 | 87.57 |
| 7 | चुटक | 222.65 | 175.25 |
| 8 | निम्मो-बाजगो | 102.58 | 80.08 |
| 9 | क्षेत्रीय कार्यालय - बनीखेत | 22.96 | 19.58 |
| 10 | सेवा-II | 56.48 | 31.48 |
| 1 1 | बैरा-स्यूल | 62.40 | 58.81 |
| 12 | चमेरा-। | 191.74 | 189.11 |
| 13 | चमेरा-।। | 840.43 | 833.67 |
| 14 | चमेरा-III | 22.25 | 19.78 |
| 15 | लोकतक | 391.14 | 380.72 |
| 16 | पार्वती-।। | 442.96 | 396.32 |
| 17 | पारबती-III | 51.65 | 20.70 |
| 18 | धौलीगंगा | 381.01 | 342.54 |
| 19 | टनकपुर | 307.99 | 304.49 |
| 20 | क्षेत्रीय कार्यालय- सिलीगुड़ी | 209.75 | 158.11 |
| 21 | रंगित | 339.56 | 339.54 |
| 22 | तीस्ता-V | 429.54 | 397.31 |
| 23 | टीएलडीपी-III | 211.96 | 208.34 |
| 24 | टीएलडी-IV पीएस | 14.00 | 10.88 |
| 25 | सुबानसिरी लोअर | 1191.63 | 538.17 |
| 26 | दिबांग | 34.49 | 34.09 |
| 27 | बीआरआरपी पटना (बिहार) | 69.00 | 43.68 |
| 28 | **कारपोरेट कार्यालय** द्वारा किए जा रहे सीएसआर कार्य। | 5833.66 | 4699.73 |
| | **कुल** | **13878.34** | **10529.27** |

# वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान पावर स्टेशन/ परियोजना/ यूनिट-वार और क्रियाकलाप-वार व्यय (राशि लाख रुपये में)

| क्रम सं. | पावर स्टेशन/ परियोजना/ यूनिट | क्षेत्र | क्रियाकलापों/पहलों का विवरण | व्यय |
|---|---|---|---|---|
| 1 | **क्षेत्रीय कार्यालय-जम्मू** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | कोविड-19 के लिए सीसीई (कोल्ड चेन उपकरण) के बुनियादी ढांचे आदि का विस्तार | 139.10 |
| | | | **कुल (क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू):** | 139.10 |
| 2 | **सलाल** | शिक्षा और कौशल विकास | रियासी जिले के रियासी, चिंखा और पौनी शैक्षिक क्षेत्रों के त्रिन्था, बकल, कुंद्रा और खेरल में सरकारी स्कूलों के मौजूदा भवनों में सुधार और चारदीवारी / सुरक्षा दीवारों और अन्य सुविधाओं का निर्माण। | -5.48 |
| | | | केन्द्रीय विद्यालय/बाहरी लोगों के लिए अन्य विद्यालयों पर व्यय-सीएसआर। | 248.75 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में बाहरी लोगों के लिए चिकित्सा व्यय -सीएसआर। | 10.98 |
| | | ग्रामीण विकास | सलाल पावर स्टेशन द्वारा जिला रियासी के गांव बिड्डा को आदर्श गांव के रूप में गोद लेना। ख) बिड्डा रोड की रिटेनिंग वॉल का निर्माण और ब्लैक टॉपिंग । | 65.60 |
| | | | रियासी जिले के ग्राम कोटला और थेरू (रांसू) जिला में जलापूर्ति का सुधार/विस्तार एवं आपूर्ति। | 3.00 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 1.60 |
| | | | **कुल (सलाल):** | **324.45** |
| 3 | **दुलहस्ती** | शिक्षा और कौशल विकास | केन्द्रीय विद्यालय/बाहरी लोगों के लिए अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 341.12 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | सेवा भारती, एक गैर सरकारी संगठन जो जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के डोडा, किश्तवाड़ और उधमपुर जिलों के दूर-दराज के क्षेत्रों के बीमार व्यक्तियों को एम्बुलेंस सेवाएं प्रदान कर रहा है, के | 25.02 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | लिए एम्बुलेंस (पंजीकरण सहित) की अधिप्राप्ति/ खरीद के लिए सीएसआर सहायता। | |
| | | | सीएसआर परियोजना के लिए 'आरोग्य-प्राथमिक स्वास्थ्य जांच और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का प्रावधान और डोडा जिले में गैर संचारी रोगों के लिए उच्च बल के साथ माध्यमिक देखभाल की सुविधा' (क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू)। | 50.25 |
| | | | एनएचपीसी अस्पताल / औषधालय में बाहरी लोगों के लिए चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 13.16 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 10.00 |
| | | | **कुल (दुलहस्ती):** | **439.55** |
| 4 | **उड़ी-।** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों, सोपोर, जिला-बारामूला (जम्मू-कश्मीर) के लिए सिविल कार्य और मशीनरी उपकरण। | 45.00 |
| | | | एनएचपीसी अस्पताल/ बाहरी लोगों के लिए औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 1.05 |
| | | शिक्षा और कौशल विकास | आधारभूत संरचना का उन्नयन- 2005 में भूकंप में क्षतिग्रस्त हुए पुराने भवन के स्थान पर जिंगल हाई स्कूल में स्कूल भवन का निर्माण। | 14.74 |
| | | | ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने के लिए गरीब और जरूरतमंद छात्रों को टैबलेट प्रदान करना। | 1.20 |
| | | | केन्द्रीय विद्यालय/बाहरी लोगों के लिए अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 72.56 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 26.63 |
| | | | **कुल (उड़ी-I):** | **161.18** |
| **5** | **उड़ी-।।** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में बाहरी लोगों के लिए चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 14.07 |
| | | शिक्षा और कौशल विकास | केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों में बाहरी लोगों के लिए व्यय - सीएसआर। | 72.56 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 6.64 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ग्रामीण विकास | जबला गांव में शमशान घाट और शमशान घाट तक पहुंच सड़क का निर्माण। | 1.77 |
| | | | **कुल (उड़ी-।।):** | **95.04** |
| 6 | **किशनगंगा** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | जिला प्रशासन को कोविड-19 में सहायता। | 2.00 |
| | | ग्रामीण विकास | चेक गांव, बांदीपुरा (जम्मू-कश्मीर) में 2/3 पुलिया का निर्माण और मरम्मत / जलापूर्ति लाइन का विस्तार। | 7.60 |
| | | | आसपास के गांवों-करालपोरा, चेक, मंत्रीग्राम, चंदाजी और गुरेज के लिए नालियों, पुलियों और फुटपाथों की मरम्मत, पुनरूद्धार और सफाई। | 4.18 |
| | | | आसपास के गांवों में नालियों की मरम्मत और रखरखाव। | 2.45 |
| | | | करलपोरा, मंत्रीगाम, चंदाजिक जैसे आसपास के गांवों में स्थानीय जलापूर्ति लाइन की मरम्मत और रखरखाव | 12.71 |
| | | स्वच्छ भारत अभियान | बांदीपोरा में गुलशन चौक का विकास। | 18.55 |
| | | | बांदीपोरा निशात गार्डन का विकास। | 36.82 |
| | | आपदा प्रबंधन | ग्राम गुरेज के अग्नि प्रभावित परिवारों के लिए एसडीएम गुरेज को टिन शीट उपलब्ध कराने के लिए 2.3 मीट्रिक टन सीजीआई शीट की खरीद। | 2.86 |
| | | खेल | स्थानीय खेलों, कला और संस्कृति के लिए प्रशिक्षण और सामग्री के माध्यम से सुदृढ़ीकरण। | 0.39 |
| | | | **कुल (किशनगंगा):** | **87.57** |
| 7 | **चूटक** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | टैंकर आपूर्ति के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराना। | 2.74 |
| | | | कम से कम 500 एलपीएम प्रत्येक की क्षमता वाले 2 ऑक्सीजन संयंत्र की स्थापना के लिए सीएसआर सहायता, एक COVID समर्पित अस्पताल, कारगिल के लिए और दूसरा सीएचसी संकू के लिए। | 160.00 |
| | | | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 12.41 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 0.10 |
| | | | **कुल (चूटक):** | 175.25 |
| 8 | **निम्मो- बाजगो** | | खलत्से गांव में बोरवेल के माध्यम से पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना और पाइप लाइन बिछाना। | 2.00 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | सीएचसी खालसी के लिए एक 200 एलपीएम क्षमता का ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र और अन्य संबंधित सेवाएं/उपकरण की खरीद। । | 58.90 |
| | | | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 17.95 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 1.23 |
| | | | **कुल (निम्मो- बाजगो):** | **80.08** |
| 9 | **आरओ- बनीखेत** | शिक्षा और कौशल विकास | ग्रामीण युवाओं के लिए कटिंग एंड टेलरिंग, ब्यूटी कल्चर और कम्प्यूटर एप्लीकेशन में सर्टिफिकेट का व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्ययक्रम। | 4.50 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 15.08 |
| | | | **कुल (आरओ- बनीखेत)** | **19.58** |
| 10 | **सेवा-II** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आउटरीच स्वास्थ्य सेवा परियोजना के लिए सहायता। | 25.00 |
| | | | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 6.48 |
| | | | **कुल (सेवा-।।):** | **31.48** |
| 1 1 | **बैरास्यूल** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | परियोजना अस्पताल, सुरंगिनी के लिए सीएसआर सहायता, जिसे हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समर्पित कोविड देखभाल केंद्र घोषित किया गया है। ( बैरास्यूल)। | 5.54 |
| | | | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 52.81 |
| | | ग्रामीण विकास | सरकारी प्राथमिक विद्यालय भंडार में दो कमरों का निर्माण । | 0.39 |
| | | | सुरंगनी बस स्टैंड का पुन: निर्माण | 0.08 |
| | | | **कुल (बैरास्यूल):** | **58.81** |
| 12 | **चमेरा I** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 28.34 |
| | | शिक्षा और कौशल विकास | बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 160.76 |
| | | | **कुल (चमेरा-I):** | **189.11** |
| 13 | **चमेरा II** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | 1.5 टेस्ला एमआरआई मशीन प्रदान करना। | 485.16 |
| | | | 8 वर्षों के लिए सीएमसी के साथ 128 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन प्रदान करना। | 78.17 |
| | | | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 19.63 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | शिक्षा और कौशल विकास | बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 249.21 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 1.50 |
| | | | **कुल (चमेरा-द्वितीय):** | **833.67** |
| **14** | **चमेरा-III** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 19.78 |
| | | | **कुल (चमेरा-III):** | **19.78** |
| **15** | **लोकतक** | शिक्षा और कौशल विकास | बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 267.82 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 82.31 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 30.59 |
| | | | **कुल (लोकतक):** | **380.72** |
| **16** | **पार्बती - ।।** | शिक्षा और कौशल विकास | नि:शक्तजन छात्रों के लिए नवचेतना स्कूल भवन, कुल्लू के लिए रैंप का निर्माण। | 1.14 |
| | | | बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 372.42 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 0.49 |
| | | | जिला प्रशासन, मण्डी को व्हील चेयर की खरीद और वितरण के लिए सीएसआर सहायता। | 2.00 |
| | | | रेडक्रॉस सोसायटी को ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराना। | 2.49 |
| | | ग्रामीण विकास | आरडी 10000 से ग्राम रैल्ला/सैंज जिला कुल्लू तक मोटर योग्य सड़क का निर्माण। | 8.63 |
| | | | बिजली महादेव, मकीमी मथान, जिला कुल्लू में सराय भवन का पुनर्निर्माण। | 6.16 |
| | | आपदा प्रबंधन | तेंसिल सैंज के ग्राम माझां में राहत के रूप में अग्नि प्रभावित लोगों को जीआई शीट उपलब्ध कराना। | 2.99 |
| | | | **कुल (पार्बती-।।):** | **396.32** |
| **17** | **पार्बती-III** | शिक्षा और कौशल विकास | जीएचएस, सारी में महिला शौचालय का निर्माण। | 0.36 |
| | | | मेधावी उम्मीदवारों को छात्रवृत्ति | 4.56 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ग्रामीण विकास | दोहाक ग्राम, ग्राम पंचायत, बड़गांव गालू तहसील झंडूता, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में विरासत के बचाव/संरक्षण के लिए सामुदायिक क्षेत्र का विकास. | 12.42 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 3.36 |
| | | | **कुल (पार्बती-III):** | **20.70** |
| **18** | **धौलीगंगा** | शिक्षा और कौशल विकास | सरकारी इंटर कॉलेज खेत में बांध स्थल के पास सभागार का निर्माण। | 5.61 |
| | | | बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 253.83 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | सीएचसी धारचुला के लिए क्षमता 500 एलपीएम के एक ऑक्सीजन संयंत्र, 45 केवीए डीजी सेट की खरीद और विविध सिविल कार्य। | 65.74 |
| | | | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 6.84 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 10.53 |
| | | | **कुल (धौलीगंगा):** | **342.54** |
| **19** | **टनकपुर** | शिक्षा और कौशल विकास | बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 285.84 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 14.52 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | 11 ग्राम पंचायतों (कोटली भेल) के लोगों के बीच सैनिटाइजर, मास्क, दस्ताने, हैंड वाश आदि की खरीद एवं वितरण। | 0.48 |
| | | | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 3.65 |
| | | | **कुल (टनकपुर):** | **304.49** |
| **20** | **आरओ सिलीगुड़ी** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | लायंस क्लब, जलपाईगुड़ी को एम्बुलेंस उपलब्ध कराना। | 6.02 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | एनएचपीसी आरओ, सिलीगुड़ी द्वारा निर्मित स्कूल शौचालयों में मरम्मत और रखरखाव और जलापूर्ति प्रणाली प्रदान करना। | 152.09 |
| | | | **कुल (आरओ- सिलीगुड़ी):** | **158.11** |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 21 | रंगित | शिक्षा और कौशल विकास | बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 304.31 |
| | | | पुराने 02 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना, जो प्रथम और द्वितीय वर्ष की छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं। | 0.48 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 34.75 |
| | | | **कुल (रंगित):** | **339.54** |
| 22 | तीस्ता-V | शिक्षा और कौशल विकास | बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 316.31 |
| | | | मेधावी उम्मीदवारों को छात्रवृत्ति | 10.80 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 70.20 |
| | | | **कुल (तीस्ता-V):** | **397.31** |
| 23 | टीएलडी-III | शिक्षा और कौशल विकास | बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 176.60 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 12.09 |
| | | ग्रामीण विकास | देवराली, तीस्ता घाटी में शौचालय एवं रसोई के साथ सामुदायिक भवन का निर्माण। | 0.31 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 19.34 |
| | | | **कुल (टीएलडीपी-III):** | **208.34** |
| 24 | टीएलडी-IV पीएस | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 3.35 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 7.53 |
| | | | **कुल (टीएलडी-आईवीपीएस):** | **10.88** |
| 25 | सुबनसिरी | शिक्षा और कौशल विकास | बाहरी लोगों के लिए केन्द्रीय विद्यालय/ अन्य विद्यालयों पर व्यय - सीएसआर। | 183.78 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | धेमाजी और लखीमपुर जिलों (असम) और कमले जिले (अरुणाचल प्रदेश) में स्वास्थ्य सुविधा के उन्नयन के लिए पीएचसी / सीएचसी में चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराना। | 4.36 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | कमले जिला अरुणाचल प्रदेश में 02 एसयूवी प्रकार की एम्बुलेंस उपलब्ध कराना। | 16.38 |
| | | | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 58.05 |
| | | स्वच्छ भारत अभियान | सार्वजनिक क्षेत्रों, सामुदायिक केंद्रों आदि में बोरवेल के साथ सुरक्षित पेयजल सुविधाएं, साइट की आवश्यकता के अनुसार फिल्टरेशन। | 0.71 |
| | | | सीएसआर स्थिरता के लिए जिला प्राधिकारियों के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से 10 आरओ सह स्वच्छता परिसर। | -0.21 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 275.11 |
| | | | **कुल (सुबनसिरी):** | **538.17** |
| **26** | **दिबांग** | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बाहरी लोगों के लिए एनएचपीसी अस्पताल/ औषधालय में चिकित्सा व्यय - सीएसआर। | 10.92 |
| | | | सीसीई (कोल्ड चेन उपकरण) के बुनियादी ढांचे आदि के कोविड-19 संवर्द्धन के लिए। | 21.50 |
| | | स्वच्छ विद्यालय अभियान | खराब शौचालयों को क्रियाशील बनाने के लिए सुधार/रखरखाव/नवीनीकरण कार्य के लिए निधि। | 1.67 |
| | | | **कुल (दिबांग):** | **34.09** |
| **27** | **बीआरआरपी पटना** | ग्रामीण विकास | शाहपुर प्रखंड आरा (भोजपुर जिला) के विभिन्न गांवों में पीसीसी सड़क का निर्माण. | 43.68 |
| | | | **कुल (बीआरआरपी पटना):** | 43.68 |
| **28** | **कारपोरेट कार्यालय नियंत्रित कार्यान्वयन योजनाओं के तहत** | शिक्षा और कौशल विकास | मुंडेरी गवर्मेन्ट हायर सेकेंडरी स्कूल, कन्नूर, केरल में 'विकास, नवीनीकरण और उन्नति योजना' के अंतर्गत 6 कक्षाओं का निर्माण। | 84.00 |
| | | | सरकारी स्कूलों के उत्तीर्ण प्रतिशत में सुधार के लिए "शिक्षित हरियाणा" परियोजना को संस्थागत बनाने के लिए एक परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) की स्थापना के लिए सीएसआर समर्थन। | 4.00 |
| | | | चित्रकला और पेंटिंग लैब में सुधार के लिए अनुश्रुति अकादमी फॉर द डेफ (एएडी), आईआईटी रुड़की को वित्तीय सहायता। | 2.34 |
| | | | टी एंड एचआरडी, सीओ के माध्यम से एमओपी (एनएसडीसी और अन्य एसडीटी के माध्यम से) द्वारा अनुमोदित 3000 युवाओं के लिए अन्य स्थानों के लिए रोजगार उन्मुख व्यावसायिक प्रशिक्षण। | 11.97 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | परियोजना परिधि से परे रोजगार उन्मुख व्यावसायिक प्रशिक्षण (25 किलोमीटर तक)-3000 संख्या एनएसडीसी के माध्यम से और 1000 संख्या अन्य कौशल विकास एजेंसी यानी एनएचएफडीसी/ केवीआईसी के माध्यम से दिव्यांग और अन्य के आजीविका अवसरों में वृद्धि करने के लिए। | 111.77 |
| | | स्वास्थ्य और स्वच्छता | बारामुला जिले (जम्मू-कश्मीर) में चयनित लाभार्थियों को कृत्रिम अंग, क्लच और व्हील चेयर के मुफ्त वितरण के लिए अस्थिरोग शिविर | 49.99 |
| | | | **चम्बा** जिले में दिव्यांग व्यक्तियों को सहायता और उपकरणों के वितरण के लिए एनएचपीसी की सीएसआर पहल के तहत परियोजना शुरू करने का प्रस्ताव | 22.47 |
| | | | **एलिम्को के** माध्यम से बांदीपोरा, लखीमपुर, धेमाजी, पिथौरागढ़, पश्चिम सियांग, चुराचांदपुर में लगभग 2000 दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) को सहायता और उपकरणों का वितरण। | 208.31 |
| | | | जिला अस्पताल, सिद्धार्थ नगर, उत्तर प्रदेश को एक ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र की स्थापना के लिए सीएसआर सहायता। | 50.00 |
| | | | बीके अस्पताल, फरीदाबाद में सिलेंडरों की रिफिलिंग के लिए बूस्टर सुविधा के साथ 1000 एलपीएम के एक ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू किया जाना। | 212.61 |
| | | | फरीदाबाद नगर निगम को फरीदाबाद में स्वच्छता अभियान में सहायता और उसमें तेजी लाने के लिए ट्रैक्टर ट्रॉली प्रदान करना। | 9.97 |
| | | | कार्यालय पुलिस अधीक्षक, बस्ती, उ0प्र0 के लिए 02 शव वाहन उपलब्ध कराना। | 28.40 |
| | | ग्रामीण विकास | कानपुर जिला, उत्तर प्रदेश के बाहरी ग्रामीण क्षेत्रों में एलईडी आधारित सोलर पब्लिक लाइटिंग (हाई मास्ट) और सोलर स्ट्रीट लाइट का कार्यान्वयन। | 7.89 |
| | | महिला सशक्तिकरण/। वरिष्ठ नागरिक | हरियाणा के मेवात क्षेत्र में समाज के वंचित वर्ग की महिलाओं के लिए मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता और आजीविका कार्यक्रम परियोजना "पैड महिला" के लिए सहायता अनुदान हेतु परियोजना प्रस्ताव अनुरोध। | 2.09 |
| | | | समाज के कमजोर सदस्यों, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों, के लिए बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गश्त वाहनों की खरीद के | 46.21 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | लिए पुलिस आयुक्त फरीदाबाद को सीएसआर सहायता। | |
| | | | बिजनौर संसदीय क्षेत्र में सोलर स्ट्रीट लाइट (12 वॉट) प्रदान करना। | 1.02 |
| | | | उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में सोलर हाई मास्ट लाइट (4 x 18 वॉट) उपलब्ध कराने का अनुरोध। | 1.28 |
| | | | बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र में सोलर स्ट्रीट लाइट (12 वाट) लगाने का प्रस्ताव। | 1.02 |
| | | | हिमाचल प्रदेश के शिमला और कांगड़ा संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में एलईडी आधारित सोलर स्ट्रीट लाइट का कार्यान्वयन। | 432.85 |
| | | | विधान सभा, सरोजिनी नगर, जिला -लखनऊ में 100 हाई मास्ट सोलर लाइट की स्थापना। | 23.46 |
| | | | परिक्रमा मार्ग, गिरिराज तलहटी, गोवर्धन, मथुरा में पौधरोपण एवं 200 वृक्षों के वृक्षारोपण और 5 वर्ष रखरखाव हेतु योगदान। | 1.46 |
| | | शिक्षा और कौशल विकास | हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए बाहरी ग्रामीण क्षेत्रों से दिव्यांगजनों की आवाजाही के लिए बस सेवा प्रदान करने के लिए सहयोगी मोड पर सीएसआर समर्थन। | 1.00 |
| | | केंद्रीय सरकार की निधि | पीएम केयर्स फंड में 30 करोड़ रुपये का सीएसआर योगदान। | 3000.00 |
| | | क्षमता निर्माण | नियमित कर्मचारियों का सीएसआर प्रशासनिक उपरिव्यय वेतन व्यय। | 385.71 |
| | | | **कुल (कारपोरेट कार्यालय) :** | **4699.73** |
| | | | **सकल जोड़** | **10529.27** |